19 अगस्त 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

मठिला में आभूषण दुकान का शटर तोड़ 15 लाख रूपए मूल्य के गहने ले उड़े चोर

2

भारत का पहला अंतरिक्ष यात्री-विकसित भारत 2047 में होगा

♦ बोले पीएम मोदी... कैप्टन शुभांशु ने देश के मान को बढ़ाया आगे

एजेंसी/नई दिल्ली

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में जाकर इतिहास रचने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार शाम को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को अंतरिक्ष यात्रा के बारे में जानकारी दी। पीएम मोदी ने गले लगाकर शुभांशु शुक्ला का हौसला बढ़ाया। साथ ही उनकी उपलब्धि की सराहना की। इस दौरान शुभांशु शुक्ला ने पीएम मोदी को अंतरिक्ष यात्रा और उनके अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने पीएम मोदी को अपने प्रयोगों से भी अवगत कराया। पीएम मोदी ने शुभांशु शुक्ला का गर्मजोशी से स्वागत किया। वे उनके कंधे पर हाथ रखकर उनके साथ चले। इस दौरान शुभांशु शुक्ला ने प्रधानमंत्री को एक्सिओम-4 मिशन का मिशन पैच और वह भारतीय तिरंगा भेंट किया जो वे अपने साथ आईएसएस ले गए थे। शुभांशु ने प्रधानमंत्री मोदी को टैबलेट पर आईएसएस से ली गई तस्वीरें भी दिखाईं। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि शुभांशु शुक्ला के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने अंतरिक्ष में उनके अनुभवों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ-साथ भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन सहित कई विषयों पर चर्चा की। शुभांशु की करीब एक साल बाद वतन वापसी हुई है। आईएसएस जाने के लिए उन्होंने लगभग एक साल तक अमेरिका में प्रशिक्षण लिया। शुभांशु के साथ ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर भी भारत लौटे, जिन्हें एक्सिओम-4 मिशन के लिए बैकअप अंतरिक्ष यात्री के तौर पर चुना गया था। शुभांशु के सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी से मिलने और फिर अपने गृहनगर लखनऊ जाने की उम्मीद है। इसके बाद वह 22-23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के समारोह में भाग लेने के लिए राजधानी लौटेंगे।

लोकसभा में विशेष चर्चा का प्रस्ताव

सरकार ने सोमवार को लोकसभा में एक विशेष चर्चा का प्रस्ताव रखा। यह चर्चा शुभांशु की भारत वापसी को चिह्नित करने के लिए आयोजित की जा रही है। लोकसभा में होने वाली चर्चा का विषय है, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत का पहला अंतरिक्ष यात्री-विकसित भारत 2047 के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की भूमिका।

घर लौटकर लग रहा अच्छारू शुभांशु

शुभांशु की घर वापसी पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत के लिए गर्व का क्षण है। इसरो के लिए गौरव का क्षण है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इसे संभव बनाने वाली सरकार के प्रति कृतज्ञता का क्षण है। भारत का अंतरिक्ष गौरव देश की धरती को छू रहा है। भारत माता के सबूत दिल्ली पहुंच रहे हैं। शुभांशु ने एयरपोर्ट पर स्वागत किए जाने पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र को धन्यवाद दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, धन्यवाद सर। घर वापस आकर निश्चित रूप से अच्छा लग रहा है। आईएसएस में बिताए 18 दिन शुभांशु एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा थे, जो 25 जून को फ्लोरिडा से रवाना हुआ और 26 जून को आईएसएस पर पहुंचा। शुभांशु की 15 जुलाई को धरती पर वापस हुई। तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों पैगी व्हिटसन (अमेरिका), स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की (पोलैंड) और टिबोर कापू (हंगरी) के साथ शुभांशु ने 18 दिनों के मिशन के दौरान 60 से अधिक प्रयोग और 20 आउटरीच सत्र आयोजित किए।

चीनी समकक्ष के साथ बैठक में बोले विदेश मंत्री जयशंकर

शांति-सौहार्द बनाए रखने पर सहमति

एजेंसी/नई दिल्ली

चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत पहुंच गए हैं। दिल्ली पहुंचने पर एयरपोर्ट पर चीनी विदेश मंत्री का स्वागत किया गया। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने सीमा विवाद, द्विपक्षीय संबंधों को लेकर चर्चा की। चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लड़ाई प्रमुख प्राथमिकता है। मैं हमारे विचारों के आदान-प्रदान की प्रतीक्षा कर रहा हूं। कुल मिलाकर उम्मीद है कि हमारी चर्चा भारत और चीन के बीच एक स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी संबंध बनाने में योगदान देगी। जो हमारे हितों की पूर्ति करेगा और हमारी चिंताओं का समाधान करेगा। आप चीन में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन से ठीक पहले भारत आएं हैं। हमने इसकी अध्यक्षता के दौरान चीनी पक्ष के साथ मिलकर काम किया है। हम आपके लिए अच्छे परिणामों और निर्णयों के साथ एक सफल शिखर सम्मेलन की कामना करते हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच 24वें दौर की वार्ता के लिए आपका और आपके प्रतिनिधिमंडल का मैं भारत में स्वागत करता हूं।

अक्तूबर 2024 में कजान में

बिहार चुनाव को लेकर राहुल गांधी ने खेला राजनीति का दांव...

बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण से निकलेगा परिणाम दूरगामी : राहुल

एजेंसी/पटना

बिहार में चुनाव आयोग की तरफ से कराया जा रहा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण लगातार सुर्खियों में है। जिन 65 लाख नामों को काटा गया है, उसकी सूची भी सामने आ चुकी है। विपक्षी दल बिहार में वोटर अधिकार यात्रा कर रहे हैं। राहुल गांधी, कांग्रेस और विपक्ष की इस तैयारी से एक बात साफ है कि वे जानते हैं कि इस मुद्दे का व्यापक असर होने की संभावना है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। वे बिहार में तेजस्वी और लालू यादव के साथ मिलकर वोट अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं तो इधर विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है। राहुल गांधी, कांग्रेस और विपक्ष की इस तैयारी से एक बात साफ है कि वे जानते हैं कि इस मुद्दे का व्यापक असर होने की संभावना है। सर के साये में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम भी दूरगामी असर डालने वाले होंगे। राहुल गांधी ने इसके पहले राफेल विमानों की खरीद में घोटाला होने का मुद्दा उठाया और श्चैकीदार चोर हैश का नारा दिया। लेकिन जनता ने उनके इस दावे को स्वीकार नहीं किया और मोदी या केंद्र सरकार इस मुद्दे के बाद ज्यादा मजबूत होकर उभरे। उलटे राहुल गांधी को ही इस बयान के लिए माफी मांगनी पड़ी।

देश की राजनीति पर होगा असर

मतदाता सूची का विवाद पर सत्ता पक्ष-विपक्ष के अपने-अपने दावे हैं। यदि भाजपा-जदयू ने बड़ी जीत हासिल की तो इससे यह मुद्दा दफन हो सकता है और चुनाव आयोग पूरे देश में इसे पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ा सकता है। लेकिन यदि एनडीए बिहार चुनाव हारती है तो कांग्रेस-राहुल गांधी इसी मुद्दे के सहारे पूरे देश में भाजपा-मोदी पर भारी पड़ने का प्रयास करेंगे। यानी बिहार चुनाव में केवल एक प्रदेश की बात भर सीमित नहीं है। कहीं न कहीं यह पूरे देश की राजनीति को प्रभावित करने वाला चुनाव हो सकता है। संभवत: यही कारण है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष ने बिहार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

द्वारका एक्सप्रेसवे का दिल्ली सेक्शन

यदि राहुल गांधी मतदाता सूची पर पैदा हुए विवाद के सहारे कांग्रेस-राजद को बिहार में जीत दिलाने में सफल रहते हैं तो इससे उनकी स्वीकार्यता तेजी से बढ़ेगी। यह पूरे देश में उनकी संघर्ष करने वाले नेता के रूप में छवि को स्थापित करेगा। इसका असर केवल बिहार तक सीमित नहीं रहेगा। यदि वे अपने गठबंधन को जीत दिलाने में सफल रहते हैं तो इससे कांग्रेस पूरे देश में मजबूत हो जाएगी। यूपी में समाजवादी पार्टी से वह बेहतर मोलभाव कर सकेगी और उसे यूपी में ज्यादा सफलता हासिल हो सकती है। यूपी के बाद इसका असर पश्चिम बंगाल और 2029 के लोकसभा चुनावों तक भी हो सकता है। लेकिन यदि मतदाता सूची के मुद्दे को बिहार की जनता ने स्वीकार नहीं किया और बीजेपी-जदयू फिर सरकार बनाने में सफल रहे तो इससे राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठेंगे। सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष के दल भी राहुल गांधी के नेतृत्व को देश-प्रदेश के स्तर पर स्वीकार करने से बचने लगेंगे। यूपी में कांग्रेस की मोलभाव क्षमता प्रभावित होगी और 2029 को लेकर कांग्रेस को अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा।

बीजेपी जीती तो यूपी पर होगी मजबूत दावेदारी

लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने के मुद्दे के सहारे कांग्रेस-सपा ने भाजपा को कमजोर करने में सफलता हासिल कर ली। अभी भी पीडीए मुद्दे को धार दे रहे अखिलेश यादव मानकर चल रहे हैं कि यदि लोकसभा चुनाव की हवा को वे थोड़ा भी धार दे पाए तो यूपी का चुनाव इस बार उनके पक्ष में बेहतर परिणाम ला सकता है। लेकिन यदि बिहार में भाजपा-जदयू जीत हासिल करने में सफल रहते हैं तो इससे यूपी में भगवा दल की दावेदारी मजबूत हो जाएगी। और यूपी में मजबूत होने का असर 2029 तक देखने को मिल सकता है।

बिहार: तेज प्रताप ने बनाई नई पार्टी जनशक्ति जनता दल

एजेंसी/पटना

तेज प्रताप यादव ने नई पार्टी बना ली है। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम जनशक्ति जनता दलश रखा है। वो इस पार्टी का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए चुनाव आयोग गए थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में तेज प्रताप के करीबी बालेंद्र दास ने इसी पार्टी से चुनाव लड़ा था। अनुष्का यादव मामले के बाद लालू यादव ने तेज प्रताप को आरजेडी से निकाल दिया था। तेज प्रताप यादव ने राष्ट्रीय जनता दल से अलग होकर अपनी नई पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम जनशक्ति जनता दल रखा है। वो इस पार्टी का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए चुनाव आयोग गए थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में तेज प्रताप के करीबी बालेंद्र दास ने इसी पार्टी से चुनाव लड़ा था। अनुष्का यादव मामले के बाद तेज प्रताप को उनके पिता लालू यादव ने त्श्रक से निकाल दिया था। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपनी पार्टी का नाम जनशक्ति जनता दल रखा है। वो सोमवार को चुनाव आयोग में रजिस्ट्रेशन के लिए पहुंचे थे। वहां उन्होंने चुनाव आयोग के अधिकारियों से बात की।

तेज प्रताप ने बनाई नई पार्टी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि तेज प्रताप यादव नई पार्टी रजिस्टर करने के लिए आवेदन लेकर आए थे। इससे पहले तेज प्रताप यादव टीम तेज प्रताप यादव के नाम से प्रचार कर रहे थे। अब उन्होंने अपनी नई पार्टी बना ली है। तेज प्रताप यादव सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचे थे। वहां उन्होंने लगभग आधे घंटे तक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से बात की।

आप नेता संजय सिंह और आतिशी की बढ़ीं मुश्किलें, दिल्ली हाईकोर्ट ने भेजा नोटिस

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित की तरफ से दाखिल मानहानि याचिका पर दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और संजय सिंह को नोटिस जारी किया है। दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस रविन्द्र डुडेजा की बेंच ने आप नेताओं को रॉउज एवन्यू कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर संदीप दीक्षित की याचिका पर 4 दिसंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। संदीप दीक्षित के फैसले के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में दायर की हैं। इस याचिका में आप नेताओं के खिलाफ उनकी शिकायत रॉउज एवेन्यू कोर्ट के द्वारा खारिज कर दी गई थी। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा था कि कथित मानहानि कारक बयान चुनाव के दौरान दिए गए थे यह आरोप प्रत्यारोप का हिस्सा थे।

संभव एप्लीकेशन राइटर पर जानकारी डालना, इससे फोर्स की ऑपरेशनल सिक्योरिटी, जोखिम में पड़ सकती है

अलर्ट : संभव एप्लीकेशन राइटर से दूर रहे सीआरपीएफ कर्मी

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स ने 3.25 लाख कर्मियों को सतर्क किया है। सुरक्षाबलों को आगाह किया गया है कि संभव एप्लीकेशन राइटर पर जानकारी डालना, इससे फोर्स की ऑपरेशनल सिक्योरिटी, जोखिम में पड़ सकती है। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल के 3.35 लाख जवानों और अधिकारियों के लिए एक बड़ा अलर्ट है। संभव एप जिस पर बल के सभी कार्मिकों की जानकारी उपलब्ध रहती है, उसे लेकर एक अनाधिकृत एप तैयार किया गया है। उस एप को संभव एप्लीकेशन राइटर का नाम दिया गया है। ये एप, सोशल मीडिया प्लेटफार्म और गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इसमें दावा किया गया है कि यह एप सीआरपीएफ कार्मिकों के लिए स्वत आवेदन तैयार कर देता है। सीआरपीएफ महानिदेशालय ने अपने सभी कार्मिकों को इस एप को डाउनलोड-इंस्टॉल या उपयोग करने के लिए मना किया है। संभव एप्लीकेशन राइटर पर जानकारी डालना, इससे फोर्स की ऑपरेशनल सिक्योरिटी, जोखिम में पड़ सकती है। बता दें कि पांच वर्ष पहले सीआरपीएफ मुख्यालय ने अपने कार्मिकों के लिए संभव मोबाइल एप तैयार कराया था। इस एप के जरिए वे अपनी वित्तीय एवं अन्य विभागीय जानकारी बिना किसी बाधा के जान सकते हैं। इसके लिए उन्हें एप पर क्लिक करना होगा। संभव एप को पीआईएस यानी पर्सनल इंफोर्मेशन सिस्टम की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। सीआरपीएफ मुख्यालय ने संभव एप तैयार होने के बाद अपनी सभी यूनिट्स से कहा था कि वे अधिकारियों व जवानों के मोबाइल नंबर पीआईएस पर अपडेट करा दें।

डुमरांव विधानसभा में रवि उज्वल कुशवाहा का अनोखा प्रयोग, जनता से किए वादों को स्टाम्प पेपर पर कर रहे दर्ज

जनता एग्रीमेंट यात्रा पहुंची नया भोजपुर, लिखित करार से राजनीतिक बदलाव की ओर

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों राजनीतिक माहौल बेहद रोचक होता जा रहा है। चुनावी समीकरणों और वादों के बीच जनता के सामने पहली बार एक अलग ही पहल दिखाई दी है। जनसमर्थन जुटाने निकले जनता एग्रीमेंट पदयात्रा का जत्था रविवार को नया भोजपुर पहुंचा। इस यात्रा का नेतृत्व कर रहे रवि उज्वल कुशवाहा ने यहां नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए एक नया राजनीतिक प्रयोग प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में जनता केवल भाषणों और वादों पर भरोसा करने वाली नहीं है, बल्कि स्टाम्प पेपर पर लिखित एग्रीमेंट लेकर उम्मीदवारों से जवाबदेही तय करेगी। उनके इस विचार पर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और सभा स्थल पर उमड़ी भीड़ ने इस पहल को सराहा।

जनता से लिखित करार

सभा को संबोधित करते हुए रवि उज्वल ने कहा कि आपके समर्थन से लग रहा है कि नया भोजपुर समेत पूरा डुमरांव परिवर्तन का मूड बना चुका है। अब जनता को केवल वादा नहीं चाहिए, बल्कि लिखित भरोसा चाहिए। यही कारण है कि हम जनता के साथ स्टाम्प पेपर पर एग्रीमेंट कर रहे हैं। स्टाम्प पेपर पर किए गए इस करार में नया भोजपुर की कई महत्वपूर्ण समस्याओं और विकास योजनाओं का उल्लेख है। रवि उज्वल ने लिखित में आश्वासन दिया कि नया भोजपुर में राजा भोज की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी और यहां सम्राट अशोक हॉल का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही क्षेत्र की जर्जर सड़कों और नालियों की मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता के अन्य मुद्दों को भी इस एग्रीमेंट में शामिल किया गया है और इनका समाधान उनके लिए संकल्प का विषय है।

जनता का उत्साह

नया भोजपुर में आयोजित इस सभा में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। भीड़ से मिल रहे समर्थन को देखकर रवि उज्वल ने कहा कि अब डुमरांव की जनता बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है। उनका कहना था कि जनता की यह जागरूकता ही असली लोकतंत्र की ताकत है। सभा के दौरान कई बार जनता ने तालियों और नारों के साथ एग्रीमेंट यात्रा का समर्थन किया। स्थानीय लोग इस बात से खासे उत्साहित नजर आए कि पहली बार किसी नेता ने मंच से किए गए वादों को लिखित रूप में उनके सामने रखा है।

सामाजिक और राजनीतिक हस्तियों की मौजूदगी

इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां भी मौजूद रहीं। इनमें पूर्व प्रखंड अध्यक्ष बीरेन्द्र कुशवाहा, समियुल्ला कुरैशी, गोरख चौधरी, संतोष मिश्रा, गुरुदेव प्रसाद सिंह, गोपाल, लाल जी चौधरी, वीर बहादुर सिंह, अशोक सिंह, राम अवधेश, अफजल कुरैशी, सरल बिन्द, मंटू सिंह, राजन सिंह, काशीनाथ कुशवाहा, जोगी कुशवाहा, तेजन यादव, संजय यादव, अशू शर्मा, जगजीवन राम, कमलेश कुशवाहा, माली मिश्रा, जगलाल सिंह और धनीराज समेत कई गणमान्य लोग शामिल थे।

बदलाव की नई राह

नुक्कड़ सभा का समापन करते हुए रवि उज्वल ने दोहराया कि जनता एग्रीमेंट पदयात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि जवाबदेह राजनीति की ओर बढ़ाया गया कदम है। उन्होंने जनता से अपील की कि आने वाले चुनाव में इस पहल को आगे बढ़ाकर अन्य उम्मीदवारों से भी इसी तरह का लिखित करार मांगा जाए। लोगों का कहना है कि अगर इस पहल को सही मायनों में लागू किया गया तो राजनीति में पारदर्शिता और जवाबदेही की एक नई परंपरा शुरू होगी।

मठिला में आभूषण दुकान का शटर तोड़ 15 लाख रूपए मूल्य के गहने ले उड़े चोर

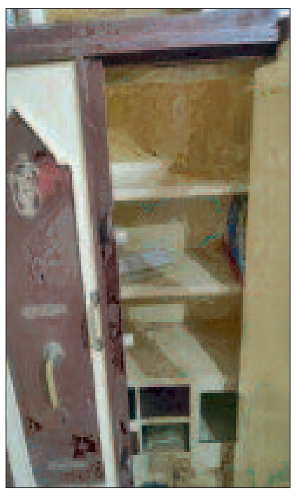

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, मध्य रात्रि आधा दर्जन चोरों ने दिया है घटना को अंजाम, फारेंसिक टीम ने लिया जायज

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के कोरानसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत मठिला गांव स्थित एक ज्वेलरी की दुकान में चोरों ने चोरी की भीषण घटना को अंजाम दिया है। इस दौरान चोरों ने करीब 15 लाख रूपए मूल्य के आभूषण की चोरी कर ली है।

चोरी की यह वारदात रविवार की रात करीब एक बजे आरोही ज्वेलर्स में घटित हुई है। छह की संख्या में आए चोरों ने दुकान का शटर तोड़ अंदर प्रवेश किए तथा लॉकर तोड़ उसमें रखे गहने चुरा लिए है। इस दौरान चोरों ने साक्ष्य छिपाने के लिए सीसीटीवी कैमरे को भी क्षतिग्रस्त किया है, लेकिन उनकी हरकत सीसीटीवी में कैद हो गई है।

सुबह में जब दुकानदार धीरज कुमार सोनी दुकान खोलने पहुंचे तो देखा कि शटर का ताला टूटा है। जिसके बाद उन्हें दुकान में चोरी होने का शक हुआ। जब वे शटर उठा अंदर पहुंचे तो अंदर का नजारा देख चौक गए। चोरों ने तिजोरी तोड़ उसमें रखे करीब 15 लाख रूपए मूल्य के आभूषण पर हाथ साफ कर दिए थे। इसके बाद पीड़ित दुकानदार ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोरानसराय पुलिस मौके पर पहुंची तथा मामले की जांच में जुट गई। वहीं, पुलिस ने इस घटना के उद्भेदन के लिए फारेंसिक जांच टीम का भी सहारा लिया है। शाम में फारेंसिक टीम मौके से कई साक्ष्य एकत्र कर अपने साथ ले गई है।

घटना के बाद से पुलिस की कार्यशैली पर उठ रहे है सवाल

बता दें कि इस घटना से कोरानसराय पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे है। गौरतलब हो कि इसके पूर्व कोरानसराय चौक के पास भी आभूषण दुकान सहित कई अन्य दुकानों में चोरी की वारदात हो चुकी है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीण दहशत में है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस का रात्रि गश्त कमजोर है, जिस कारण चोरों का मनोबल बढ़ा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि अक्सर इस इलाके में चोरी की वारदात होती है। पुलिस चोरों का पता लगाने में विफल साबित हो रही है। जिससे लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रहा है। वहीं, कोरानसराय की प्रभारी थानाध्यक्ष स्वाति कुमारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दुकानदार के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। जल्दी ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सीसीटीवी में कैद हुई है वारदात

चोरों द्वारा भले ही दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को क्षतिग्रस्त किया गया है, बावजूद उनकी हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जिसमें दिखाई पड़ रहा है कि रात एक बजे छह चोर दुकान पर पहुंचे थे तथा शटर तोड़ चोरी की वारदात को अंजाम दिए है।

झाड़ियों से मिली नवजात बच्ची, ग्रामीणों की तत्परता से बची जान

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड के चक्रहंसी गांव में सोमवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब नहर के पुल समीप झाड़ियों में से नवजात बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। ग्रामीण जब मौके पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि महज 15 से 20 दिन की मासूम बच्ची झाड़ियों में पड़ी कांप रही है। किसी संवेदनहीन व्यक्ति ने उसे जिंदा फेंककर मरने के लिए छोड़ दिया था।

ग्रामीणों ने तत्काल तत्परता दिखाते हुए बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला और इसकी सूचना गांव के चौकीदार व डायल 112 को दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। इसके बाद बच्ची को लेकर इटाढ़ी गुमटी स्थित पुलिस चौकी लाया गया। चौकी प्रभारी गुड्डु कुमार ने बताया कि आसपास के गांवों में पूछताछ कर नवजात की पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

पुलिस ने बच्ची की प्राथमिक स्वास्थ्य जांच कराई। इसके बाद विधिक प्रक्रिया के तहत चाइल्ड लाइन को सूचना दी गई। चाइल्ड लाइन की टीम ने पहुंचकर बच्ची को अपनी देखरेख में ले लिया और इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद बच्ची की स्थिति सामान्य बताई। मुफस्सिल थाना प्रभारी शंभू भगत ने बताया कि बच्ची को सुरक्षित चाइल्ड केयर संस्था को सौंप दिया गया है। उन्होंने इस घटना को बेहद अमानवीय और संवेदनहीन कृत्य करार दिया। थाना प्रभारी ने कहा कि यह जानना बेहद जरूरी है कि आखिर किसने मासूम को इस हालत में झाड़ियों में छोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषियों की पहचान होते ही उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गांव में इस घटना को लेकर दिनभर चर्चा बनी रही। लोग इस बात पर आक्रोश जता रहे थे कि कोई मां-बाप कैसे अपनी संतान को इस तरह बेसहारा छोड़ सकते हैं। हालांकि, ग्रामीणों की सजगता और पुलिस की तत्परता से बच्ची की जिंदगी सुरक्षित हो सकी। फिलहाल बच्ची सुरक्षित है और चाइल्ड लाइन की देखरेख में है।

बक्सर के किसानों को राहत मिलने की उम्मीद 22-23 तारीख को अच्छी वर्षा होने की संभावना

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के कुछ क्षेत्रों में छिटपुट बूंदाबांदी को छोड़कर गत 13 अगस्त से वर्षा का बुरा हाल बना हुआ है। वर्षा के अभाव में किसानों के खेत का पानी सूखने लगा है। वर्षा पर आश्रित छोटे तबके के खेतिहर तो अभी भी धान रोपनी का कार्य नहीं कर सके हैं।जिला कृषि कार्यालय से प्राप्त आंकड़े भी यही बताते हैं कि उनके अनुमानित लक्ष्य से अभी लगभग ढाई प्रतिशत खेतों में धान रोपनी का कार्य पूरा नहीं हो सका है, लेकिन एक-दो दिनों में मौसम में परिवर्तन आने की संभावना है।मौसम विज्ञान विभाग केंद्र, पटना के अनुसार जिले में मौसम का रुख 21 अगस्त से पलट सकता है। जिसमें 22-23 तारीख को अच्छी वर्षा होने की संभावना की गई है। बताते चलें कि 13 अगस्त को जिले में 22.4 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी। उसके बाद से जिले कुछ हलकों में हल्की-फुल्की वर्षा हुई है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो राजपुर में 9.8 मिमी., इटाढी व नवानगर में 4.8 मिलीमीटर तथा चौंगाई, केसठ में भी मामूली वर्षा दर्ज की गई है। इटाढी क्षेत्र के किसान संतोष सिंह, रामबिहारी सिंह आदि का कहना है कि तेज धूप के कारण खेतों का पानी सूखते देर नहीं लग रहा है।

चौसा प्रखंड में हटाए गए नामों का प्रारूप प्रकाशित, 25 अगस्त तक दर्ज हो सकेंगी आपत्तियां

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड मुख्यालय में सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची से हटाए गए नामों का प्रारूप प्रकाशित किया गया। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अशोक कुमार ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सूची में मृतकों, दोहरी प्रविष्टियों और लंबे समय से बाहर रहने वाले लोगों के नाम हटाए गए हैं। बीडीओ ने कहा कि मतदाता सूची में सुधार की यह पहल पूरी तरह पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। अगर किसी पात्र मतदाता का नाम गलती से हट गया हो तो उसे पुनः शामिल कराने का अवसर दिया जाएगा। इसके लिए संबंधित व्यक्ति निर्धारित प्रपत्र भरकर अपने क्षेत्र के बीएलओ अथवा प्रखंड कार्यालय में दावा और आपत्ति दर्ज करा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 25 अगस्त निर्धारित की गई है।

इस अवधि के भीतर जो भी आपत्तियां प्राप्त होंगी, उनकी गहन जांच कराई जाएगी। जांच के बाद यदि आपत्ति सही पाई जाती है तो संबंधित व्यक्ति का नाम दोबारा मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा।बीडीओ अशोक कुमार ने आम नागरिकों से अपील की कि वे समय निकालकर प्रकाशित सूची का अवलोकन जरूर करें। उन्होंने कहा, हमतदान लोकतंत्र की आत्मा है। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से गायब रह जाता है तो वह अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित हो जाएगा। इसलिए यह आवश्यक है कि हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सूची को ध्यान से जांचे।हइस अवसर पर उपस्थित निर्वाचन कर्मियों ने भी ग्रामीणों को जागरूक किया और मतदाता सूची देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने लोगों को बताया कि किसी भी प्रकार की त्रुटि की सूचना तुरंत कार्यालय या बीएलओ को दें, ताकि समय रहते सुधार हो सके।चौसा प्रखंड में चल रही यह प्रक्रिया न केवल प्रशासन की पारदर्शिता की मंशा को दशार्ती है, बल्कि मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की गारंटी भी देती है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न हो। लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में मतदाता सूची की सटीकता सबसे अहम भूमिका निभाती है। यही कारण है कि आयोग समय-समय पर विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लागू करता है। चौसा में सोमवार को प्रकाशित प्रारूप इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

एक नजर

देशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

चौगाई। मुरार पुलिस ने थाना क्षेत्र के अमसारी गांव के अनुसूचित जाति बस्ती से तीन लीटर देशी शराब के साथ एक तस्कर लाली मुसहर नामक एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इस आशय की जानकारी थानाध्यक्ष अमन कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की गई है। गौरतलब हो कि इसी अमसारी गांव में पिछले दिनों जहरीली शराब पीने से एक साथ छह लोगों की मौत हो गई थी। बावजूद इस गांव का शराब तस्करी से नाता नहीं टूट रहा है। जिससे पुलिस भी हैरान है।

बाजार में यूरिया ऊंचे दामों पर बिक्री होने से किसान परेशान, अधिकारी मौन

डुमरांव। प्रखंड के किसान उचित रेट पर यूरिया की बिक्री नहीं होने से काफी परेशान हैं। इस परेशानी को देखने वाला कोई नहीं है। कृषि विभाग के अधिकारी मौन साधे हुए हैं, जिसको लेकर तरह-तरह की बातें हवा में तैर रही है। मालूम हो कि डुमरांव प्रखंड में लगभग 250 यूरिया खाद के रिटेलर हैं और 2 स्टॉकिस्ट हैं। वहीं किसानों की संख्या लगभग 20 हजार अधिक है। बक्सर जिला खेती प्रधान कहा जाता है, बावजूद यहां के किसानों पर ध्यान नहीं दिया जाता। मिली जानकारी के अनुसार यूरिया का सरकारी रेट 266 रूपया 50 पैसा है, जो 320 और 330 पर बिक रहा है। खेतों में खाद समय पर डालने को लेकर किसान ब्लैक में यूरिया खरीदने पर मजबूर हैं। कई किसानों ने पूछने पर बताया की हमलोग जो रेट है, उस पर यूरिया दुकानदार से मांगते हैं तो उसका साफ जवाब यही रहता है कि जहां कम रेट में मिलता है, जाकर ले लिजिए। खाद की इस कालाबाजारी को रोकने के लिये कृषि विभाग द्वारा कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है, जबकि इसकी शिकायत किसानों द्वारा की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारी भी मौन साधे हुए हैं, किसान जाए तो कहां जाए, ऐसे में बेचारे जिस रेट पर यूरिया मिल रहा समय रहते खेतों में लहलहाती फसल पर डाल रहे हैं।

बक्सर में विभाग से चालाकी कर रहे थे 26 स्कूलों के प्रधानाध्यापक, बीईओ ने ले लिया एक्शन

बक्सर। स्थानीय प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर छात्र-छात्राओं की 75 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने में लापरवाही बरतने के आरोप में 26 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से प्रखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) ने स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही, इन सभी प्रधानाध्यापकों का वेतन भी अग्रिम आदेश तक रोक दिया गया है। बीईओ ने अपने पत्र में कहा है कि बार-बार सूचना देने के बावजूद इन विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों द्वारा कार्य में शिथिलता बरती जा रही है।26 में से 20 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने अभी तक इस कार्य को शुरू भी नहीं किया है। उपस्थिति दर्ज करने में सबसे अधिक लापरवाही मध्य विद्यालय बराढही में देखी गई, जहां 158 में से केवल 91 बच्चों का उपस्थिति विवरण दर्ज किया गया है। बीईओ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही कार्य में सुधार नहीं हुआ और स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया, तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले ने प्रखंड के शिक्षा तंत्र में लापरवाही का मुद्दा एक बार फिर उजागर कर दिया है। स्थानीय अभिभावकों और शिक्षा समितियों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है, लेकिन साथ ही मांग की है कि स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता और नियमितता सुनिश्चित करने के लिए और सख्त कदम उठाए जाएं।

सांसद सहयोगी व पत्नी समेत चार खातों में फर्स्ट आइडिया से होता है लाखों का ट्रांजेक्शन

बैंक ट्रांजेक्शन ने हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया पर सांसद सहयोगी के चुप्पी का खोला राज

can go back to edit the details.

Beneficiary name you entered	Fb
Name at beneficiary bank	GITA DEVI
Account number	8533101004568
IFSC	CNRB0008533

Beneficiary name you entered	Rr
Name at beneficiary bank	VARSHA SINGH
Account number	8533101006748
IFSC	CNRB0008533

Beneficiary name you entered	H
Name at beneficiary bank	SHALU SINGH
Account number	8533108001673
IFSC	CNRB0008533

Beneficiary name you entered	RRR
Name at beneficiary bank	ARVIND KUMAR SINGH
Account number	8533101004513
IFSC	CNRB0008533

फर्स्ट आईडिया की कार्यप्रणाली पर सांसद सहयोगी चुप...

केशव टाइम्स में छपी खबर की कॉपी

- डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने फर्स्ट आईड़िया कार्यप्रणाली के खिलाफ दिशा की बैठक में उठाई थी आवाज
- फर्स्ट आइडिया पर सांसद सहयोगी के चुप्पी पर केशव टाइम्स प्रकाशित कर चुका है खबर

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के शिक्षा विभाग में कार्यरत हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया पर सांसद सहयोगी अरविंद सिंह के साथ ही अजय सिंह की चुप्पी का राज अब परत दर परत खुलने लगा है। इस मामले में केशव टाइम्स के पड़ताल में कई चैकाने वाले तथ्य सामने आए है जो फर्स्ट आइडिया पर सांसद सहयोगी की चुप्पी की पोल खोल रहे है। दरअसल सांसद सहयोगी अरविंद सिंह, उनकी पत्नी गीता सिंह समेत चार खातों में हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया द्वारा लाखों रूपए के ट्रांजेक्शन के सबूत मिले है। यह ट्रांजेक्शन कलेक्ट्रेट स्थित केनरा बैंक से किया गया है। केशव टाइम्स की पड़ताल में जो सच्चाई सामने आई है उसके मुताबिक फर्स्ट आइडिया द्वारा एक अगस्त को अरविंद सिंह के भारतीय स्टेट बैंक के खाते में 1.40 लाख तथा उसी दिन वर्षा सिंह के खाते में भी 1.40 लाख रूपए ट्रांसफर किया है। वहीं, 13 अगस्त को 4 लाख 69 हजार रुपए फर्स्ट आइडिया एजेंसी ने ट्रांजेक्शन किया है। जिसमें 78-78 हजार रुपए अरविंद सिंह, इनकी पत्नी गीता देवी, शालू सिंह व वर्षा सिंह आदि के खातों में किया गया है। पुनः 14 अगस्त को इन सभी के खाता में 83-83 हजार रुपए फर्स्ट आइडिया एजेंसी ने ट्रांजेक्शन किया है। इन चारों का खाता कलेक्ट्रेट स्थित केनरा बैंक में है। इन तथ्यों की प्रमाणिकता से यह साबित होने लगा है कि शिक्षा विभाग में गहरी पैठ बना चुके अरविंद सिंह तथा अजय सिंह के इशारे पर ही फर्स्ट आइडिया पर शिक्षा विभाग के अधिकारी मेहरबान है तथा बिना काम कराए ही इस कंपनी को लाखों रूपए का भुगतान कर दिया जाता है। विभागीय जानकारों का कहना है कि बदले में फर्स्ट आइडिया हर महीने अरविंद सिंह तथा अजय सिंह को मोटी रकम की अदायगी करता है। यह रकम अजय सिंह के सहयोगी तथा अरविंद सिंह तथा उसके परिजनों के खाते में किया गया है।

जानकारों का कहना है कि यदि हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के खाते के लेन देन की जांच करवाई जाए तो अभी और कई चैकाने वाले मामले सामने आएंगे।

सांसद सहयोगी का धौंस जमा मोटी रकम की हो रही है उगाही

केनरा बैंक से फर्स्ट इंडिया के एकाउंट से अरविंद सिंह तथा उसके करीबियों के खाते में हुआ भुगतान इस बात के प्रमाण है कि सांसद सहयोगी का धौंस दिखा हाउस कीपिंग एजेंसियों का भयादोहन किया जा रहा है। यही नहीं विभागीय सूत्र बताते है कि इसके अलावे बेंच-डेस्क घोटाला, बर्तन खरीद तथा बोरिंग लगाने में भी लाखों रूपए का वारा-न्योरा सांसद सहयोगी तथा अजय के द्वारा किया गया है। इनके सांसद का करीबी होने सहित कई अन्य कारणों से विभागीय अधिकारी मुंह खोलने को तैयार नहीं है। जिस कारण शिक्षा विभाग में हर महीने लाखों रूपए की उगाही का खेल धड़ल्ले से जारी है।

केशव टाइम्स प्रकाशित कर चुका है खबर

बता दें कि केशव टाइम्स 14 अगस्त के ही अपने अंक में ……फर्स्ट आइडिया की कार्यप्रणाली पर सांसद सहयोगी चुप…… शीर्षक से प्रमुखता से खबर प्रकाशित कर इस बाता की आशंका जताई थी कि सांसद सहयोगी तथा शिक्षाविभाग के तथाकथित अजय सिंह के संरक्षण में ही फर्स्ट आइडिया का काम संचालित हो रहा है। बावजूद शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा जिला प्रशासन की तंद्रा नहीं टूटी, लेकिन केशव टाइम्स के हाथ लगे बैंक खाते के ट्रांजेक्शन ने इस खबर पर मुहर लगा दी है कि फर्स्ट आइडिया की मनमानी सांसद सहयोगी अरविंद सिंह तथा अजय सिंह के इशारे पर पर ही चल रही है।

विभागीय अधिकारियों पर भी उठ रहा है सवाल

इस पूरे प्रकरण में शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर भी कई सवाल उठ रहे है। बता दें कि पूर्व में नावानगर बीईओ तथा बीपीएम द्वारा नावानगर प्रखंड के स्कूलों में साफ सफाई के प्रति फर्स्ट आइडिया के खिलाफ निगेटिव रिपोर्टिंग की गई थी। वहीं, डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने भी इस मामले को दिशा की बैठक में उठाया था, बावजूद शिक्षा विभाग द्वारा बिना जांच कराए ही फर्स्ट आइडिया को लाखों रूपए का भुगतान कर दिया गया है। जिससे विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़ा हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि यदि इस मामले की गंभीरता से जांच कराई जाए तो सांसद सहयोगी तथा अजय सिंह के साथ ही विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से इंकार नहीं किया जा सकता है। अब देखना है कि जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग इस मामले में क्या कदम उठा रहा है।

सिर्फ मजदूरों का भुगतान करती है हाउस कीपिंग एजेंसी

विाागीय जानकारों की मानें तो स्कूलों की साफ सफाई तथा अन्य कार्यों में लगे मजदूरों या दैनिक वेतनभोगी कर्मियों के मानदेय का भुगतान ही हाउस कीपिंग एजेंसी को करना है। यह राशि बहुत कम होती है तथा कई खातों में इसका भुगतान करना पड़ता हैं, लेकिन इससे इतर सिर्फ चार खातों में हुए लाखों का ट्रांजेक्शन बड़े घोटाले की ओर इशारा कर रहे है।

ई-रिक्शा और स्कॉर्पियो की टक्कर में गर्भवती महिला हुई जख्मी

केटी न्यूज/डुमरांव

सोमवार को हुए एक हादसे में एक गर्भवती महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। घटना स्टेशन रोड स्थित अंजान ब्रह्म बाबा मंदिर के समीप की है। इस घटना के बाद जख्मी महिला तथा उसका पति काफी परेशान हो गए थे। हालांकि, राहगीरों के समझाने-बुझाने के बाद वे उसे इलाज के लिए लेकर चले गए। मिली जानकारी के अनुसार कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के सोवां गांव निवासी गणेश राम अपनी गर्भवती पत्नी अंशु देवी का अल्ट्रा साउंड कराने डुमरांव आए थे। अल्ट्रा साउंड कराने के बाद वे सुरक्षा की दृष्टि से वे अपनी पत्नी को बाइक के बजाय ई-रिक्शा पर बैठा स्टेशन ले जा रहे थे। उनके साथ घर की एक और महिला थी। जैसे ही ई-रिक्शा अंजान ब्रह्म बाबा मंदिर के समीप पहुंचा कि एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से टक्कर हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद स्कॉर्पियो चालक अपना वाहन लेकर फरार हो गया। वहीं, जख्मी महिला को मंदिर के सामने स्थित चबुतरे पर लिटाया गया। उसके पेट में चोट लगी थी। वहीं, जख्मी महिला के गोद में बैठा दो साल का मासूम इस हादसे में बाल-बाल बच गया। घटना के बाद से लोग बेलगाम परिचालन के खिलाफ आक्रोश जता रहे थे।

मतदाता सूची से नाम कटने वालों की जारी हुई वजहें, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन की पहल

केटी न्यूज/बक्सर

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद बक्सर जिला प्रशासन ने मतदाता सूची से बाहर हुए मतदाताओं की पूरी जानकारी सार्वजनिक कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने रिट पिटीशन (सिविल) सं० 640/2021, एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म बनाम भारत निर्वाचन आयोग मामले में 14 अगस्त 2025 को पारित अंतरिम आदेश में स्पष्ट किया था कि ऐसे सभी निर्वाचकों की सूची सार्वजनिक की जाए जिनका नाम वर्ष 2025 की निर्वाचक सूची में शामिल था, लेकिन 1 अगस्त को प्रकाशित प्रारूप सूची में हटा दिया गया। निदेशानुसार अब जिला स्तर पर विधानसभा और मतदान केंद्रवार उन सभी मतदाताओं की सूची कारण सहित प्रकाशित कर दी गई है। इसमें यह उल्लेख है कि संबंधित मतदाता का नाम मृत घोषित होने, स्थायी रूप से स्थानांतरित होने, लंबे समय से अनुपस्थित रहने या दोहरी प्रविष्टि पाए जाने पर हटाया गया है। यह पूरी सूची जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

साथ ही मतदाता अपनी ईपिक संख्या डालकर ऑनलाइन कारण सहित अपनी प्रविष्टि की स्थिति देख सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह सूची सभी प्रखंड कार्यालयों, पंचायत भवनों, नगर निकाय कार्यालयों और मतदान केंद्रों पर भी चस्पा कर दी गई है।

प्रशासन ने बताया कि अगर कोई मतदाता प्रारूप सूची से अपना नाम हटाए जाने से असंतुष्ट है तो वह दावा प्रस्तुत कर सकता है। इसके लिए आधार कार्ड की प्रति लगाकर संबंधित कार्यालय में आवेदन करना होगा।

इस पहल से मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और जिन लोगों का नाम गलती से हटा दिया गया है, उन्हें दोबारा मौका मिलेगा। जिला प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि वे समय रहते अपनी स्थिति की जांच करें और आवश्यक होने पर दावा दर्ज कराएं।

अस्पताल प्रबंधन ने मजदूरों को बताया की एनजीओ के माध्यम से होगा भुगतान

पांच महीना से वेतन नहीं मिलने पर सफाई मजदूरों ने किया हंगामा

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल में सोमवार को अफरातफरी मची रही। जो सफाई मजदूर शिफ्टों में अस्पताल की सफाई करते हैं, उनको पांच महीना से वेतन नहीं मिल पाया है। वेतन का भुगतान नहीं होने से उनके परिवार की माली हालत काफी खराब हो चुकी है। सोमवार को परेशान सफाई मजदूरों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। असपताल प्रबंधन के समझाने पर वे शांत हुए। इस संबंध में अस्पताल उपाधीक्षक डा. गिरीश कुमार सिंह ने बताया की सफाई मजदूर जीविका एनजीओ के माध्यम से रखा गया है। मजदूरी का भुगतान उन्हीं के माध्यम से होगा।

मालूम हो कि अनुमंडल अस्पताल में 32 सफाई मजदूर कार्यरत हैं, जिसमें 30 महिला और 2 पुरूष हैं। प्रत्येक माह इन्हें 5 हजार रूपया का भुगतान किया जाता है, जो काफी कम है, वह भी समय पर नहीं मिलता है। नये श्रम कानून के तहत श्रमिक को 500 रूपय प्रतिदिन के हिसाब से मेहनाता देना है। इस तरह से प्रत्येक माह 15 हजार रूपया होता है। मिली जानकारी के अनुसार अनमोल सीएलएफ कृष्णाब्रह्म के माध्यम से इन मजदूरों को अस्पताल में रखा गया है। उक्त सीएलएफ पर केश हो गया था, उसी समय से कार्यालय के सारे बही-पंजी अलमीरा में बंद पड़े हैं। उसके स्थान पर दूसरे सीएलएफ को रखा गया है, जिसे हैंडओवर नहीं हो पाया है, इसलिये इसके मताहत काम करने वाले कैडरों व मजदूरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में सफाई कार्य करने वाली महिलाओं व पुरूषों एवं अन्य स्थानों पर इससे जुड़े लोगों को विगत पांच महीने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में काम करने वाली मजदूर नीलम, गीता, सुंदरी, अनीता, शीतल, मीरा, पूजा उर्मिला, श्याम सुंदरी, रेखा, किरण सहित अन्य का कहना है कि पांच महीना से वेतन नहीं मिलने के कारण हमलोगों का परिवार भूखमरी के कगार पर पहुंच गया है। परिवार के लोग भी अब अपशब्द बोलने लगे हैं। इस संबंध जीविका प्रबंधक अखिलेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया की अस्पताल में काम करने वाली सफाई मजदूरों का जुड़ाव जीविका द्वारा कृष्णब्रह्म में चलाए जा रहे एनजीओ से जुड़ा हुआ है। वहां की सीएलएफ पर केश हो गया था, जो सारा कार्यालय का रजिस्टर अलमीरा में ताला मार बंद कर दिया है। रजिस्टर में सभी का डाटा है, जिससे भुगतान प्रभावित हो रहा है। अलमीरा खोलवाने का प्रयास चल रहा है। समाजसेवियों का कहना है कि कितने दिनों तक अलमीरा नहीं खुलेगा और कितने दिनों तक मजदूरों का भुगतान रोक कर रखा जाएगा, इसका निदान निकलना चाहिए नहीं तो मजदूर हड़ताल पर चले जाएंगे।

एक नजर

लिंक नहीं रहने से लंबे समय से केसठ उप डाकघर का कार्य ठप, ग्रामीण परेशान

केसठ । प्रखंड के पुराना बाजार स्थित उप डाकघर में बीते 1 अगस्त से लिंक नहीं होने के कारण जमा-निकासी समेत सभी डाकीय कार्य पूरी तरह ठप पड़े हुए हैं। इस वजह से रोजाना सैकड़ों की संख्या में आने वाले खाताधारक व ग्रामीण निराश होकर वापस लौट रहे हैं।आर.डी. एजेंटों का कहना है कि जब से आईटी 2.0 सॉफ्टवेयर का नया अपडेट लागू हुआ है, तभी से केसठ उप डाकघर का कामकाज बुरी तरह प्रभावित है। एजेंट अभिषेक द्विवेदी, संतोष कुमार, अंजली समेत अन्य ने बताया कि लिंक नहीं रहने से आरडी, एफडी, बचत खाता, जमा-निकासी, पार्सल, मनी ऑर्डर और अन्य सेवाएं पूरी तरह बाधित हो चुकी हैं। उनका कहना है कि आम दिनों में ही यहां भीड़ अधिक रहती है, ऐसे में काम पूरी तरह रुक जाने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीण खाताधारकों का कहना है कि रोजमर्रा की जरूरतों के लिए लोग डाकघर पर निर्भर रहते हैं, लेकिन बीते दो हफ्तों से कार्य बंद रहने से लोगों को आर्थिक दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। कई ऐसे लोग हैं जिन्हें जरूरी भुगतान निकालना है, लेकिन लिंक नहीं रहने से उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।इस संबंध में जब एसपीएम से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि समस्या की जानकारी उच्च अधिकारियों एसडीआई डुमरांव और डाक अधीक्षक आरा को दे दी गई है। बावजूद इसके अब तक कोई समाधान नहीं निकल सका है। हैरानी की बात यह है कि यही सॉफ्टवेयर क्षेत्र के अन्य उप डाकघरों में भी लागू है, लेकिन वहां काम आंशिक रूप से चल रहा है, जबकि केसठ में सिस्टम पूरी तरह ठप पड़ा है।लंबे समय से काम बंद रहने से एजेंट और ग्रामीण दोनों ही असमंजस की स्थिति में हैं। लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र ही तकनीकी खामियों को दूर नहीं किया गया तो वे बड़े पैमाने पर विरोध करने को मजबूर होंगे।

डुमरेजनी गेट पर ऑटो सवार अधेड़ से 50 हजार की चोरी

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के डुमरेजनी गेट के समीप सोमवार की दोपहर एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई। स्थानीय बैंक ऑफ इंडिया शाखा से नकदी निकाल कर लौट रहे एक अधेड़ व्यक्ति का बैग ऑटो में ही काटकर चोरों ने 50 हजार रुपये उड़ा लिए। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और पीड़ित ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित की पहचान कोपवां निवासी किशोरी साह के पुत्र हीरा साह (58 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि हीरा साह बैंक से 50 हजार रुपये की निकासी कर ऑटो में बैठकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कुछ अज्ञात उच्चके भी उसी ऑटो में सवार हो गए। मौका पाकर उन्होंने डुमरेजनी गेट के पास हीरा साह के बैग को ब्लेड से काट दिया और उसमें रखे रुपये निकाल लिए। पैसे निकालने के बाद वे ऑटो से उतरकर फरार हो गए। घटना का पता तब चला जब पीड़ित की नजर अपने फटे बैग पर पड़ी। रुपये गायब देखकर वह हक्का-बक्का रह गए और तत्काल स्थानीय थाने पहुंचकर इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डुमरांव थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वारदात को अंजाम देने वाले उच्चकों की पहचान की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं ऑटो में सवारी बनने वाले चोरों द्वारा अक्सर की जाती हैं, लेकिन पुलिस की ढीली कार्रवाई से ऐसे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। वहीं, पीड़ित हीरा साह ने पुलिस प्रशासन से शीघ्र न्याय और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। यह घटना एक बार फिर इस बात की चेतावनी देती है कि बैंक से नकदी निकालने के बाद लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। भीड़भाड़ वाले स्थानों या सार्वजनिक वाहनों में बड़ी रकम लेकर यात्रा करना जोखिम भरा हो सकता है। पुलिस ने आम नागरिकों से सावधानी बरतने और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि पर तुरंत सूचना देने की अपील की है।?

ट्रेन में जख्मी किशोरी को अस्पताल पहुंचा आरपीएफ ने पेश की मानवता की मिसाल

डुमरांव। रघुनाथपुर स्टेशन के पास ट्रेन यात्रा के दौरान एक किशोरी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। घटना सोमवार की सुबह गाड़ी संख्या 12336 डाउन (भागलपुर-मुम्बई एक्सप्रेस) में कोच संख्या एस-2, सीट संख्या 65 पर यात्रा कर रही 16 वर्षीय शाहनाज के साथ घटी। वह अपने माता-पिता और भाई के साथ मुंबई से भागलपुर जा रही थी। यात्रा के दौरान शाहनाज खिड़की से बाहर हाथ निकालकर बैठी थी। इसी बीच बक्सर से गाड़ी खुलने के बाद अचानक उसके हाथ में गंभीर चोट लग गई। परिजनों का कहना है कि चोट कैसे लगी यह स्पष्ट नहीं हो पाया। घटना की जानकारी मिलते ही आरा आरपीएफ पोस्ट प्रभारी दीपक कुमार को इसकी सूचना दी गई। गाड़ी संख्या 12336 डाउन जब सुबह लगभग 10रू25 बजे आरा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 1 पर पहुंची तो प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में आरक्षी इन्द्रदेव यादव ने तत्काल कार्रवाई की।

?आरपीएफ टीम ने पीड़िता को कोच से उतारकर परिजनों की उपस्थिति में तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल आरा भेजा। वहां डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक उपचार कर भर्ती कर लिया। जख्मी किशोरी की पहचान शाहनाज (उम्र 16 वर्ष), पिता मो. मुर्शीद शेख, ग्राम चिरैया, थाना अमरपुर, जिला बांका के रूप में हुई है। घटना के समय उसके साथ उसकी मां नजमा खातून और भाई मो. फैजान शेख भी मौजूद थे। परिजनों ने बताया कि वे सभी मुंबई से भागलपुर लौट रहे थे। आरपीएफ ने घायल किशोरी को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने के बाद परिजनों की सुपुर्दगी में छोड़ दिया। इस घटना के बाद यात्रियों को ट्रेन सफर के दौरान सतर्क रहने और खिड़की से अंग बाहर न निकालने की हिदायत दी गई। रेलवे प्रशासन ने भी मामले को गंभीरता से लिया है और पीड़िता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। घटना में तत्परता के बाद आरपीएफ टीम की जमकर सराहना हो रही है।

विद्वान, आचार्य के द्वारा पूरे विधि विधान से पूजा की शुरूआत रात्रि 10:00 बजे से की गई

लक्ष्मीनारायण मंदिर सोनवर्षा मे धूमधाम से मना श्री कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार

केटी न्युज। आरा

चरपोखरी प्रखंड के श्री लक्ष्मी नारायण तोताद्री मठ सोनवर्षा में संत श्री रंगनाथाचार्य स्वामी जी महाराज के मंगला अनुशासन में भगवान श्री कृष्ण का जन्म महा महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विद्वान, आचार्य के द्वारा पूरे विधि विधान से पूजा की शुरूआत रात्रि 10:00 बजे से की गई। मौके पर मठिया पर उपस्थित विद्वान जनों के द्वारा मंत्रोच्चार किया गया। रात्रि के 10:00 से 12:00 तक मंत्रोंच्चार के द्वारा भगवान श्री कृष्णा का जन्म

महा महोत्सव को पूरी विधि विधान के साथ आचार्य एवं यजमान के द्वारा पूजन किया गया। भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष में रंगनाथाचार्य स्वामी जी महाराज ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण को सांवला कहा जाता है। सावला का मतलब संसार में जो अंधकार है, उसे खत्म करके पूरे संसार, प्रकृति, जीव को प्रकाशित करने का काम करता है, वही श्री कृष्ण है। सांवले का मतलब सामान्य भाषा में काला भी कहा जाता है। काला का मतलब अंधकार अंधेरा होता है। मतलब वैसा भगवान सृष्टि के संचालन कर्ता श्री कृष्ण जो देखने में सांवले हैं, लेकिन उनका प्रकाश, तेज, गुण, शक्ति, ज्ञान, मार्गदर्शन के माध्यम से पूरा जगत प्रकाशित होता है। वैसे सांवले भगवान श्री कृष्ण है। भगवान श्री कृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ था। रात्रि के समय में जब कृष्ण जी जन्म लिए उस समय बंदीगृह में देवकी और वासुदेव जी दोनों लोग कारागार में बंद थे। वहां पर बड़ी संख्या में पहरेदार मौजूद थे। लेकिन जन्म के बाद जितने भी पहरेदार थे, वह लोग अचेत अवस्था में हो गए। वहीं रात्रि में भगवान श्री कृष्ण को लेकर वासुदेव जी गोकुल में पहुंचे। जिसके बाद भगवान श्री कृष्ण का पहला नाम नीलकमल रखा गया। श्री कृष्ण को नीलकमल के नाम से भी जाना जाता है। रंगनाथाचार्य जी महाराज ने कहा की जन्माष्टमी एक ऐसा त्यौहार है, जिसमें भगवान का जन्म रात्रि के समय होता है। इसीलिए तिथि और नक्षत्र में अंतर हो जाता है। क्योंकि जन्म महा महोत्सव में नक्षत्र का सबसे महत्वपूर्ण महत्व होता है। आज ही के दिन वृंदावन में भी धूमधाम से भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। वहीं पूरे दुनिया में भी आज कृष्ण का जन्म महोत्सव भव्य तरीके से मनाया जा रहा है। भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष में मठिया के द्वारा प्रसाद वितरण एवं भोज भंडारा की भी व्यवस्था की गई थी।जिसमे आसपास के दर्जनों गांव से आए हुए सभी श्रद्धालु, भक्त प्रसाद एवं भोज भंडारा में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किये। कार्यक्रम के अंत में भजन अयोध्या से आए हुए अर्जुन शास्त्री शैलेश पांडे नीरज मिश्रा छोटू बिहारी जैसे भोजपुरी के चर्चित गायकों के द्वारा भगवान श्री कृष्ण का मधुर एवं प्यारा भजन सुनाया गया। जिससे पूरा मठ भगवान के भजन के साथ तालियों से गूंज उठा। इस आशय की जानकारी मठिया के मीडिया प्रभारी डॉक्टर चंदन कुमार ने दी

लापता युवक कसाव तीसरे दिन बरामद, घर में मचा कोहराम, परिजनों ने हत्या लगाया आरोप

- शव पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल से पटना रेफर
- नवादा थाना क्षेत्र के बाजार समिति स्थित खंडहरनुमा कोल्ड स्टोरेज से सोमवार की सुबह बरामद हुआ शव

केटी न्युज। आरा

उदवंतनगर थाना क्षेत्र के न्यू सिंह कॉलोनी से लापता हुए युवक का शव तीसरे दिन बरामद हुआ है। उसका शव नवादा थाना क्षेत्र के बाजार समिति स्थित खंडहरनुमा कोल्ड स्टोरेज के अंदर से सोमवार की सुबह बरामद हुआम मृतक का हाथ, पैर पर फोला जैसा फुला हुआ, बाएं पैर में घुटने के पास छिला हुआ निशान एवं चेहरे पर खून लगा हुआ पाया गया है। साथ ही पुलिस ने उसके बाइक को कोल्ड स्टोरेज से एक किलोमीटर पहले लावारिस अवस्था में बरामद

किया। वहीं मृतक के परिजनों पर उसकी हत्या कर शव को फेंकने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक तरारी थाना क्षेत्र के बड़का गांव निवासी विनोद कुमार सिंह का 34 वर्षीय पुत्र सुमेंदु सिंह उर्फ सन्नी है। वह हैदराबाद में रहकर प्राइवेट कंपनी में काम करता था एवं वर्तमान में उदवंतनगर थाना क्षेत्र के न्यू सिंह कॉलोनी में अपना मकान बनाकर रहता था। इधर, मृतक के बड़े भाई चंदन उर्फ सोनू ने बताया कि उसकी मां शिला देवी किडनी संबंधित बीमारी से ग्रसित थी और 12 अगस्त को उसी बीमारी के कारण उनकी मौत हो गई। उनकी मौत की खबर सुनकर उसका भाई हैदराबाद से 13 अगस्त को ट्रेन पर सवार हुआ 14 अगस्त को गांव आया था। 16 अगस्त की सुबह करीब आठ बजे बाइक लेकर अपने घर से निकाला और घर वापस नहीं लौटा था। जिसके बाद परिजनों उसकी काफी खोजबीन की। लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चल पाया था। जिसके बाद परिजन द्वारा उदवंतनगर थाना में 17 अगस्त को उसके लापता होने का आवेदन दिया गया था। जिसके बाद उदवंतनगर थाना द्वारा प्राथमिकी दर्द कर उसकी खोज शुरू कर दी गई। इसी बीच सोमवार की सुबह स्थानीय लोगों द्वारा फोन कर परिजनों को सूचना दी गई की एक शव बाजार समिति स्थित खंडहरनुमा कोल्ड स्टोरेज में पड़ा है। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे तो कोल्ड स्टोरेज से पहले उसके बाइक को देखा। इसके बाद कोल्ड स्टोरेज के अंदर पहुंचे और उसके शव को देख उसकी पहचान की। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना नवादा थाना एवं डायल 112 नंबर पुलिस वाहन को दी। सूचना पाकर नवादा थाना वहां पहुंची। तभी सूचना पाकर उदवंतनगर थाना में पहुंच गई। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल ले आई। लेकिन शव अधिक सड़ जाने के कारण इमरजेंसी वार्ड में मौजूद ऑन ड्यूटी चिकित्सा द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरी तरफ मृतक के बड़े भाई चंदन उर्फ सोनू ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा यह मालूम हुआ था कि वह भेलाई गांव निवासी सुमन नामक अपने दोस्त के साथ निकाला था। वह नशा करता और मेरा भाई भी खाता-पीता है। वह बाहर से आया था और उसके पास पैसा था। पैसे को लेकर ही उक्त दोस्तों द्वारा उसकी हत्या कर उसके शव को को फेके जाने का आरोप लगाया है।बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई में छोटा था। उसके परिवार में पत्नी चंदा देवी एवं एक 7 वर्ष का पुत्र हर्षित सिंह है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी चंदा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ऑक्सीजन की कमी से ड्यूटी पर शहीद हुआ बिहार का वीर सपूत कुंदन

- 'मां बिलख कर बोलीं 'सहारा चला गया'

केटी न्युज। वैशाली

वैशाली जिले के राजापाकड़ प्रखंड क्षेत्र के बिशुनपुर बलभद्र उर्फ गौसपुर बरियारपुर पंचायत निवासी किसान नंदकिशोर सिंह के पुत्र एवं भारतीय सेना के जवान कुंदन कुमार (30) अरुणाचल प्रदेश के मन्चुका पोस्ट पर तैनात थे। बताया गया कि यह पोस्ट समुद्र तल से काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां जवानों को ऑक्सीजन सिलेंडर के सहारे ड्यूटी करनी पड़ती है। ऑक्सीजन की कमी के कारण रविवार को कुंदन कुमार की तबीयत बिगड़ गई और उनकी शहादत हो गई।घटना की जानकारी सेना के कर्नल ने सुबह लगभग 8 बजे फोन पर उनके पिता को दी। सूचना मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। बूढ़ी मां दहाड़ मारकर रोते हुए कहती रही कि अब मेरा सहारा कौन होगा, भगवान ने बुढ़ापे का सहारा छीन लिया। वहीं

पिता नंदकिशोर सिंह ने गम से भरे स्वर में कहा कि बेटे की शहादत का दर्द अवर्णनीय है, लेकिन गर्व है कि उसने देश की रक्षा करते हुए प्राण न्यौछावर किए।शहादत की खबर जैसे ही गांव पहुंची, हजारों की संख्या में लोग कुंदन कुमार के घर उमड़ पड़े। लोग परिजनों को सांत्वना देते रहे। ग्रामीणों ने कहा कि कुंदन कुमार ने बलिदान देकर क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। कुंदन कुमार वर्ष 2016 में बिहार रेजीमेंट में भर्ती हुए थे। वे चार भाइयों में सबसे बड़े थे और घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। पांच साल पहले उनकी शादी हुई थी। उनके तीन साल का एक बेटा और 10 माह का दूसरा बेटा है। छोटे तीन भाई प्राइवेट नौकरी करते हैं। परिजनों के अनुसार, सेना द्वारा उनका पार्थिव शरीर सोमवार को गांव लाया जाएगा। अंतिम संस्कार पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा। गांव और आसपास का पूरा इलाका उनकी शहादत पर गमगीन है, लेकिन उनकी बहादुरी और बलिदान पर गर्व भी महसूस कर रहा है।

राहुल गांधी के आरा आगमन की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

केटी न्युज। आरा

वोटर अधिकार यात्रा के तहत देश के नेता प्रतिपक्ष एवं करोड़ों युवाओं की आशा राहुल गांधी का 30 अगस्त 2025 को भोजपुर की पावन धरती आरा में ऐतिहासिक आगमन प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर आज स्थानीय कांग्रेस कार्यालय शहीद भवन, आरा में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक राम ने की तथा संचालन जिला प्रवक्ता डॉ. अमित कुमार द्विवेदी ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि वोटर अधिकार यात्रा के भोजपुर जिला प्रभारी एवं झारखंड के विधायक कुमार जय मंगल उर्फ अनूप सिंह उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए विधायक अनूप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी जी की प्रस्तावित पदयात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आम जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने

कार्यकताओं से आह्वान किया कि कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी साधन-संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए तन-मन-धन से जुट जाएं। उन्होंने जानकारी दी कि महागठबंधन के सभी घटक दलों के साथ कल एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी तथा शहीद भवन में कंट्रोल रूम की स्थापना की जाएगी, जिससे तैयारी में और गति आएगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक राम ने आश्वस्त किया कि आईसीसी और प्रभारी द्वारा दिए गए सभी दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन होगा और आरा की धरती पर राहुल गांधी का यह कार्यक्रम ऐतिहासिक व अविस्मरणीय बनेगा। बैठक के उपरांत प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल एवं पूरे रूट का गहन निरीक्षण किया गया एवं विभिन्न तरह जरूरी निर्णय लिया गया। बैठक में ए.आई.सी.सी. डेलीगेट डॉ शशी कुमार सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष सत्येंद्र नारायण सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद सिंह, सत्यप्रकाश राय, प्रो अरुण सिंह, बीरेंद्र मिश्रा, उपेंद्र सिंह, अंजनी कुमार सिंह, मोहमद शाकिर, अरविंद सिंह, खुशबू खातून, अमिता पाण्डेय, एन के ओझा, पप्पू सिंह, बबन पांडेय, अशोक सिंह, गोपाल कृष्ण गोखले, घनश्याम चौधरी, सुरेंद्र चौधरी, अंजनी पाण्डेय सहित सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।

इन्टैक की टीम ने किया राजपरिवार से जुड़ी प्राचीन धरोहरों का सर्वेक्षण

डुमरांव की धरोहर को मिलेगा नया जीवन, संग्रहालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर अब उपेक्षित रहने के बजाय संरक्षित और सहेजी जाएगी। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इन्टैक) ने सोमवार से डुमरांव राजपरिवार से जुड़ी धरोहरों के संरक्षण और संग्रहालय निर्माण की प्रक्रिया को औपचारिक रूप से शुरू कर दिया। इस कदम को स्थानीय लोगों और इतिहास प्रेमियों ने डुमरांव के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत बताया है।

दरअसल, डुमरांव राजपरिवार की विरासत को संरक्षित करने की कवायद लंबे समय से चल रही थी। बीते जून माह में इन्टैक लखनऊ के डायरेक्टर डॉ. धर्मेंद्र मिश्र ने डुमरांव का दौरा किया था। उस दौरान युवराज शिवांग विजय सिंह ने उन्हें यहां की अमूल्य धरोहरों से परिचित कराया और संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। इसके बाद से संरक्षण कार्य की ठोस योजना बनने लगी। अब सोमवार को इन्टैक की तीन सदस्यीय विशेषज्ञ टीम डुमरांव पहुंची और राजपरिवार के परिसरों का विस्तृत सर्वेक्षण शुरू किया।

मंदिरों में भित्तिचित्र और राजपरिवार की वस्तुएं

सर्वेक्षण के दौरान टीम ने बिहारी जी मंदिर, राजराजेश्वरी मंदिर और जानकीनाथ मंदिर का निरीक्षण किया। इन मंदिरों में मौजूद दुर्लभ भित्तिचित्रों का सूक्ष्म अध्ययन किया गया। इसके साथ ही राजपरिवार के पास सुरक्षित पुराने हथियार, कला-वस्तुएं और अन्य प्राचीन धरोहरों को भी देखा गया। टीम का मानना है कि यह विरासत केवल स्थानीय धरोहर ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय महत्व की संपदा है। इन धरोहरों के संरक्षण से आने वाली पीढ़ियों को इतिहास से जोड़ा जा सकेगा।

बनेगी विस्तृत योजना, होगा संग्रहालय निर्माण

सर्वेक्षण पूरा होने के बाद इन्टैक की ओर से एक विस्तृत संरक्षण योजना तैयार की जाएगी। साथ ही संग्रहालय निर्माण का प्राक्कलन भी बनेगा। सीताराम उपाध्याय संग्रहालय, बक्सर के प्रभारी डॉ. शिव कुमार मिश्र ने बताया कि इन्टैक पहले भी देश और विदेश में कई ऐतिहासिक धरोहरों का सफल संरक्षण कर चुका है। डुमरांव की विरासत को सहेजना इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। उनका कहना था कि इस प्रयास से डुमरांव को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी।

राजपरिवार ने बताया ऐतिहासिक कदम

डुमरांव राज परिवार के शिवांग विजय सिंह ने इस पहल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि डुमरांव की धरोहर केवल यहां के लोगों की पहचान नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की सांस्कृतिक संपदा का हिस्सा है। उनका मानना है कि संग्रहालय बनने के बाद स्थानीय लोगों को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। साथ ही देश-विदेश से आने वाले पर्यटक भी यहां की अनमोल धरोहर का अनुभव कर सकेंगे। इससे न केवल डुमरांव की ऐतिहासिक पहचान मजबूत होगी, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

संस्कृति और पर्यटन का नया केंद्र बनेगा डुमरांव

विशेषज्ञों का मानना है कि डुमरांव की यह पहल संस्कृति और पर्यटन दोनों के क्षेत्र में नया आयाम जोड़ेगी। यहां का संग्रहालय लोगों को अतीत की झलक दिखाने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति देगा। धरोहरों का संरक्षण होने से युवाओं को भी अपने गौरवशाली इतिहास को समझने और उससे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा। कुल मिलाकर, इन्टैक और डुमरांव राजपरिवार के संयुक्त प्रयास से शुरू हुई यह योजना आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र को सांस्कृतिक मानचित्र पर और भी मजबूती से स्थापित करेगी। डुमरांव की धरती, जिसने इतिहास में अनेक अध्याय लिखे हैं, अब संग्रहालय के रूप में अपनी गाथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएगी।

एक नजर

सहरसा में मरीज की मौत पर हंगामा, डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप

सहरसा। सहरसा में इलाज के दौरान एक मरीज की मौत पर जमकर हंगामा हुआ। सदर थाना क्षेत्र के पंचवटी चौक स्थित एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान एक 24 वर्षीय युवक की मौत हो गयी। मौत के बाद अस्पताल संचालक मौके से फरार हो गए। घटना से गुस्साए लोगों ने जमकर हंगामा मचाया और विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर सदर थाने की पहुंची पुलिस ने मामले को शांत किया। मृतक युवक मधेपुरा जिले के तुलसीबाड़ी पंचायत के वार्ड नंबर 7 का निवासी शिव रतन यादव के 24 वर्ष के पुत्र ललन कुमार के रूप में हुई है। मृतक दो भाईयों में सबसे छोटा था। मृतक के भांजा ने बताया कि बीते शनिवार को मामा ललन कुमार का सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे और उनका ईलाज के लिए मधेपुरा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां गंभीर स्थिति में डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। भांजे ने बताया कि ललन के मुंह का जबड़ा तीन जगह से फैक्चर हो गया था। ऐसे में बड़े अस्पताल में ऑपरेशन करने की सलाह डॉक्टर के द्वारा दी गई। परिवार के सदस्यों ने उसे इलाज के लिए सहरसा के पंचवटी चौक स्थित डॉ राजीव रंजन के क्लीनिक में भर्ती कराया। जहां सोमवार को उसका ऑपरेशन किया गया। परिवार वालों को जानकारी दी गई कि स्पेशलिस्ट डॉक्टर रणविजय, डॉ रवि कुमार और डॉक्टर अभिनव प्रकाश इसका बेहतर ऑपरेशन करने के उपरांत मरीज ठीक हो जाएगा। आज जब ओटी में ऑपरेशन किया गया तो उसके बाद मरीज के शरीर फूलने लगा और उसके बाद उसकी मौत हो गई। परिवार वालों द्वारा बताया गया कि एनेस्थीसिया का डॉक्टर ने ज्यादा बेहोशी की दवा दे दी गई। ओवरडोज की वजह से उसकी मौत हो गई है। मौत से पूरे परिवार में मातम पसर गया है। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल बना हुआ है। आक्रोशित लोगों ने किलनिक पर जमकर हंगामा किया। इधर सहरसा सदर थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले को शांत कराया। इस बाबत सदर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने कहा कि लिखित आवेदन के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

बगहा में खाद लेने पहुंचे किसानों पर लाठीचार्ज, कई लोग घायल

बगहा । बिहार में किसान खाद के लिए परेशान है। बगहा में किसान भवन (बिस्कोमान) परिसर में सोमवार को खाद वितरण के दौरान भारी हंगामा हो गया। किसानों की लंबी कतारें लगी थीं, लेकिन घंटों इंतजार के बावजूद जब उन्हें खाद नहीं मिला, तो नाराज किसानों ने विरोध करना शुरू कर दिया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि वहां धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी मच गई। हालात पर काबू पाने के लिए मौके पर मौजूद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। किसानों का आरोप है कि कृषि पदाधिकारी के इशारे पर उन पर डंडे बरसाए गए। लाठीचार्ज में कई किसान घायल हो गए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद नाराज किसानों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए और चेतावनी दी कि अगर खाद वितरण पारदर्शी तरीके से नहीं हुआ, तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

समस्तीपुर में संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, पति फरार, पुलिस जांच में जुटी

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर वार्ड संख्या 12 में सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता की मौत हो गई। मृतका की पहचान गांव के पलटू राम की पत्नी सीमा कुमारी के रूप में हुई है।घटना की सूचना मिलते ही वारिसनगर थानाध्यक्ष सर्वेश कुमार झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान महिला का शव घर से बरामद किया गया और पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। वहीं, महिला का पति पलटू राम मौके से फरार हो गया।ग्रामीणों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। पलटू राम शराब का आदी था और कई बार मारपीट भी करता था। सोमवार की सुबह सीमा कुमारी का शव घर में पड़ा देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी।थानाध्यक्ष सर्वेश कुमार झा ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मामला हत्या का है या आत्महत्या का। मृतका के एक 9 वर्षीय पुत्र और 12 वर्षीय पुत्री हैं। माता-पिता के निधन के बाद उसका एकमात्र भाई ही है, जो प्रदेश में रहकर काम करता है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित पक्ष से आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जमुई में घरेलू विवाद के बाद पति ने गला घोंटकर की पत्नी की हत्या

जमुई। जमुई के लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के गोटाजोर गांव में सोमवार को घरेलू विवाद के बाद एक विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि पति संदीप कुमार तांती ने सास और ससुर के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। हत्या के बाद आरोपी पति एक साल के बेटे को लेकर फरार हो गया।मृतका की पहचान गोटाजोर निवासी 22 वर्षीय बबीता देवी के रूप में हुई है, जिसकी शादी डेढ़ साल पहले संदीप कुमार तांती से हुई थी। पड़ोसियों ने घटना की सूचना मृतका के मायके वालों को दी। मायके वाले पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और कमरे का ताला तोड़कर अंदर गए। कमरे में पलंग पर कपड़े से ढका हुआ बबीता का शव पड़ा मिला। जब पुलिस ने शव को बाहर निकाला तो उसके गले पर फंदे का गहरा निशान पाया गया।

चारों ओर ऊंची दीवारों और मजबूत गेट की मौजूदगी के बावजूद भाग निकले बच्चे

पटना में एसटीईट अभ्यर्थियों का जोरदार हंगामा, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

एजेंसी। पटना

पटना में शिक्षक भर्ती को लेकर शिक्षक अभ्यर्थियों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। टीआरई फोर परीक्षा से पहले एसटीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) करवाने की मांग को लेकर पंद्रह दिनों में दूसरी बार बड़ी संख्या में अभ्यर्थी सड़कों पर उतर आए हैं। राज्य के विभिन्न जिलों से आए अभ्यर्थी पटना कॉलेज से एकत्र होकर प्रदर्शन कर रहे थे। उनका कहना है कि एसटीईटी परीक्षा के बिना टीआरई फोर भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं होनी चाहिए, ताकि बेरोजगार शिक्षक अभ्यर्थियों को मौका मिल सके और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। प्रदर्शनकारियों का जुलूस पुलिस ने डाक बंगला चौराहे पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। हालांकि प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग को पार करके आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे तनाव की स्थिति बनी हुई है और प्रशासन द्वारा सभी अभ्यर्थियों को जबरन हटाने की कोशिश की जा रही है। फिर भी अभ्यर्थी रुकने का नाम नहीं ले रहे है और डाकबंगला चौराहा से आगे की ओर बढ़े है। इस दौरान पुलिस ने अभ्यर्थियों पर जोरदार लाठीचार्ज किया है। वहीं, अभ्यर्थियों का कहना है कि हम लोगों के पास कोई ऑप्शन नहीं है आखिर हम कहा जाए। डाक बंगला चौराहा पर तनाव के स्थिति में कुछ अभ्यर्थियों को प्रसाशन द्वारा हिरासत में भी लिया गया है। इससे पहले हुए प्रदर्शन के दौरान भी पुलिस ने अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किया था, जिससे हालात और बिगड़े थे। अभ्यर्थी अपने मांगों पर अड़े हुए हैं और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल

स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया. मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल और मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी. इसके बाद पुलिस ने छात्रों को चौराहे से खदेड़ दिया और कई को हिरासत में भी ले लिया।

वायरल हुआ अभ्यर्थी का पैर पकड़ने वाला वीडियो

प्रदर्शन के दौरान एक भावुक कर देने वाला वीडियो भी सामने आया, जिसमें एक अभ्यर्थी मजिस्ट्रेट के पैरों में गिरकर रोने लगा. वह लगातार उनसे गुहार लगा रहा था कि ह्लभइया, हमारी मुलाकात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से करवा दीजिए. हम अपनी बात रखना चाहते हैं.ह्लयह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जो यह बताता है कि किस तरह से अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर हताश और निराश हो चुके हैं. डाकबंगला चौराहे पर करीब एक घंटे तक अफरातफरी का माहौल बना रहा. जब अभ्यर्थी पीछे हटने को तैयार नहीं हुए तो पुलिस ने बलपूर्वक उन्हें हटाया। इस दौरान कई छात्रों को हिरासत में लेकर पुलिस वाहन से थाने भेजा गया।

कटिहार : 25 हजार का इनामी अपराधी फोटो यादव गिरफ्तार

एजेंसी। कटिहार

25 हजार के ईनामी अपराधी फोटो यादव उर्फ संजीत यादव को कटिहार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह लंबे समय से फरार चल रहा है। जिसकी पुलिस तलाश कर रही थी लेकिन वह हाथ नहीं आ रहा है। जिसके बाद पुलिस ने फोटो यादव के ऊपर 25 हजार का इनाम घोषित कर दिया। इसके बावजूद फोटो यादव की गिरफ्तारी नहीं हो पा रही थी। लेकिन बरारी थाने की पुलिस ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया अब उसे जेल भेजने की कार्रवाई हो रही है। बताया जाता है कि कटिहार के बरारी थाना क्षेत्र स्थित दक्षिणी भंडारतल पंचायत में 09.01.2025 को करीब 04:30 बजे शाम में उचला चौक स्थित विजय कुमार के किराना दुकान के पास धनंजय यादव को गोली मारी गयी थी। धनंजय यादव बरारी थाना क्षेत्र के काढागोला घाट के रहने वाले है। जिन्हें फोटो यादव उर्फ संजीत यादव ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस संबंध में धनंजय यादव की पत्नी नवीता देवी ने थाने में लिखित आवेदन दिया था। जिसके आधार पर बरारी थाना कांड संख्या-10/25, दिनांक-10.01.2025, धारा-109/3 (5) बी०एन०एस० एवं 27 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत दर्ज किया गया।

सीएम नीतीश कुमार ने एलएन मिश्र इंस्टीट्यूट का किया निरीक्षण, क्लासरूम में जाकर छात्र-छात्राओं से की बातचीत

सीएम ने एकेडमिक ब्लॉक, टेक्निकल ब्लॉक, लैब, प्रशासनिक भवन, क्लास रूम सहित पूरे परिसर का किया निरीक्षण

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना के ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने एकेडमिक ब्लॉक, टेक्निकल ब्लॉक, लैब, प्रशासनिक भवन, क्लास रूम सहित पूरे परिसर का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं तथा शैक्षणिक कार्यकलापों की विस्तृत जानकारी ली। क्लास रूम में उपस्थित छात्र-छात्राओं से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आपलोग अच्छे से पढ़ाई करें और अपने उद्देश्य को प्राप्त करें। निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव सह ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के निदेशक डॉ० एस० सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के० शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी तथा ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। बता दें कि ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान की स्थापना 1973 में 'बिहार इन्स्टीच्यूट ऑफ इकोनोमिक डेवलपमेन्ट' के नाम से सामाजिक-आर्थिक विकास के क्षेत्र में शोध एवं प्रबंधन के उद्देश्य से की गयी थी। संस्थान में वर्तमान में प्रोफेशनल कोर्स जो कि स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर का है, संचालित किया जा रहा है। विगत तीन वर्षों में संस्थान ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 90 प्रतिशत से ज्यादा प्लेसमेंट के लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। संस्थान प्रबंधन के क्षेत्र में पूर्वी भारत का एक अग्रणी संस्थान है। वर्ष 2025 के Times B-School सर्वे में संस्थान ने शीर्ष 15 प्रबंधन संस्थानों में अपना रैंक स्थापित किया है। संस्थान बाजार एवं कॉरपोरेट वर्ल्ड की जरूरत को ध्यान रखते हुए कोर्स का संचालन करता है। संस्थान के द्वारा गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन तथा कम्प्यूटर की शिक्षा बाजार से काफी कम दर पर दी जा रही है। इसके कम फीस होने से समाज के कमजोर वर्गों के छात्र भी प्रबंधन एवं कम्प्यूटर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से लाभान्वित हो रहे हैं तथा कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपना स्थान कायम कर रहे हैं। काफी संख्या में बिहार राज्य स्टूडेन्ट क्रेडिट कार्ड योजना से आच्छादित छात्र संस्थान में नामांकित हैं। संस्थान के सारे कोर्स AICTE से मान्यता प्राप्त है तथा संस्थान आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना से सम्बद्ध है। संस्थान में पूर्णतः क्रियाशील स्टार्टअप सेल है जो कि भावी उद्यमियों का प्रशिक्षण एवं उद्योग स्थापित किये जाने हेतु सलाह देने का कार्य करता है।

संस्थान के शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद थे

निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव सह ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के निदेशक डॉ० एस० सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के० शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारीगण तथा ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

संस्थान की स्थापना 1973 में की गई

ज्ञातव्य है कि ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान की स्थापना 1973 में 'बिहार इन्स्टीच्यूट ऑफ इकोनोमिक डेवलपमेन्ट' के नाम से सामाजिक-आर्थिक विकास के क्षेत्र में शोध एवं प्रबंधन के उद्देश्य से की गयी थी। संस्थान में वर्तमान में प्रोफेशनल कोर्स जो कि स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर का है, संचालित किया जा रहा है। विगत तीन वर्षों में संस्थान ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 90 प्रतिशत से ज्यादा प्लेसमेंट के लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है।

नालंदा में शराब के पैसों को लेकर हूआ विवाद, महिला की गोली मारकर हत्या

- बच्ची को ले जाने की कोशिश कर रहे थे बदमाश

एजेंसी। नालंदा

नालंदा जिले के कल्याण विगहा थाना क्षेत्र के बड़ी आमर गांव में रविवार देर रात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर एक महिला की हत्या कर दी। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मृतका की पहचान बड़ी आमर गांव निवासी मेघन मांझी की पत्नी संजू देवी (45) के रूप में हुई है। मृतका के भतीजे मनोज मांझी ने बताया कि कुछ दिन पहले उनके चाचा ने चंडी थाना क्षेत्र के मोकिमपुर गांव के बदमाशों के साथ शराब पी थी। करीब 200-300 रुपये का लेन-देन होने के कारण विवाद खड़ा हो गया। उसी बात को लेकर रविवार को तीन-चार की संख्या में बदमाश उनके घर पर आ धमके।मनोज के अनुसार, बदमाश घर की एक लड़की को जबरन पकड़कर ले जाने की कोशिश करने लगे। जब परिवार वालों ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसी दौरान एक गोली संजू देवी के सीने में लगी और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी हवाई फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। अचानक हुई गोलीबारी से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही कल्याण विगहा और हरनौत थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। कल्याण विगहा थानाध्यक्ष सुषमा कुमारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में मोकिमपुर गांव के बदमाशों की संलिप्तता सामने आई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी साक्ष्य एकत्र करने के लिए बुलाया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में छापेमारी तेज कर दी है।

पांच किशोरों की डूबने से मौत से दहला गांव, शव पहुंचते ही गूंजी चीख-पुकार

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कटरा प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को हुई हृदयविदारक घटना के बाद मंगलवार को पोस्टमार्टम के उपरांत पांचों किशोरों के शव गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिजनों की चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो उठा। गांव में मातम का सन्नाटा पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सरकारी मुआवजा देने का ऐलान किया है। अंचल अधिकारी को आपदा प्रबंधन विभाग के तहत आगे की कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। वहीं सीएम नीतीश ने इस हादसे में गहरा दुख जताया है और परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। सीएम ने इस हादसे में मृत सभी लोगों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये अविलंब अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिए हैं। यह घटना कटरा प्रखंड के खंगुरा बंधपुरा पंचायत के गोरधोवा पुल के पास स्थित लीची गाछी के पोखर की है। जानकारी के अनुसार सभी किशोर नहाने के लिए पानी में उतरे थे। इस दौरान एक किशोर डूबने लगा। उसे बचाने के लिए अन्य साथी भी पानी में कूद गए, लेकिन सभी डूब गए।

समस्तीपुर में भू-माफिया का तांडव, जमीन पर कब्जा करने पहुंचे 13 हथियारबंद बदमाशों को पुलिस ने दबोचा

एजेंसी। समस्तीपुर

समस्तीपुर में भू-माफिया का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। इन लोगों ने नाक में दम कर रखा है। साफ सुथरी जमीन को भी विवादित बनाकर उसपर अवैध कब्जा किए जाने का सिलसिला जारी है। इसी दरम्यान 13 बदमाशों को पुलिस ने दबोचा है, जो जमीन पर कब्जा करने के लिए आए थे। समस्तीपुर के मुफ्फसिल थाना के मोहनपुर में रात करीब 11 बजे मुख्य सड़क पर स्थित एक दो कट्ठा के प्लॉट पर अवैध कब्जा करने के लिए 30 से 35 हथियारबंद अपराधियों को लेकर भू-माफिया जुटे थे। बाउंड्रीवाल के गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे लेकिन इसकी सूचना पर सदर डीएसपी संजय पांडे के नेतृत्व में भारी संख्या में पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए 13 बदमाशो को दबोच लिया। जबकि बाकी अपराधी भागने में सफल रहे। इन बदमाशों के पास से 4 बाइक और कई मोबाइल जब्त किया गया है। इस मामले पर डीएसपी ने बताया कि जेल में बंद एक कुख्यात मास्टर माइंड अपराधी और एक सफेदपोश भूमाफिया की योजना से इस जमीन पर कब्जा किया जा रहा था, लेकिन पुलिस ने समय पर छापेमारी कर इसे विफल कर दिया। पुलिस अन्य लोगो की गिरफ्तारी और उनके अवैध कारोबार से अर्जित सम्पत्ति को जब्ती के लिए भी कारवाई कर रही है।

मुजफ्फरपुर में फ्लाई ऐश मशीन में काम करने के दौरान मजदूर की मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र के कपरपूरा गांव स्थित एक फ्लाई ऐश मशीन फैक्टरी में सोमवार को दर्दनाक हादसा हो गया। काम करने के दौरान मशीन में फंसने से मजदूर की मौत हो गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद मृतक मजदूर के परिजनों ने फैक्टरी गेट पर शव रखकर जमकर हंगामा किया। उनका आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। परिजनों का कहना है कि घटना की जानकारी समय रहते देने के बजाय मौत की सूचना दी गई। आक्रोशित लोगों ने फैक्ट्री को सील करने की मांग करते हुए पुलिस से कड़ी कार्रवाई की गुहार लगाई। सूचना मिलते ही कांटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया।

अब फॉल्ट आने पर भी नहीं होगी बिजली गुल

स्काडा सिस्टम से जुड़ेंगे पटना के पावर सबस्टेशन

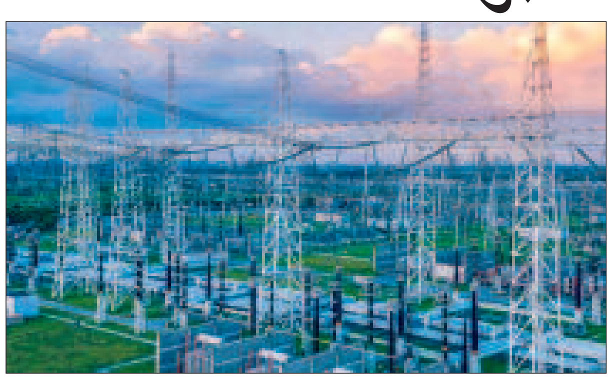

एजेंसी। पटना

पटना में बिजली आपूर्ति अब पूरी तरह हाईटेक होगी. इस कड़ी में पटना के सभी बिजली सबस्टेशनों को सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डाटा एक्वीजिशन (स्काडा) से जोड़कर मानव रहित व्यवस्था की कवायद शुरू हो चुकी है. इस व्यवस्था के तहत हर सबस्टेशन एक-दूसरे से जुड़ेंगे. मिली जानकारी के अनुसार स्काडा सिस्टम से कंट्रोल करने के लिए सबस्टेशनों को अपग्रेड किया जाएगा. इसके लिए सभी सबस्टेशनों पर रिंग मेन यूनिट (आरएमयू), रिमोट टर्मिनल यूनिट (आरटीयू) व सेक्शन लाइजर लगाए जाएंगे. किसी फीडर में खराबी आने पर आरएमयू यूनिट दूसरे फीडर से स्वचलित आपूर्ति शुरू कर देगी. आरटीयू के माध्यम से कंट्रोल रूम में फीडरों पर लोड, फॉल्ट आदि की जानकारी पहुंचती रहेगी. सेक्शन लाइजर लगाने से जिस क्षेत्र में फॉल्ट हुआ है सिर्फ वहीं की बिजली आपूर्ति प्रभावित होगी. कंप्यूटरीकृत नेटवर्क प्रणाली से सभी उपकेंद्रों को जोड़ा जाएगा. बता दें कि स्काडा सिस्टम एक रिमोट कंट्रोल आधारित स्वचलित केंद्रीयकृत व्यवस्था है. इसमें अगर एक लाइन में फॉल्ट होता है, तो दूसरी ओर से तुरंत खुद आपूर्ति शुरू हो जाएगी. पूरा सिस्टम ही ऑनलाइन केंद्रीयकृत हो जाएगा. जिससे फॉल्ट का तुरंत पता चल जाएगा. वहीं, दूसरी ओर अलर्ट जारी होने, फॉल्ट लोकेशन की सही स्थिति की जानकारी से समय की बचत और वोल्टेज पर नियंत्रण होगा. सिस्टम से ही लाइन में खराबी के बारे में बिजलीकर्मियों को ऑनलाइन दिशानिर्देश दिए जा सकेंगे. गर्मी के दिनों में बिजली की कटौती बढ़ जाती है. और इसे रोकने के लिए स्काडा को विकसित करने की योजना है।

सुभाषितम्

आपको केवल एक अच्छा कारण खोजना है कि यह कार्य सफल होगा। -डॉ. रावर्ट

स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से सबक सीखा कांग्रेस ने

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों की गुलामी से आजादी का संघर्ष नहीं था। कांग्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में जनता से संवाद करने और जनजागरण का भी आंदोलन चलाया था। उस दौर में अंग्रेजों के प्रभाव में मीडिया पूरी तरह नियंत्रित था। सारा भारत रियासतों से जुड़ा हुआ था। ऐसी स्थिति में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन चलाना संभव ही नहीं था। अंग्रेजी अखबारों की पहुँच आम जनता से दूर थी। सूचनाओं का प्रवाह सत्ता के हिसाब से तय होता था। ऐसी स्थिति में कांग्रेस और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने जनता तक पहुँचने का नया रास्ता चुना। प्रादेशिक स्तर का संगठन तैयार किया। स्वतंत्रता आंदोलन के लिए पदयात्राएँ, जन यात्राएँ, छोटे-छोटे पर्चे और स्थानीय भाषाओं में छपे नए समाचार पत्र ही उस समय संवाद का सशक्त माध्यम बना। जिसने स्वतंत्रता आंदोलन की अलख सभी रियासतों और अंग्रेजी शासन काल के हर हिस्से तक पहुंचाने का काम कांग्रेस के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने किया। कांग्रेस के इन्हीं प्रयासों से आजादी का संदेश गाँव-गाँव, गली-गली पहुँचा, आंदोलन को व्यापक जनाधार मिला। सभी वर्गों के लोग इस आंदोलन में शामिल हुए, जो अंग्रेजों की किसी न किसी प्रताड़ना से व्यथित थे। आज, स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद, परिदृश्य एक बार फिर बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। राष्ट्रीय मीडिया पर वर्तमान सरकार का वर्चस्व इतना बढ़ गया है। सारा मीडिया सरकार के गुणगान में लगा हुआ है। मीडिया में जनता को स्थान नहीं मिल रहा है। मीडिया ने अपनी सवाल करने की भूमिका भी खत्म कर दी है। मीडिया से विपक्ष नदारद है। जो वर्तमान मीडिया है, उसे गोदी मीडिया कहा जाने लगा है। बड़े-बड़े टीवी चैनल और अखबार सरकार की भाषा बोल रहे हैं। आम जनता के असली मुद्दे–महंगाई, बेरोजगारी, किसान और श्रमिक की पीड़ा–मुख्यधारा के मीडिया से गायब हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कांग्रेस स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि व अपने पूर्वजों से सबक लेकर एक बार फिर स्वतंत्रता आंदोलन के तौर तरीके को अपनाती हुई दिख रही है। राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो पदयात्रा से राहुल गांधी और कांग्रेस का जनता से सीधा संवाद कायम हुआ। यह संवाद न केवल भाषाई विविधता के बीच लोगों तक पहुँचा, बल्कि वर्तमान मीडिया के नियंत्रण के दौर में एक वैकल्पिक मीडिया का राजनीतिक मॉडल भी बन गया। जिस तरह से स्वतंत्रता संग्राम के समय पर्चों और छोटे अखबारों ने अंग्रेजों के खिलाफ आम जनता को आंदोलित किया। अंग्रेजों के प्रति आम लोगों को जो भय था उसे खत्म करने का काम किया। संवाद के नए-नए माध्यम आंदोलनकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने तैयार किये। जिसका प्रभाव आम जनता पर पड़ा और स्वतंत्रता आंदोलन दिन प्रतिदिन तेज होता चला गया। जिसके कारण ताकतवर अंग्रेजों को भारत छोड़कर वापस जाना पड़ा। उसी तरह के प्रयास एक बार फिर कांग्रेस ने सोशल मीडिया, स्वतंत्र यूट्यूब चैनल और जन यात्राएँ, रैली से किया है। ये सभी सरकारी प्रचार एवं गोदी मीडिया को चुनौती दे रही हैं। दरअसल यह प्रयास जनता तक सीधी पहुँच बनाने सबसे प्रभावी तरीका है। राहुल गांधी अब जनता की लड़ाई को लड़ रहे हैं। खुद से जनता को जोड़ रहे हैं। आंदोलन विपक्षी राजनीति के लिए ऑक्सीजन की तरह है। यही कारण है कि कांग्रेस अब रैलियों, जन सभाओं और सोशल मीडिया अभियानों को अपना प्रमुख हथियार बना रही है। जब मीडिया सरकार का पक्षधर बन चुका हो, तब यही रणनीति कांग्रेस और विपक्ष के लिए उसे पुनर्जीवित करने का सबसे कारगर तरीका है। कांग्रेस और राहुल गांधी की यह रणनीति न केवल भाजपा और सरकार के लिए चुनौती है, बल्कि गोदी मीडिया के लिए भी एक चुनौती है। लोकतंत्र के लिए एक उम्मीद की किरण है। जहां राजनीतिक दल अब जनता की लड़ाई को लड़ने के लिए सड़कों पर आ रहे हैं। इतिहास गवाह है कि जब-जब जनता से सीधा संवाद संगठन और राजनीतिक दल कायम करते है, तब सत्ता की नींव हिलती है, परिवर्तन की लहर तेज हो जाती है।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

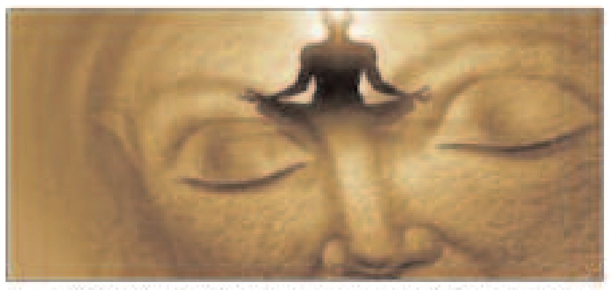

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं, पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है, खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार क्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की मांसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतः वाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने वाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

क्या आरएसएस के मुखिया मन की बात कहते हैं?

- राम पुनियानी

आगामी 2 अक्टूबर 2025 से आरएसएस का शताब्दी वर्ष शुरू होगा। इसे मनाने के लिए संघ ने कई कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई है। इनमें से एक है तीन व्याख्यानों की एक श्रृंखला जो 26, 27 और 28 अगस्त को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित है। इसके बाद तीन-दिन की इस श्रृंखला का आयोजन मुंबई, बेंगलुरू और कोलकाता में होगा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दिल्ली के विज्ञान भवन में सन्‌ 2018 में तीन व्याख्यान दिए थे। इस बार अंतर यह है कि यह आयोजन देश के चार प्रमुख नगरों में किया जा रहा है। तीसरे व्याख्यान में प्रश्नोत्तर सत्र भी होगा और इनमें ऐसे बहुत से लोगों को आमंत्रित किया गया है जो संघ परिवार से संबद्ध नहीं हैं। आमंत्रित जन 12 वर्गों के हैं। इनमें विदेशी दूतावासों के अधिकारी, बुद्धिजीवी और अन्य राजनैतिक दलों के नेता शामिल है। विदेशी दूतावासों के कर्मियों में पाकिस्तान, बांग्लादेश और तुर्किये के दूतावासों के कर्मी शामिल नहीं हैं। जहां तक राजनैतिक दलों का सवाल है, गैर-भाजपा दलों के उन नेताओं के विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है जो मोदी सरकार के सुर में सुर मिला रहे हैं। यह शुरूआती प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। अन्य कार्यक्रमों में हिंदुओं का सम्मेलन आदि शामिल हैं।

हमें याद है कि भागवत द्वारा विज्ञान भवन में 2018 में दिए गए व्याख्यानों को कितनी महत्ता दी गई थी। उन्हें सुनकर कई नादान राजनैतिक समीक्षकों को यह लगने लगा था कि आरएसएस बदल रहा है। आरएसएस के अंदरूनी मामलों की जानकारी रखने वाले और उससे जुड़े एक सज्जन की टिप्पणी थी कि आरएसएस ग्लासनोस्त की प्रक्रिया से गुजर रहा है। मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ। उसके बाद का घटनाक्रम आरएसएस के एजेंडे के मुताबिक विघटनकारी कृत्यों ही भरा रहा। भागवत ने हिन्दू-मुस्लिम रिश्तों को बेहतर करने की वकालत करते हुए कहा था कि एक व्यक्ति सच्चा हिंदू नहीं हो सकता यदि वह कहता है कि मुसलमानों को भारत में नहीं रहना चाहिए। मॉब लिंचिंग में शामिल लोग हिन्दुत्व विरोधी हैं। क्या इसके बाद मुसलमानों की लिंचिंग की घटनाएं रूक गई? नहीं! वे पहले की तरह जारी रहीं। सन 2020 में उत्तर प्रदेश में शाहरुख सैफी और हरयाणा में लुकमान की लिंचिंग हुई। इसके अलावा मुसलमानों के घरों और दुकानों को तोड़ने के लिए बुलडोजरों का इस्तेमाल हुआ।

ज्यादातर मुस्लिम विरोधी गतिविधियां बदस्तूर जारी रहीं क्योंकि उनके खिलाफ किया जाने वाला प्रोपेगेंडा संघ परिवार का मुख्य हथियार है। जब देश में कोविड-19 फैला तो इस त्रासदी का उपयोग भी मुसलमानों का और अधिक दानवीकरण करने के लिए किया गया और महामारी का ठीकरा दिल्ली में चल रहे तब्लीगी जमात सम्मेलन पर फोड़ने की कोशिश की गई। कोरोना जेहाद, कोरोना बम जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाने लगा और इसके साथ ही फेरी लगाकर सामान बेचने वाले मुसलमानों का हिन्दू बस्तियों में बहिष्कार किया गया।

भागवत ने कहा था कि वह हिन्दू, हिन्दू नहीं है जो यह कहता है मुसलमानों को भारत में नहीं रहना चाहिए। सीएए, जिसने मुसलमानों को छोड़कर सभी के लिए भारत की नागरिकता हासिल करने का पिछला दरवाजा खोल दिया, के बाद राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर करने की भारी भरकम और कष्टदायी प्रक्रिया प्रारंभ की गई। निडर मुस्लिम पुरूषों और महिलाओं ने इसके विरोध में शाहीन बाग आंदोलन शुरू किया। यह दुःखद है कि भाजपा के कपिल मिश्रा जैसे लोगों ने इसका विरोध किया, और इन लोगों ने खुलेआम धमकी दी कि यदि पुलिस ने इन्हें धरना स्थल से नहीं हटाया, तो वे यह काम करेंगे। इसके बाद दिल्ली में हुई हिंसा में 51 निर्दोष लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा, जिनमें से दो तिहाई मुसलमान थे। एक तरह से भागवत के नेतृत्व में संघ परिवार मुसलमानों के प्रति नफरत बढ़ाने वाले हर कदम का समर्थन कर रहा है। आखिर 2018 के व्याख्यान का लक्ष्य क्या था? यह साफ है कि वह न तो पेरोस्त्रोइका था और ना ही यह कयास सही था कि आरएसएस में बदलाव आ रहा है।

सीधी सी बात यह है कि आरएसएस हिन्दू राष्ट्रवाद की राह पर चल रहा है। वह भले ही सैद्धांतिक तौर पर एम। एस। गोलवलकर के हिन्दू राष्ट्र के लिए तीन आंतरिक खतरों - मुसलमान, ईसाई और कम्युनिस्ट - वाले नजरिए को त्यागने की बात कह रहा हो, लेकिन हकीकत में वह उसी के अनुरूप काम कर रहा है। मुस्लिम समुदाय पिछले कई दशकों से भयभीत है और उसे हाशिए पर पटक दिए जाने का एहसास हो रहा है। यहां तक कि बुलंद आवाज में आरएसएस में बदलाव आने का दावा करने वाले सुधीन्द्र कुलकर्णी को भी मुसलमानों की दुर्दशा नजर आ रही थी। उन्होंने लिखा, सांप्रदायिक दंगों में मुसलमानों की हजारों करोड़ की संपत्ति नष्ट हो रही है इसके बावजूद इन मामलों में ठीक से एफआईआर तक दर्ज नहीं होती। इसके अलावा हिंसा, लूटपाट और दुष्कर्मों के ज्यादातर दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती। इसके विपरीत, विरोध के अपने संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करने वाले मुसलमानों को सख्त दंड भुगतना पड़ता है, पुलिस की गोलीबारी में जान गवांनी पड़ती है, बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जाता है और सार्वजनिक संपत्ति की हानि की कीमत जुर्माने के रूप में चुकानी पड़ती है। कहां है इंसाफ?

जहां तक ईसाईयों की बात है, उन्हें ज्यादा नजर में न आने वाली हिंसा का सतत सामना करना पड़ता है क्योंकि यह कम तीव्र होती है और विभिन्न इलाकों में बिखरी हुई होती है। यह भी अत्यंत तेज गति से बढ़ रही है खासकर पिछले एक दशक के दौरान। एक बड़े ईसाई पंथ के प्रताड़ित नेता ने 2023 में कहा था, हर दिन गिरजाघरों और पॉस्टरों पर हमलों की चार या पांच घटनाएं होती हैं और हर रविवार को ये दोगुनी होकर दस के करीब हो जाती हैं - हमने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। उनके अनुसार भारत में ईसाईयों को प्रताड़ित करने में प्रमुख भूमिका हिंदू उग्रपंथियों के संगठन संघ परिवार की है जिसमें प्रभावशाली अर्ध-सैन्य और रणनीतिक समूह आरएसएस, प्रमुख राजनैतिक दल भाजपा और हिंसक युवा संगठन बजरंग दल शामिल हैं। जहां तक कम्युनिस्टों का सवाल है, हर मानवाधिकार कार्यकर्ता पर शहरी नक्सल का लेबल चस्पा किया जा रहा है। भीमा-कोरेगांव मामले में इनमें से कई को गिरफ्तार किया गया। अब महाराष्ट्र में महाराष्ट्र सरकार पीपल्स सिक्यूरिटी विधेयक पारित करने के तैयारी में हैं। इससे राज्य सरकार को उन सभी व्यक्तियों और संस्थाओं पर नजर रखने, उनकी जांच करने और उनके खिलाफ कार्यवाही करने के अधिकार मिल जाएंगे जिन पर यह संदेह है कि वे प्रतिबंधित माओवादी संगठनों को बौद्धिक या आर्थिक सहायता उपलब्ध करवा रहे हैं या उन्हें काम करने के लिए सुविधाएं मुहैया कर रहे हैं।

ये सारी नीतियां और कानून, यह सारी हिंसा उस दुष्प्रचार का नतीजा है जो संघ अपनी शाखाओं में करता है। संघ के अनुषांगिक संगठन में इसमें मदद करते हैं। तो फिर 2018 में व्याख्यान क्यों दिए गए।

राहुल का वोट चोरी का मुद्दा लूट ले गये अखिलेश

- बी.पी. गौतम

कांग्रेस और विपक्ष एसआईआर के मुद्दे को लेकर लगातार हमलावर है, जिससे मॉनसून सत्र में अपेक्षा के अनुरूप कार्य नहीं हो पा रहा है, वहीं विपक्ष के तमाम प्रमुख सांसद उच्चतम न्यायालय में गये हैं, जहां वे तर्क नहीं दे पाये। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया को मतदाताओं के अनुकूल माना है, फिर भी विपक्ष का सवाल बरकरार है। सोमवार को संसद के बाहर विपक्ष के द्वारा सड़क पर सत्ता पक्ष और चुनाव आयोग पर हमला बोला गया लेकिन, इस प्रदर्शन का पूरा श्रेय अखिलेश यादव के नाम पर दर्ज हो गया, उनकी छलांग देशभर में छाई रही, इसी मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

संसद से सड़क तक हंगामा

विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग एसआईआर के द्वारा बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना चाहता है, वे दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। बिहार में एसआईआर को लेकर संसद में गतिरोध बना हुआ है। 21 जुलाई को संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने के बाद से दोनों सदनों में लगातार व्यवधान और नाम मात्र का विधायी कार्य हुआ है, दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को छोड़कर 21 जुलाई को मॉनसून सत्र शुरू होने के बाद से संसद में बहुत कम काम हुआ है। बार-बार कार्यवाही स्थगित की जा रही है, इसी मुद्दे को लेकर विपक्षी सांसदों ने सोमवार को संसद भवन से चुनाव आयोग मुख्यालय तक विरोध मार्च निकाला, इस दौरान प्रदर्शनकारी विपक्षी सांसदों को रोकने के लिये परिवहन भवन पर पुलिस बैरिकेड्स लगा दिये, जहां उन्हें चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर आगे बढ़ने से रोक दिया गया। पुलिस का तर्क था कि विपक्षी सांसदों ने मार्च निकालने के लिये कोई अनुमति नहीं ली है। पुलिस द्वारा रोके जाने पर अखिलेश यादव, महुआ मोइत्रा सहित कई सांसदों ने बैरिकेड्स पर चढ़ने का प्रयास किया, इस दौरान अखिलेश यादव का एक्शन देशभर में चर्चा का विषय बन गया और राहुल गांधी पर ही भारी पड़ गया। पूरे प्रदर्शन का श्रेय अखिलेश यादव के नाम चला गया। अखिलेश के अलावा कई सांसद बैरिकेड्स कूदकर बीच सड़क पर धरने पर बैठ गये। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे सांसदों को समझाने का प्रयास किया लेकिन, सांसदों ने सड़क से हटने से मना किया तो, राहुल, प्रियंका और अखिलेश सहित तमाम नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हालांकि, बाद में उन्हें छोड़ दिया गया, इस दौरान विपक्षी सांसद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और वोट चोरी के आरोपों के विरोध में नारे लगाते देखे गये।

पुलिस ने इसलिये रोके विपक्षी सांसद चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश को पत्र लिखकर दोपहर 12.30 बजे मिलने के लिये बुलाया था, साथ ही चुनाव आयोग ने उनसे 30 सांसदों के साथ आने को कहा था और आने से पहले उन सांसदों की सूचना देने को भी कहा था, इसको लेकर पुलिस ने प्रदर्शनकारी सांसदों से कहा कि 30 लोग चुनाव आयोग के मुख्यालय तक जा सकते हैं, इसके लिये पैदल या, वाहन जैसे विकल्प चुन सकते हैं लेकिन, विपक्ष इसके लिये तैयार नहीं हुआ, साथ ही मार्च निकालने के लिये अनुमति नहीं ली गई थी। नई दिल्ली के संयुक्त पुलिस आयुक्त दीपक पुरोहित ने कहा कि हिरासत में लिये गये विपक्षी सांसदों को पास के एक पुलिस स्टेशन ले जाया गया है। हम अभी भी हिरासत में लिये गये सांसदों की संख्या गिन रहे हैं, यहां विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी लेकिन, हमें सूचना मिल गई थी। अगर, वे तय करते हैं तो, हम उन्हें चुनाव आयोग कार्यालय तक पहुंचा देंगे। चुनाव आयोग से 30 सांसदों की अनुमति थी। चूंकि वे बड़ी संख्या में थे, इसलिये हमने उन्हें हिरासत में लिया। हमने उन्हें सूचित कर दिया है कि 30 सांसदों को अनुमति दी जायेगी। चुनाव आयोग में उचित पुलिस व्यवस्था है। नई दिल्ली के डीसीपी देवेश कुमार महला ने कहा कि 30 सांसदों की अनुमति है। जब हमें उनके नाम मिल जायेंगे तो, हम उन्हें चुनाव आयोग के पास ले जायेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि हकीकत यह है कि वो बात नहीं कर सकते। सच्चाई देश के सामने है। ये लड़ाई राजनीतिक नहीं है। ये लड़ाई संविधान बचाने की है। ये लड़ाई एक व्यक्ति, एक वोट की है। हम एक साफ-सुथरी मतदाता सूची चाहते हैं। राहुल ने कहा कि भारत के लोकतंत्र की हालत देखिये। 300 सांसद चुनाव आयोग से मिलकर एक दस्तावेज पेश करना चाहते थे लेकिन, उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी गई। वे डरे हुये हैं। अगर, 300 सांसद आ गये और उनकी सच्चाई सामने आ गई तो, क्या होगा? यह लड़ाई अब राजनीतिक नहीं रही। यह लड़ाई संविधान और एक व्यक्ति एक वोट के लिये है। हमने कर्नाटक में साफ तौर पर दिखा दिया है, यह मल्टीपल मैन, मल्टीपल वोट था। पूरा विपक्ष इसके खिलाफ लड़ रहा है। चुनाव आयोग के लिये अब छिपना बहुत मुश्किल होगा।

इसके अलावा राहुल गांधी ने शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने को लेकर कहा कि मैं शपथ पत्र पर हस्ताक्षर क्यों करूं? यह उनका डाटा है, मेरा नहीं। उन्हें इसे अपनी वेबसाइट से लेना चाहिये, वे बस ध्यान भटका रहे हैं और किसी को यह नहीं सोचना चाहिये कि यह केवल बंगलुरू में हुआ है, यह देश के कई निर्वाचन क्षेत्रों में हुआ है। आज चुनाव आयोग कुछ छिपाने की कोशिश कर रहा है लेकिन, मैं आपको बताना चाहता हूं कि एक दिन सब कुछ सामने आ जायेगा।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उन्होंने जो कहा है, वो सच है और मेरा बयान भी वही है। अगर, कोई सरकार चुनाव आयोग के पास भी नहीं जाती है तो, मुझे नहीं पता कि सरकार किस बात से डरती है। यह वीवीआईपी का शांति पूर्ण प्रदर्शन है।

क्रोध हमेशा धैर्य और साहस की कमी का परिचायक होता है

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

आज के युग में हर व्यक्ति को जीवन के किसी न किसी पड़ाव में विपरीत परिस्थितियों का निर्माण होने के कारणों में कहीं ना कहीं एक कारण उसका गुस्सा या क्रोध भी होगा। अगर हम अत्यंत संवेदनशीलता और गहनता से उत्पन्न हुई उन परिस्थितियों की गहनता से जांच करेंगे तो हमें जरूर यह कारण महसूस होगा। गुस्से और क्रोध का वह छोटा सा पल ऐसी अनेकों विकराल स्थितियों और परिस्थितियों को पैदा कर देता है, जिसकी हमें उम्मीद भी नहीं रहती और फिर बड़े बुजुर्ग लोग कहते हैं ना कि, जब चिड़िया चुग गई खेत अब पैछतावे का होए। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हमें उस गुस्से क्रोध के उस पल को काबू में रखने के मंत्र सीखने होंगे जो कि आसान है। सबसे पहले तो हमारी यह सब प्रतिशत कोशिश होनी चाहिए कि उस स्थिति को पैदा ही ना होने दें, जिसके कारण क्रोध या गुस्सा या आक्रोश उत्पन्न हो। परंतु यह भी उचित बात है कि, हम किसी भी परिस्थिति को कितना भी रोके, परंतु स्थिति उत्पन्न हो ही जाती है, या अन्य कोई यह स्थिति उत्पन्न कर ही देता है, तो ऐसी परिस्थिति में सबसे सरल मंत्र है उस परिस्थिति की हर बात, हर स्थिति को अत्यंत ही सहजता और सरलता से लें और गुस्से या क्रोध या आक्रोश को जगने से पहले ही तुरंत उसे समाप्त कर दें। उसके लिए सहजता व सरलता इन दो शब्दों या मंत्रों को गांठ बांध के रखना ही होगा। साथियों जब शरीर क्रोध के आवेग में काबू हो जाता है तो मनुष्य विचार शून्य हो जाता है. उसे कुछ भी सूझता नहीं है जैसे मुह में आया बोल दिया अथवा जो हाथ में आया उसे चला दिया जाता हैं. ऐसे करने से बाद में पछताने के सिवाय कुछ भी हाथ नहीं लगता हैं. यदि आप क्रोध को नियंत्रित नहीं कर पाते है तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है, यह आपके ब्लड प्रेशर को अधिक करने के साथ ही कई व्याधियों को जन्म भी दे सकता हैं क्रोध को कायरता की निशानी भी कहा जाता है, इसे स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक भी माना गया हैं. जिन्हें विभिन्न परिस्थितियों में धैर्य एवं साहस की कमी होती है वे क्रोधित होते हैं। यह संताप विकलता की दशा हैं. एक क्रुद्ध व्यक्ति के सोचने समझने और विचारने की शक्ति शून्य हो जाती हैं साथियों, मेरा ऐसा निजी मानना है कि जितनी भी विपरीत, हानिकारक, कष्टदाई परिस्थितियां उत्पन्न होती है, उसका मूल कारण गुस्सा, आक्रोश, क्रोध में उठाया गया हिंसात्मक कदम होता है, जिसकी परिणीति में उन विपरीत परिस्थितियों का जन्म होता है। और अगर उन परिस्थितियों, स्थितियों को फलने फूलने के लिए, कथित प्रोत्साहन मिला तो फिर विकराल रूप बन इंसान को सबसे बड़ा और खतरनाक प्राणी बना देता है, जिसे आज की स्थिति में अपराध के जगत का डॉन या कुख्यात अपराधी की संज्ञा दी जाती है। साथियों, हम अपने रूटीन जीवन के हर क्षण में काफी नजदीकी से देखते होंगे कि कोई भी टॉपिक में, किसी भी क्षेत्र में, किसी भी विषय में, बात तभी बिगड़ जाती है जब वहां तावबाजी अर्थात गुस्सा या क्रोध का जन्म होता है, और बात बढ़ कर कहासुनी, मारपीट, हत्या की कोशिश, हत्या, जखमी, घायल इत्यादि से पुलिस, जेल, और मामला अदालतों की दहलीज तक जा पहुंचती है। और सामाजिक-आर्थिक नैतिक, हानि, मानहानि अलग होती है।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में मधुर वाणी का प्रयोग करने से आपको लाभ मिलेगा और सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा।	**तुला** कार्यस्थल पर आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। इससे मन प्रसन्न रहेगा।
वृषभ आज कार्यक्षेत्र में आपको अपनी निर्णय लेने की क्षमता से लाभ प्राप्त हो सकता है।	**वृश्चिक** जिसका असर कार्यक्षेत्र में आपके कामकाज पर भी देखने को मिलेगा।
मिथुन आज आपको दिन में शरीर से जुड़ी किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।	**धनु** आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा।
कर्क आज व्यापार के मामले में दिन शुभ रहेगा और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।	**मकर** आज बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है, कुछ अनावश्यक खर्चे भी बढ़ सकते हैं।
सिंह आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। मानसिक तनाव और अशांति बनी रहने की संभावना है।	**कुंभ** आज व्यापार को लेकर मन में नई योजनाएं आ सकती हैं और इसे लेकर चर्चाएं भी होना संभव है।
कन्या आज कार्यक्षेत्र में आप साहसी फैसले लेंगे और कठिन कार्यों को भी आसानी पूरा कर लेंगे।	**मीन** आज समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है और मनोबल भी बढ़ेगा।

विशेष

आयोग के लिए बिहार का चुनाव सिर दर्द बना

बिहार विधानसभा का चुनाव नियमानुसार छठ पर्व के बाद होना है। छठ पर्व में बड़ी संख्या में सारे प्रदेशों से बिहार के लोग छठ पूजा मनाने के लिए आते हैं। ऐसी स्थिति में बिहार चुनाव के लिए तारीख तय करने में चुनाव आयोग को कई बार सोचना पड़ रहा है। सरकार यदि अपना कार्यकाल पूरा करेगी। चुनाव उस हिसाब से घोषित होंगे, तो भाजपा के लिए कठिनाई बढ़ सकती है। सघन मतदाता परीक्षण सूची को लेकर पहले ही चुनाव आयोग घिरा हुआ है। भाजपा और एनडीए गठबंधन के राजनीतिक दलों पर शक की सुई घूम रही है। ऐसी स्थिति में विधानसभा चुनाव कब कराया जाएं। इसको लेकर चुनाव आयोग असमंजस में है।

योगी का शक्ति प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन दोनों तरह-तरह से अपना शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी का आंतरिक संघर्ष बढ़ता ही जा रहा है। 75 साल पूरे होने पर यदि प्रधानमंत्री अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं। ऐसी स्थिति में यह संघर्ष और भी तेज हो सकता है। कांस्टीट्यूशन क्लब के चुनाव में भाजपा के अंदरूनी झगड़े की एक झलक दिखी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव और उपराष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर भाजपा के अंदर जो मार काट मची है। उसमें योगी जी अब अपनी ताकत का खुलकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में ठाकुर विधायकों की गोलबंदी तेज हो गई है। राजपूत सांसद भी खुलकर मैदान में आ रहे हैं। भगवान जाने आगे क्या होगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1649: तुर्की के सुल्तान इब्राहिम गद्दी से हटा दिए गए. 1708: ब्रिटिश फौजों ने सार्डीनिया पर कब्जा किया. 1800: लार्ड वेलेस्ली ने कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की. 1870: वेस्टर्न आस्ट्रेलिया में प्रतिनिधि सरकार का गठन हुआ था. 1896: फ्रांस ने मेडागास्कर पर अधिकार कर लिया था. 1900: श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित का जन्म. 1914: अमरीका ने प्रथम विश्व युद्ध में तटस्थ रहने की घोषणा की. 1920: ब्रिटिश और मिस्र के प्रतिनिधिमंडल ने मिस्र की स्वतंत्रता को मान्यता देने के बारे में विचार किया. 1939: सोवियत संघ और जर्मनी के बीच व्यापारिक समझौता हुआ था. 1945: नेताजी सुभाषचंद्र बोस विमान दुर्घटना में घायल हुए. 1968: जापान के होंशू द्वीप पर भूस्खलन में सौ से अधिक लोग मारे गए.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	सिंह	05.32 बजे से
चंद्र	वृष में	कन्या	07.48 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	09.59 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.13 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	14.29 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	16.35 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.21 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	19.54 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.24 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		वृष	23.04 बजे से
		मिथुन	01.03 बजे से
		कर्क	03.16 बजे से

2025 वर्ष का 230 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण तिथि दशमी 17.23 बजे को समाप्त। नक्षत्र मृगशीर्ष 02.06 बजे को रात समाप्त।
योग हर्षण 23.00 बजे को समाप्त।
करण वणिज 06.23 बजे, विष्टि 17.23 बजे तदनन्तर बव 04.26 बजे रात को समाप्त। चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 13° 05'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872440
जूलियन दिन 2460905.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 23

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभमध्य श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। - Jagruldaar.com, Bangalore

परिवार के सहयोग से ही तनावमुक्त रह सकते हैं लोको कर्मी : पांडेय

धनबाद, एजेंसी। रेलवे सामुदायिक भवन गोमो में मुख्य क्रू नियंत्रक एके पांडेय के देखरेख में रविवार को पारिवारिक संरक्षा संगोष्ठी आयोजित की गयी। इसका उद्देश्य लोको रनिंग कर्मियों को तनावमुक्त रखना तथा सुरक्षित रेल परिचालन कराना है। वक्ताओं ने लोको रनिंग कर्मियों के परिजनों से कहा कि परिवार के सहयोग से लोकोकर्मियों को तनाव मुक्त रखा जा सकता है। उन्होंने लोको रनिंग कर्मियों की पत्नियों से घर में तनावमुक्त माहौल बनाने की अपील की। कहा कि पति डयूटी जाने के बाद लंबे समय बाद घर वापस आते हैं। रेल आवास की हालत जर्जर है। प्रतिदिन समय पर जलापूर्ति नहीं होती है। बिजली की लचर व्यवस्था है। ऐसे में पति को उचित रेस्ट नहीं मिलता है। इसलिए घर में तनावमुक्त माहौल बनायें। श्री पांडेय ने वरीय अधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराकर समाधान कराने का भरोसा रेलकर्मियों के परिजनों को दिया। मौके पर चीफ लोको इंस्पेक्टर यूके सिंह, पीके सिन्हा, फूल कंवर, एमके पर्वत, भूषण पासवान, महेंद्र कुमार समेत करीब दो सौ लोग मौजूद थे।

सरायकेला के कांड्रा में बाइक ने महिला को मारी टक्कर

जमशेदपुर। सरायकेला-खरसावां जिले के कांड्रा थाना क्षेत्र में सोमवार को सड़क हादसा हुआ। कांड्रा थाना के पास सड़क पार कर रही एक महिला को बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे युवक की हालत गंभीर हो गई। बाइक (नंबर छ्व ।।05ष्ट ।।-8108) चला रहे युवक की पहचान दिनेश कुमार महतो के रूप में हुई है। वह नीमडीह थाना क्षेत्र के मुरुगडीह का रहने वाला है और अरका जैन यूनिवर्सिटी में कर्मचारी है। उसका कर्मचारी पहचान पत्र नंबर 496 है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दिनेश चौका से कांड्रा होते हुए कॉलेज जा रहा था। इसी दौरान उसने महिला को बचाने की कोशिश की, लेकिन संतुलन बिगड़ने से सड़क पर गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। हादसे में काफी खून बहा। घटना की सूचना पर कांड्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

83 के बदले अब 85 स्टेशन पर रुकेगी अलेप्पी एक्सप्रेस, रफ्तार भी होगी तेज

धनबाद, एजेंसी। एंबुलेंस ट्रेन के नाम से विख्यात धनबाद-अलेप्पी एक्सप्रेस को सुपरफास्ट का दर्जा देने की मांग उठती रही है। इसके उलट रेलवे इस ट्रेन के ठहराव वाले स्टेशन में बढ़ोतरी करती रही है। इस वर्ष ओडिशा के नोरला रोड स्टेशन पर फरवरी में ठहराव दिया गया। ओडिशा के अंबोडाला व थेरुबली में 14 अगस्त से ठहराव शुरू हुआ। अब तमिलनाडु के काटपाडी और जोलारपेट्टई के बीच गुडियत्तम व वाणियंबाड़ी में 20 अगस्त से ठहराव शुरू होगा। धनबाद से अलेप्पी के बीच अभी 83 स्टेशन पर ठहराव हो रहा है। दो नए स्टेशन पर ठहराव शुरू होने से अलेप्पी एक्सप्रेस का अब 85 स्टेशन पर ठहराव शुरू होगा। अलेप्पी एक्सप्रेस में यात्रियों के साथ बड़ी संख्या में मरीज इलाज कराने वेल्लूर जाते हैं। पिछले साल धनबाद से काटपाडी के बीच ठहराव वाले स्टेशन 62 थे। अब धनबाद से काटपाडी पहुंचने के लिए मरीजों को 65 स्टेशन पार करना पड़ रहा है। धनबाद-अलेप्पी एक्सप्रेस की रफ्तार बढ़ाने को दक्षिण रेलवे ने अपने क्षेत्र में मंजूरी दी है। जोलारपेट्टई से एर्नाकुलम तक इस ट्रेन की गति बढ़ेगी जिससे 10 से 25 मिनट तक पहले पहुंचेगी। यह बदलाव 29 सितंबर से केवल धनबाद से अलेप्पी जानेवाली ट्रेन में होगा। इससे वेल्लूर जानेवाले मरीजों को कोई लाभ नहीं होगा। कोयंबटूर से एर्नाकुलम तक थोड़ा पहले पहुंच सकेंगे।

बोकारो के नावाडीह में डकैती, परिवार को बंधक बनाकर लाखों की लूट

बेरमो (बोकारो), एजेंसी। बेरमो अनुमंडल क्षेत्र के नावाडीह थाना अंतर्गत मानपुर में रविवार रात को घरवालों को बंधक बनाकर भीषण डकैती की वारदात को अंजाम दिया गया है। इसमें लाखों की लूटपाट की बात बताई जा रही है। वारदात को अंजाम देर रात करीब 1 बजे अंजाम दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही नावाडीह थाना पुलिस पहुंची और छानबीन शुरू कर दी गई है। सोमवार सुबह घटनास्थल पर आला पुलिस अधिकारियों के साथ फोरेंसिक टीम भी पहुंची और आस-पास से नमूने एकत्रित किए। घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में सनसनी का माहौल है। बता दें कि इस तरह की घटना इसके आस-पास के क्षेत्रों में कई बार घट चुकी है लेकिन लंबे समय बाद तक भी इसके आरोपित पकड़े नहीं जा सके हैं। जानकारी के अनुसार नावाडीह के मानपुर में कोमल ट्रेडर्स के संचालक धानेश्वर साहू के आवास में हथियारबंद नकाबपोश अपराधी देर रात डकैती के लिए घुसे और लगभग पांच लाख नगद व पांच लाख रुपए के जेवरात की डकैती कर ली। जानकारी के अनुसार इस दौरान घर में मौजूद एक महिला को बंधक बनाकर लूटपाट की गई। सूचना मिलने पर बेरमो अंचल के पुलिस निरीक्षक नवल किशोर सिंह, नावाडीह थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी, सीआईडी की टीम खोजी कुत्ता के साथ पहुंच कर जांच कर रही है।

नागरिक सुविधाएं बढ़ाने पर टाटा स्टील की बड़ी योजना, वाइस प्रेसिडेंट ने की घोषणा

जमशेदपुर, एजेंसी। लीज समझौते के तहत टाटा स्टील के पास 45 वर्ग किलोमीटर का परिक्षेत्र है, लेकिन 65 वर्ग किलोमीटर (86 बस्ती, अब लगभग 125 बस्तियों) में कंपनी मूलभूत नागरिक सुविधाएं देंगी। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कारपोरेट सर्विसेज) डीबी सुंदरा रामम ने ध्वजारोहण के बाद पत्रकारों से नागरिक सुविधाओं पर बात की। उन्होंने कहा कि लीज नवीकरण को लेकर झारखंड सरकार से समन्वय स्थापित कर बातचीत की जा रही है जल्द ही नवीकरण पर सहमति बनेगी।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि कंपनी के पास जितना परिक्षेत्र है वह हमें वापस मिले। लेकिन अंतिम निर्णय सरकार लेगी। हमें जितना परिक्षेत्र मिलता है उस निर्णय का हम सम्मान करेंगे। लेकिन कंपनी कमांड एरिया से इतर भी हम सभी बस्तियों को मूलभूत सुविधाएं देंगे।

मालूम हो कि वर्ष 2005 में हुए लीज समझौते के तहत 86 बस्तयों के नाम पर 1789 एकड़ जमीन को नवीकरण से बाहर कर दिया गया था। अब कंपनी के पास लगभग 10 हजार एकड़ भू-भाग है। इसका लीज समझौता 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो जाएगा और इसके नवीकरण को लेकर जिला प्रशासन द्वारा अलग-अलग कमेटी बनाकर उस पर मंथन शुरू कर दिया गया है। वहीं, एक सवाल के जवाब में उन्होंने रात्रि पाली में महिला कर्मचारियों के काम करने की नियमावली में संशोधन के लिए राष्ट्रपति से लेकर झारखंड सरकार का आभार व्यक्त किया।

कहा कि इस निर्णय से कंपनी में कुल मैनपावर का 25 प्रतिशत महिला कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लक्ष्य को बल मिलेगा। पहले महिला कर्मचारी सुबह छह से शाम के छह बजे तक काम करती थी। अब रात से सुबह छह बजे तक भी काम कर पाएंगी। वहीं, ट्रंप टैरिफ पर कहा कि इसका भारतीय परिचालन पर कोई असर नहीं होगा, हां यूरोपीय आपरेशन पर जरूर प्रभाव पड़ेगा। इसके लिए टाटा स्टील आंतरिक व बाहरी प्रभावों को लेकर काम कर रही है। इसमें उत्पादन लागत कम करने से लेकर उत्पादकता बढ़ाने व डिजिटलाइजेशन पर काम किया जा रहा है।

इससे पहले उन्होंने सभी कर्मचारियों व शहरवासियों को संबोधित करते हुए देश के औद्योगिक नींव रखने में टाटा स्टील की भूमिका, डिजिटलाइजेशन, भविष्य के लिए एआइ तकनीक का इस्तेमाल सहित विभिन्न बिंदुओं पर अपने विचार रखे। मौके पर कंपनी के सभी वाइस प्रेसिडेंट, टाटा वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी व पूर्व अधिकारी उपस्थित थे।

ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने को बना रहा मास्टर प्लान

डीबी सुंदरा रामम ने बताया कि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए मास्टर प्लान बनाया जा रहा है ताकि व्यस्ततम सड़कों का चौड़ीकरण किया जा सके। वहीं, उन्होंने शहर में बढ़ती दुर्घटना पर चिंता जाहिर करते हुए शहरवासियों से जिम्मेदार नागरिक का परिचय देते हुए ट्रैफिक नियमों का अनुपालन करने की अपील की।

गढ़वा के गुरदी गांव में पुलिस पर हमला: 12 लोग हुए घायल, घरेलू विवाद में हंगामा

गढ़वा, एजेंसी। गढ़वा शहर से सटे गुरदी गांव में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक पारिवारिक विवाद में बंधक बनाए गए लोगों को छुड़ाने पहुंची पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। भीड़ ने न सिर्फ महिला के मायके पक्ष पर हमला किया, बल्कि पुलिस टीम को भी निशाना बनाया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि मामला मॉब लिंचिंग तक पहुंचने वाला था, लेकिन पुलिस की तत्परता और अतिरिक्त बल के समय पर पहुंचने से बड़ी वारदात टल गई। इस घटना में पुलिसकर्मियों और महिला के परिजनों सहित लगभग एक दर्जन लोग घायल हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, गुरदी गांव निवासी तकसीर खान (27 वर्ष) और उसकी पत्नी रकीबा खातून (22 वर्ष) के बीच शादी के कुछ साल बाद से ही विवाद चल रहा था। मामला न्यायालय तक पहुंचा, लेकिन बाद में समझौते के बाद तकसीर ने रकीबा से मिलना-जुलना शुरू कर दिया। शनिवार की रात तकसीर ने पत्नी के साथ मारपीट की, जिसके बाद रकीबा ने अपने मायके वालों को सूचना दी। रविवार सुबह रकीबा के पिता जाहिद आलम खान, भाई समीर खान, सैफ अली खान और मां सबील बीबी गुरदी पहुंचे और विवाद सुलझाने का प्रयास करने लगे।

बताया गया कि जब बातचीत चल रही थी इसी दौरान गांव के लोग वहां इकट्ठा हो गए और अचानक लड़की पक्ष पर हमला बोल दिया। रकीबा और उसके परिजन किसी तरह तकसीर के ही एक कमरे में छिप गए। लेकिन भीड़ ने उन्हें बाहर निकालने और आग के हवाले करने की कोशिश की। मामला लगातार गंभीर होता जा रहा था। इसी बीच गढ़वा पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना पर पुलिस अवर निरीक्षक इस्माइल आज़ाद, आरक्षी नवसे करकटा, बसंत उरांव और चालक हरेंद्र कुमार सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। लेकिन ग्रामीणों ने पुलिस टीम को भी घेरकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। स्थिति बेकाबू होती देख टीम ने थाना प्रभारी बृज कुमार को सूचना दी। कुछ ही देर में थाना प्रभारी अतिरिक्त बल के साथ पहुंचे तो ग्रामीण भाग खड़े हुए। इसके बाद पुलिस ने घायलों को सुरक्षित निकालकर गढ़वा सदर अस्पताल भेजा।

हमले में पुलिसकर्मियों सहित रकीबा खातून और उसके मायके पक्ष के कई सदस्य घायल हुए हैं। सभी घायलों का इलाज गढ़वा सदर अस्पताल में चल रहा है।

जन्माष्टमी पूजा के दौरान छात्रा को सांप ने डसा, इलाज के दौरान उसकी हुई मौत

पलामू, एजेंसी। पलामू के छतरपुर प्रखंड के ओकराहा गांव में जन्माष्टमी पूजा के दौरान एक दर्दनाक घटना हुई। गांव की 13 वर्षीय छात्रा आरती कुमारी को करैत सांप ने डस लिया। परिजन उसे इलाज के लिए मेदिनीनगर अस्पताल ले गए, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव और विद्यालय में शोक की लहर है।

आरती राजकीय उत्क्रमिक मध्य विद्यालय ओकराहा में सातवीं कक्षा की छात्रा थी। हाल ही में स्वतंत्रता दिवस पर उसने भारत माता का रूप धारण कर तिरंगा थामा था। चार भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। वह पढ़ाई, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहती थी। विद्यालय की प्रधानाध्यापक रौशन आरा ने बताया कि आरती मेधावी, संस्कारी और आज्ञाकारी छात्रा थी। स्कूल में सभी शिक्षक और बच्चे उससे बेहद स्नेह करते थे।

पिता रविंद्र ठाकुर ने बताया कि घर के पास पेड़ के नीचे महिलाएं जन्माष्टमी की पूजा कर रही थीं। तभी करैत सांप ने आरती को डस लिया। शुरू में उसे लगा कि मकड़ी ने काटा है, लेकिन कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। तभी महिलाओं ने सांप को देख लिया और उसे मार डाला। अचानक हुई इस घटना से परिवार और ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

धनबाद में दो दिनों तक लैब में पड़ा रहा सैंपल, जिंदगी-मौत से अस्पताल में जूझती रही बच्ची

धनबाद, एजेंसी। जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) से 9 वर्षीय सोनम कुमारी को लेकर एसएनएमएमसीएच की इलाज को लेकर बड़ी उदासीनता सामने आई है। दो दिनों तक बच्ची का सैंपल अस्पताल के लैबोट्री में पड़ा रहा। लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। दूसरी ओर, जेई का असर बच्ची पर धीरे-धीरे असर करता गया। मस्तिष्क पर अहरा असर हुआ और वह अचेत हो गई।

जांच देने में ही लगभग तीन दिन लगा दिए गए, जिससे बच्ची का समय पर उचित इलाज नहीं हो पाया। आखिरकार 15 अगस्त को सोनम की जान चली गई। बताया जाता है कि आठ अगस्त को शाम चार बजे सोनम का सैंपल जांच के लिए लिया गया था। दूसरे दिन (9 अगस्त को राजकीय अवकाश) और 10 को रविवार था। ऐसे में सैंपल देकर चिकित्सक व कर्मी भी बेपरवाह हो गए। रिपोर्ट 12 बजे तक मरीज के पास पहुंचा। तब तक सोनम की स्थिति और खराब हो गई थी।

सोनम का इलाज एसएनएमएमसीएच के शिशु रोग विभाग में हो रहा था। माइक्रोबायोलॉजी विभाग में जांच के लिए सैंपल आने पर मरीज के स्थिति के बारे में शिशु रोग विभाग के चिकित्सकों ने अवगत नहीं कराया था। ऐसे मरीजों के लिए पर्ची पर अर्जेंट लिखा जाता है, लेकिन सोनम के केस में गंभीरता का कोई जिक्र नहीं था। ऐसे में किसी ने सैंपल की गंभीरता को भी नहीं समझा। बताया गया कि लैबोट्री में पहली बार जेई की जांच भी शुरू हुई थी और पहली जांच रिपोर्ट ही पॉजिटिव आ गई। उदासीनता पर अब अधिकारी एक दूसरे पर फेंका-फेंकी कर रहे हैं।

पांच अगस्त को अचानक बच्ची की तबीयत खराब हो गई। दूसरे दिन मस्तिष्क का दौरा पड़ने लगा। सोनम अचेत हो गई। घर वाले किसी तरह इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच ले गए। यहां चिकित्सकों ने जांच कर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर दिया। सात को रिम्स लेकर स्वजन चले गए। रिम्स में एक दिन रखा गया, इसके बाद चिकित्सकों ने फिर एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया। 8 अगस्त को पुन: बच्ची को लेकर एसएनएमएमसीएच पहुंचे। स्थिति को देख डॉक्टरों ने बच्ची को भर्ती कर लिया गया। इसी दिन जेई की जांच के लिए सैंपल लिए गए। लेकिन सैंपल आने में 12 अगस्त लग गए। अंतत: 15 अगस्त को दिन के 10 बजे बच्ची की मौत हो गई।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जेई टीकाकरण अभियान चलाए जा रहे हैं। लेकिन सोनम के पिता संजय राम ने टीका नहीं लगाया था। अब ऐसे इलाकों में विभाग सर्वे कर रहा है। लोगों को जागरूक करके बच्चों को टीका से जोड़ा जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी संज्ञान लिया है।

बोकारो के किसान विनोद बिहारी महतो खेती, बागवानी, मछली पालन से कमा रहे लाखों

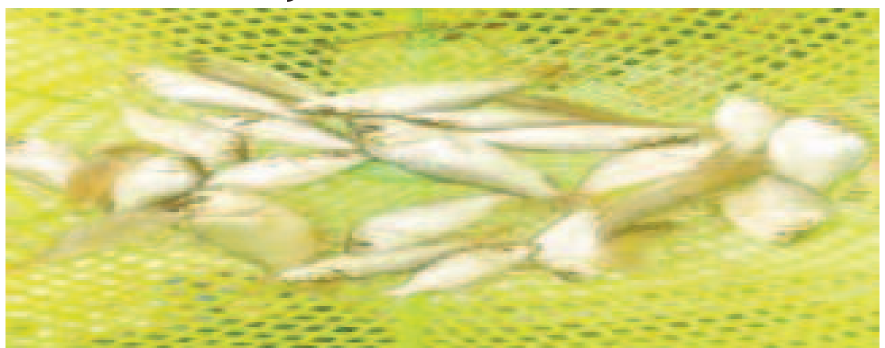

बोकारो, एजेंसी। बोकारो मैं पहले 6 एकड़ में धान, गेहूं सब्जी की पारंपरिक खेती कर करता था। आज ऑप्शनल खेती आम-अमरुद बागवानी के साथ-साथ मछली व बत्तख पालन से सालाना 7 लाख 50 हजार रुपए तक की आमदनी कर रहा हूं। 2013 में मुझे दो दिनों के लिए गुजरात अहमदाबाद जाकर कृषि-बागवानी से जुड़े प्रशिक्षण में हिस्सा लेने का मौका।

उसके बाद से मैंने व्यवसायिक सोच के साथ खेती-बागवानी शुरू की। 5 साल पहले कोरोनाकाल में अपनी 6 एकड़ बंजर जमीन पर आम की बागवानी की। जमीन की उर्वरता बढ़ाने के लिए मैंने कृषि विशेषज्ञों की राय ली। इसके बाद दो तालाब का निर्माण करवाया। मछलियों का बीज तैयार कर जिला के विभिन्न प्रखंडों में सप्लाई करने लगा। पहले 2 क्विंटल मछली का जीरा उत्पादन करता था। अब उसे बढ़ाकर 5 क्विंटल कर दिया। कुछ मछली का जीरा अपने तालाब में डालकर मछली पालन करता हूं। इससे लाखों की कमाई की रास्ता खुल गया। 5 साल में कृषि के कार्य से जुड़कर मासिक आय करीब 60 हजार रुपए कर लिया। आम बागवानी से सालाना 60 हजार रुपए, मछली के जीरा व मछली उत्पादन से 6 लाख, बत्तख पालन से 50 हजार का सालाना आय अर्जित कर रहा हूं। मुझे देखकर कई लोग अब बागवानी के साथ मछली व बत्तख पालन कर रहे हैं।

गांव से ही मछली का जीरा लेकर बाबू टोला के मिथिलेश महाराज, मनोरंजन महाराज, जिलिंग टांड़ के मुरलीधर सिंह व रतन सिंह, टोंन्ड्रा निवासी पूर्व वार्ड सदस्य हीरालाल महतो समेत 20 किसान ने मछली पालन शुरू किया। बाधागोड़ा टोला के 6 किसान सुशील मांझी, भोला सोरेन, जूना सोरेन आदि 2022 में 10 एकड़ में आम की बागवानी की। भस्की जिलिंग टांड़ निवासी काशीनाथ सिंह व उनके भाई पवन सिंह ने भी 2023 में 5 एकड़ में आम बागवानी की।

खेती में प्रयोग और व्यवसायिक दृष्टि के कारण मुझे एक उत्कृष्ट किसान के रूप में रांची कृषि विश्वविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय और आरसीटी चास से पुरस्कृत भी किया जा चुका है। इसके अलावे में आसपास के लोगों को अपने अनुभवों उनका सहयोग करता हूं।

मां मनसा की पूजा में अनोखी परंपरा:पाकुड़ में सैकड़ों भक्तों ने जलते अंगारों पर चलकर की आराधना

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के बागतीपाड़ा में रविवार को सैकड़ों वर्षों पुरानी परंपरा के तहत मां मनसा की विशेष पूजा का आयोजन किया गया। इस पूजा की सबसे अनोखी झलक तब देखने को मिली, जब भक्तों ने जलते अंगारों पर चलकर अपनी श्रद्धा प्रकट की। बारिश के बावजूद लोगों की आस्था डगमगाई नहीं और सुबह से ही मंदिर प्रांगण में भारी भीड़ उमड़ी रही।

पूजा का शुभारंभ पुजारी राजू राय, रतन राय और कार्तिक राय ने तालाब में स्नान के साथ किया। इसके बाद वे घर-घर जाकर विशेष अनुष्ठान करते हुए मंदिर पहुंचे। तय विधि-विधान के अनुसार मां मनसा की आराधना शुरू हुई और मंदिर परिसर में जलते अंगारों पर चलकर पूजा संपन्न की गई। पूजा के दौरान केवल पुजारियों ने ही नहीं, बल्कि सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भी जलते अंगारों पर चलकर मां मनसा के प्रति अपनी भक्ति प्रदर्शित की। ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक से लोग मंदिर पहुंचे। लगातार हो रही बारिश में भी भक्तों की श्रद्धा और उत्साह में कोई कमी नहीं आई।

पूजा समिति ने भक्तों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए थे। समिति के सदस्यों ने बताया कि मां मनसा को सांपों की देवी माना जाता है और उनकी पूजा से सर्पदंश का भय दूर होता है। यही कारण है कि यह परंपरा हर साल बड़ी श्रद्धा और धूमधाम से निभाई जाती है। पूजा के अवसर पर बागतीपाड़ा में मेले का भी आयोजन किया गया। मेले में बच्चों ने झूले, खाने-पीने और खिलौनों का खूब आनंद लिया।

अखिल भारतीय वितरक महासम्मेलन में हुआ 22 राज्यों के वितरक बंधुओं का जुटान

धनबाद, एजेंसी। राष्ट्रीय वितरक महामंच व समाचार पत्र विक्रेता समिति धनबाद की ओर से शनिवार को हीरक रोड स्थित बुद्धा पैलेस में अखिल भारतीय वितरक महासम्मेलन की शुरुआत हुई। दो दिवसीय महासम्मेलन में देश के 22 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के वितरक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए महासम्मेलन के मुख्य अतिथि हब इंडिया समूह के प्रबंधक पंकज कुमार ने अखबार वितरकों को हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।

विशेष अतिथि सांसद ढुलू महतो ने सभी को आश्वस्त किया कि वर्षों से सरकार से कल्याणकारी सुविधाओं की बाट जोह रहा अखबार वितरक समाज की आवाज को संबंधित केंद्रीय मंत्रियों, गृहमंत्री भारत सरकार व सदन के पटल पर रख कर सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलायेंगे। सम्मेलन में बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल झरिया विधायक रागिनी सिंह ने देश के अलग-अलग प्रांतों से आये वितरक प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किये बगैर वर्षों से अखबार वितरण से जुड़े लोगों की आवाज को विधानसभा पटल पर प्रमुखता के साथ रखकर सरकार से उनके वाजिब हक दिलाये जायेंगे।

सम्मेलन में सभी प्रेस संस्थानों के अधिकारियों ने अखबार वितरकों से प्रिंट मीडिया के भविष्य पर चर्चा करते हुए भविष्य के लिए वितरकों के साथ अखबार बढ़ाने, वितरकों के आर्थिक संपन्नता के लिए विभिन्न योजनाओं पर वितरकों के साथ मिलकर काम करने पर सहमति जतायी। इसमें देश के 22 राज्य के वितरक का आगमन झारखंड राज्य के धनबाद में हुआ है। प्रिंट मीडिया पर पाठक का विश्वास बना हुआ है। उन्होंने अखबार वितरकों को हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रांतों के वितरक प्रतिनिधियों ने भी अपने अपने विचार रखे और एक स्वर में वितरक एकत्रीकरण व पहले से

तय 12 सूत्रीय मांगों को जमीनी स्तर पर उठाने और उन्हें लागू करने की बात की। राष्ट्रीय वितरक महामंच के अध्यक्ष राम रक्षा सिंह ने पूरे देश के अखबार वितरकों से एकजुट होकर मांगों के लिए संगठित होने का आह्वान किया।

मौके पर उत्तर प्रदेश राज्य के गोरखपुर से रामश्रेष्ठ पासवान, पंकज शर्मा, प्रयागराज से भोला अवस्थी, अनिल मिश्रा, रामकैलाश यादव, मोहम्मद अहमद, राहुल कुमार, अविनाश शुक्ला, लवकुश, मऊ से मनोज कुमार वाराणसी से सतीश प्रसाद, श्यामदेव, सुनील मिश्रा, चंद्रभान यादव, बबलू चौहान, राहुल गिरी, मथुरा से राकेश सैनी, बांदा से महेश प्रजापति, शिवानी गौतम, कानपुर से विनोद अग्रवाल, लखनऊ से रामस्वरूप, छोटेलाल यादव, बलिया से रामनाथ प्रजापति, आगरा से चेतन वर्मा, मुगलसराय से विजय जायसवाल, महाराष्ट्र के वर्धा से सुनील पाटणकर, दिनेश राउत, मोहन गडीकर, गोंदिया से दिनेश यूके, प्रमोद मोथर, राजेश वैध, चंद्रपुर से विनोद पनासे, छत्तीसगढ़ के कोरबा से पदम सिंह चंदेल, विपेंद्र साहू, बिलासपुर से जीशान खान, राजेश्वर कश्यप, तेलंगाना से वी सत्यम, वी रवि, पी राजू, युम्मा रमेश, कलवाना राजेशम, कर्नाटक से शंकर कुंदरी मोती, शंकर गुरुकंगलम, गोपाल इंजनम, विनायक बाड़ी, पंजाब से अजय कुमार, मध्यप्रदेश के भोपाल नरेश यादव, बालाघाट से शरद नांदे, राजस्थान के कोटा से बादल राठौर, वीरेंद्र गौतम, कमल शर्मा, जगदीश मेहरा, अजमेर से अश्वनी बाजपेई, ओमप्रकाश कुशवाह, बिहार पटना से आशीष शंभू, अरुण कुमार वर्मा, संजय, भागलपुर से डॉ राकेश कुमार, गौतम कुमार, सुशांत रंजन, सोनू शर्मा, ब्रजेश कुमार सिंह, अभिकर्ता राजीव कुमार, रंजीत ठाकुर, श्रीलाल दास, मुकेश कुमार, सूरज कुमार, गया से विमलेश, अनिरुद्ध, विनोद, ध्रुव राज पंडित, विनोद ठाकुर, धर्मेन्द्र प्रजापति, मुजफ्फरपुर से हरेंद्र पटेल, अजय कुमार, विनय कुशवाहा, केरल से पीके सतार, चे कुट्टी, सी अबुबकर, बंगाल से विष्णु सिंह, झारखंड से रिंकू वर्मा, कुश पांडेय, गंगा प्रसाद, गोपाल साहू, अनिल साहू, अनुज साहू, राजेश रजक, श्रीकांत कुमार, सुधीर ठाकुर, साहुल सिंह, गौतम तिवारी, चिंटू वर्मा, हीरा पंडित, राम नाथ तिवारी, राजकुमार, ऋषि, कर्नाटक राज्य अध्यक्ष शंभु लिंगम व राष्ट्रीय वितरक महामंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम रक्षा सिंह, मथुरा से महामंच के संरक्षक सदस्य राकेश सैनी, चंडीगढ़ से पंकज भट्ट, धनबाद समाचार पत्र विक्रेता समिति के अध्यक्ष यदुनाथ मंडल व संगठन सचिव अंकुर मंडल प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित हुए। अब्दुल कलाम व राकेश पांडेय, विनोद सिन्हा सहित देश के विभिन्न प्रांतों के असमय दिवंगत हुए वितरक साथियों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सम्मेलन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अब्दुल कलाम, राकेश पांडेय सहित देश के विभिन्न प्रांतों के वितरक साथियों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

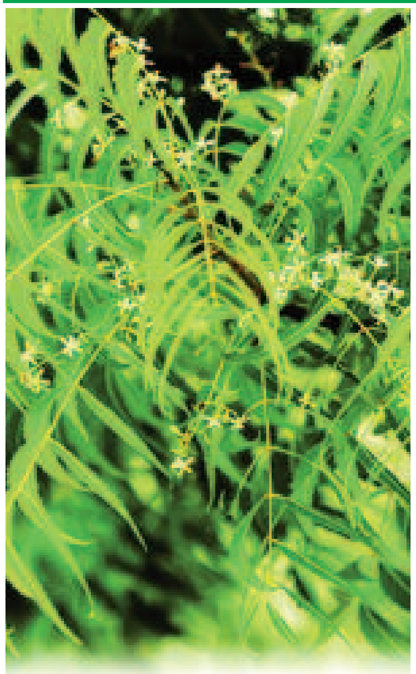

सिर्फ मच्छर की वजह से घर में पौधे नहीं लगाना उचित नहीं

अक्सर घर को डेकोर करने के लिए कई तरह के पौधे लगाएं जाते हैं लेकिन कई बार इसलिए भी नहीं लगाते हैं क्योंकि मच्छर होने लगते हैं। हालांकि घर में पौधे लगाने से ताजगी बनी रहती है। फ्रेश ऑक्सीजन का प्रभाव घर में होता है। घर में भी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। लेकिन सिर्फ मच्छर की वजह से घर में पौधे नहीं लगाना उचित नहीं है। तो आइए जानते हैं कि आप घर में किस तरह के पौधे लगा सकते हैं जिससे मच्छर नहीं होंगे-

- **नीम**- इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से विभिन्न प्रकार के कीड़ें भाग जाते हैं। इसलिए आप इसे लगा सकते हैं। घर पर इसे लगाते हैं तो कई सारे फायदे भी आपको मिलते रहेंगे।
- **मिंट**- मिंट की खूशबू ही बहुत अच्छी होती है। इसमें मौजूद गुण मच्छरों और मक्खियों को दूर भगाते हैं। इस पौधे को आप घर में कहीं भी लगा सकते हैं। इसकी खूशबू से ताजगी बनी रहती है।
- **यूक्लेप्टस**- इसमें मौजूद तत्व कई मच्छर, मक्खी और कीड़ों के दुश्मन है। इसलिए आप यह पेड़ आसानी से लगा सकती है।
- **लेमन ग्रास**- इस पौधे में मौजूद गुण सिस्ट्रोनेला ग्रास की नस्ल की तरह है। इससे यह पौधा मच्छर भगाने में मदद करता है। साथ ही इसका उपयोग खाने में और चाय बनाने में भी किया जाता है। जी हां, इसकी चाय पीना काफी पसंद करते हैं।
- **तुलसी**- तुलसी का पौधा आंगन में लगाया जाता है। यह घर की समृद्धि में अहम है तो मनुष्य के स्वास्थ्य में लाभदायक। इसमें मौजूद प्राकृतिक गुण मच्छरों को दूर भगाता है। इतना ही नहीं इसकी खूशबू से चींटिया और छोटे-मोटे कीड़ें भी आसपास नहीं आते हैं।

नए रिश्ते की शुरूआत में गलतफहमियों से बचें

जब एक जोड़ा शादी के बंधन में बंधता है तो उसके मन में एक अजीब सा उत्साह होता है। अपने नए रिश्ते और जीवन में आए बदलाव को लेकर बहुत सी खुशियां व सपने उसकी आंखों में होते हैं। इतना ही नहीं, अपने पार्टनर को लेकर एक छवि पहले से ही उनके मन में होती है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि इसी अति उत्साह के चलते वह कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उनके रिश्ते पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कभी-कभी तो यही गलतियां उनके रिश्ते की शुरूआत में ही उनके बीच समस्या पैदा कर देती हैं। जिसकी भरपाई बाद में भी कर पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर नए रिश्ते की शुरूआत में ही गलतफहमियां या खटास आ जाए तो ऐसे में ताउम्र उनके बीच खींच-तान बनी रहती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें किसी भी कपल को शादी के बाद शुरूआती दिनों में करने से बचना चाहिए-

परफेक्शन की चाहत रखना

हो सकता है कि आपको हर काम सलीके से करने की आदत हो या फिर आप एक आर्गेनाइज्ड जीवन जीना पसंद करते हों। लेकिन आपके पार्टनर का भी स्वभाव ऐसा ही हो, यह जरूरी नहीं है। आपको यह समझना होगा कि आपके और आपके पार्टनर दोनों अलग माहौल में पले-बढ़े हैं और दोनों का स्वभाव अलग है। इसलिए, शादी के तुरंत बाद ही अपने पार्टनर से परफेक्शन की चाहत रखना या फिर उसे अपने ही सांचे में ढालने का प्रयास करना आपके बीच तनाव पैदा कर सकता है। बेहतर होगा कि आप दोनों ही पहले एक-दूसरे के स्वभाव, आदतों व रहन-सहन को समझें और फिर उसके बाद तालमेल बिठाने का प्रयास करें।

जरूरत से ज्यादा उम्मीदें करना

यह भी एक ऐसी मिसटेक है, जो शादी के बाद कपल्स में देखी जाती है। दरअसल, कपल्स की शादी के बाद अपने पार्टनर से उम्मीदें काफी हद तक बढ़ जाती हैं। वह सोचते हैं कि पार्टनर हर दिन उन्हें बाहर लेकर जाएगा या फिर वह ढेर सारा वक्त साथ बिताएंगे या फिर उनका पार्टनर उन्हें तरह-तरह के तोहफे देगा। हालांकि, किसी भी व्यक्ति के लिए हर दिन ऐसा करना संभव नहीं होता है, जिससे समस्या होती है। वहीं, अगर कोई व्यक्ति अपने पार्टनर के लिए ऐसा करता भी है, तो भी बाद में उनके रिश्ते में खटास आ जाती है।

दरअसल, एक समय के बाद व्यक्ति अपने रोजमर्रा की लाइफ जीने लगता है और फिर पार्टनर को उतना पैम्पर नहीं कर पाता है, जिससे उनके बीच झगड़े बढ़ते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि शादी के शुरूआती दिनों में ही आप अपनी फाइनेंशियल कंडीशन से लेकर काम की व्यस्तताओं और स्वभाव के बारे में अपने पार्टनर से चर्चा करें।

परिवार के बीच बैलेंस ना कर पाना

अक्सर यह देखने में आता है कि व्यक्ति शादी के बाद भी पहले की तरह ही अपना जीवन बिताने की कोशिश करता है, जिससे उसके पार्टनर को उपेक्षित महसूस होता है और संबंधों में खटास महसूस होती है। यहां आपको यह समझना चाहिए कि एक सिंगल व्यक्ति के रूप में और कपल के रूप में आपकी प्राथमिकताएं अलग होती है। आपको शादी के बाद अपने परिवार व पार्टनर के बीच बैलेंस करना बेहद आवश्यक है। इस समय आपकी पहली प्राथमिकता आपका जीवनसाथी और नया जीवन है जिसे आपको अभी संवारना है। हालांकि, यहां इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप अपने परिवार को बिल्कुल अनेदखा कर दें। बस आपको अपने पार्टनर को कुछ वक्त अलग से देने की आवश्यकता होगी, जो सिर्फ आप दोनों के लिए ही हो।

दूसरों से बात करने में होती है हिचकिचाहट तो अपनाएं ये टिप्स

आज के दौर में बहुत ज्यादा हिचकिचाहट निजी लाइफ और करियर के लिए गंभीर समस्या है, जब हम किसी से भी बातचीत करते हैं और बोलते समय हिचकिचाते हैं, तो हमारी इमेज खराब होने का डर रहता है और हम अपना आत्मविश्वास खो देते हैं। साथ ही, सबसे पहले हमें समझना होगा कि हिचकिचाहट क्या होती है? जब हम किसी से बात करते हैं और उनके सवालों का जवाब जानते हुए भी जवाब नहीं दे पाते हैं या गलत जवाब के डर से चुपचाप रहते हैं तो उसे हिचकिचाहट कहते हैं। ये समस्या कई लोगों में होती है, जिसका नतीजा होता है कि हमारे हक की चीजें किसी दूसरे को मिल जाती हैं और हम सोच-सोचकर परेशान होते रहते हैं कि क्या करना चाहिए। अगर आपको भी दूसरों से बोलने में हिचकिचाहट होती है तो घबराएं नहीं, हम आपके के लिए इस आर्टिकल कुछ ऐसे टिप्स लाएं है, जिसको फॉलो कर आप अपनी समस्या को दूर कर पाएंगे।

खुद पर करें विश्वास

हिचकिचाहट को दूर करने के लिए सबसे जरूरी है कि खुद पर विश्वास करना। अगर आपको किसी से बात करने की जरूरत है तो आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि आप कैसे बात करेंगा? जवाब में क्या आएगा और वो आपके बारे में क्या सोचेंगे? आपको अपने आप पर विश्वास रखना चाहिए और डर पर काबू पाकर खुद को भरोसा दिलाएं कि आप अपनी बात दूसरों के सामने अच्छी तरीके से रख पाएंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास बना रहेगा।

जानकारी प्राप्त करें

जब हम किसी से बात करते हैं तो हिचकिचाहट सबसे ज्यादा उस समय पैदा होती है, जब बातचीत के दौरान हमारे पास उस विषय के बारे में जानकारी की कमी होती है। इसलिए अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए ज्यादा से ज्यादा किताबें पढ़नी चाहिए। याद रखें कि जिस भी विषय पर आप बात करने वाले हैं, उस पर ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटा लें, जिससे आपको अपनी बात रखने में हिचकिचाहट नहीं होगी।

हमेशा प्रैक्टिस करें

हर काम को सही तरीके करने के लिए प्रैक्टिस बहुत जरूरी होती है, जिससे आपका हुनर निखरता है। इसी तरह हिचकिचाहट को दूर करने के लिए बोलने की प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, लेकिन सवाल उठता है कि इस भागदौड़ वाली जिंदगी में किस के साथ बातचीत करें? तो आप शीशे के सामने खड़े होकर सोचें की शीशे के सामने कोई खड़ा है और ज्यादा से ज्यादा रोज बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। जिससे आपको कुछ दिनों में महसूस होगा कि आप अपनी बात दूसरे के सामने आसानी से रख पा रहे हैं।

चेहरे पर मुस्कान रखें

चेहरे पर मुस्कान रखना जीवन शैली में जरूरी है, क्योंकि इसका असर हमारी बातचीत पर पड़ता है। अगर आप किसी से बातचीत कर रहे हैं तो चेहरे पर मुस्कान रखें। जिससे आप बिना हिचकिचाहट के आसानी से बात कंप्लीट कर लेंगे। चेहरे पर मुस्कान से मानसिक तनाव कम होने के साथ-साथ आपके अंदर बोलने का आत्मविश्वास बढ़ता है।

पॉजिटिव सोच

पॉजिटिव सोचना जीवन में बहुत जरूरी होता है, क्योंकि पॉजिटिव सोचने से आत्मविश्वास बढ़ता है, यही कारण है कि आप धीरे-धीरे खुद बात करने में माहिर होने लगते हैं। अगर आप पॉजिटिव सोच रखते है तो आपको नर्वस फील नहीं होगा और बिना हिचकिचाहट के दूसरे के आसानी के बात रख सकते हैं। और आप खुद में बदलाव देखेंगे कि किसी सोशल मौके पर आपको घबराहट नहीं हो रही है। अगर आपको बोलते समय हिचकिचाहट होती है तो ये टिप्स को फॉलो करने की कोशिश करें और अगर फिर भी समस्या होती है तो किसी एक्सपर्ट से बात जरूर करें।

पुरानी मैगजीन की मदद से किचन की सजावट के लिए बनाएं ये चीजें

आजकल लोग अपने घर में ओपन किचन थीम रखना पसंद करते है। इससे आपके हॉल में बैठा गेस्ट आपके किचन को देख सकता है। अगर आप भी अपने किचन की सजावट करना चाहती हैं तो आपको हम बताएंगे कि आप कैसे पुरानी मैगजीन की सहायता से अपने किचन की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

वॉल डेकोर

कीचन की सजावट करने के लिए आपको सबसे पहले किचन के वॉल को सजाना होगा। अगर आपका वॉल डेकोर नहीं होगा तो यह आपके घर के लुक को फीका कर सकता है। ऐसे में आपको पुराने कार्ड बोर्ड की जरूरत होगी और ग्लू की भी। आपको मैगजीन से तीन स्क्वायर शेप का पेपर कट करना होगा। इसे पुराने कार्ड बोर्ड पर चिपका देना है। अब आप इसे अपने कीचन के वॉलपेपर हैंग कर सकते हैं। इससे आपके कीचन का वॉल खराब भी नहीं होगा और यह देखने में खूबसूरत भी लगेगा।

वॉल पर करें पेंटिंग

अगर आपको पेंटिंग करने का शोक है तो आपको अपने घर के वॉल पर पेंटिंग करना चाहिए। जी हां, आप वाटर कलर की मदद से अपने कीचन के दीवार पर कुछ खास पीने का चित्र तैयार कर सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। वाटर कलर की मदद से आपको कुछ फल या सब्जी का फोटो बना दे। इसके बाद आपको मिरर फ्रेम तैयार करना चाहिए। इसके

लिए आपको पुराना फ्रेम लेना है और उसमें मैगजीन को काटकर फोटो की तरह लगा देना है। साइज का ध्यान जरूर रखें। इसके बाद आपका वॉल बनकर तैयार हो गया है।

वॉल डेकोर के लिए फूल बनाएं

अगर आपको एक्स्ट्रा एक्टिविटी करना है तो आपको अपने वॉल डेकोर के लिए दीवार पर फूल बनाना होगा। यह देखने में खूबसूरत लगता है और इसे आप चाहे तो पुरानी मैगजीन की मदद से बना सकती है। इसे बनाना काफी आसान है। इसके लिए आपको कुछ मैगजीन के पन्ने को काटना होगा। फिर इसकी मदद से आपको फूल बनाना होगा। इसे अलग- अलग जगह आप ग्लू की मदद से चिपका सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

फेमस होने के लिए लड़ते हैं गुस्सैल बच्चे

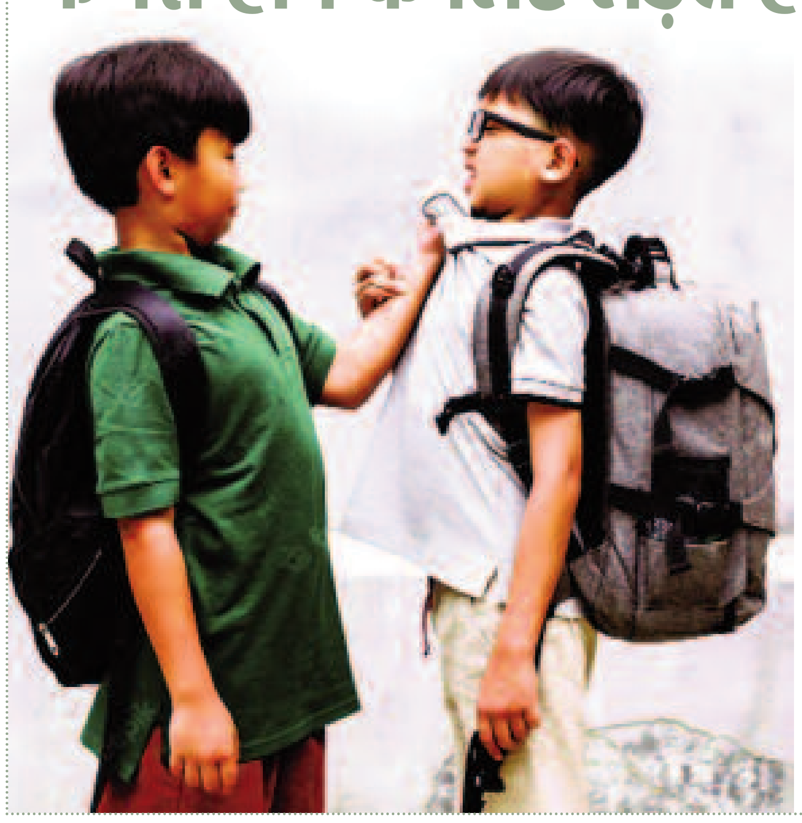

एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि बच्चे समूह में अपनी स्थिति को मजबूत करने और अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए सहपाठियों के साथ अक्सर लड़ाई-झगड़े करते हैं। इस अध्ययन के निष्कर्ष में प्रकाशित हुए हैं।

शोधकर्ताओं ने बताया कि अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला है कि छात्रों की आक्रामकता और उनकी लोकप्रियता में वृद्धि के एक साथ जुड़े थे। विशेष रूप से उन बच्चों के लिए जिनकी साथियों के साथ लगातार असहमति की सूचना थी। एफएयू के चार्ल्स ई.श्मिट कॉलेज में मनोविज्ञान के वरिष्ठ लेखक और प्रोफेसर ब्रेट लॉरसन ने कहा, हालांकि हमें लगता है कि यह संभावना नहीं है कि केवल विवाद ही लोकप्रियता का आधार है। इसके पीछे और भी कारण होते हैं,लेकिन विवाद के पीछे लोकप्रिय होने की सोच भी काफी मायने रखती है। उन्होंने कहा, आक्रामक बच्चे जो अक्सर लड़ते हैं, उन्हें हमेशा जबरदस्ती सहारा लेने की आवश्यकता नहीं होती है। उनका केवल अप्रिय व्यवहार की संभावना दूसरे छात्रों को उनकी बात मानने पर मजबूर कर देता है। यह अध्ययन फ्लोरिडा के आठ से 12 वर्ष की आयु वाले प्रतिभागियों के बीच किया गया, जो एक प्राथमिक विद्यालय में भाग ले रहे थे। शोधकर्ताओं ने कहा, गुस्सैल बच्चों के लिए उनका व्यवहार समूहों में काफी प्रभावकारी होता है। ऐसे बच्चों की बात को मना करने के लिए अन्य बच्चे जोखिम नहीं उठाना चाहते क्योंकि उन्हें बुरे परिणाम की संभावना होती है। शोधकर्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि यह एक प्रभावी उपकरण हो सकता है, जो विशिष्ट विशेषताओं को बढ़ाता है। ब्रेट ने कहा, हम यह दावा नहीं करते हैं कि इस तरह से इस्तेमाल की गई रणनीति हमेशा भलाई के लिए एक स्वस्थ मार्ग प्रस्तुत करते हैं। बल्कि संघर्ष के परिणाम संदर्भ, उद्देश्यों और इसे प्रबंधित करने के तरीकों पर निर्भर करते हैं। हम दावा करते हैं कि असहमति एक कुशल सामाजिक रणनीति हो सकती है, जो प्रभुत्व में जबरदस्ती के निहित खतरे का लाभ उठाती है।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

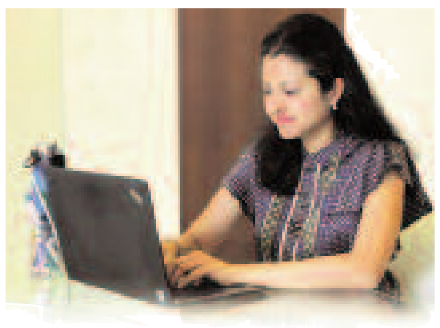

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं। आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

भारत के लिए वरदान बना ट्रंप का टैरिफ!

कुल एक्सपोर्ट की तुलना में अमेरिका को 7 गुना बढ़ गया निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसका असर आने वाले दिनों में दिखाई देगा। लेकिन अप्रैल-जुलाई के दौरान भारत से अमेरिका को एक्सपोर्ट देश के कुल निर्यात की तुलना में सात गुना बढ़ गया। कॉमर्स डिपार्टमेंट के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जुलाई के दौरान अमेरिका को गुड्स का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 33.5 अरब हो गया जबकि इस दौरान देश का कुल निर्यात 3 प्रतिशत बढ़कर 149.2 अरब रहा। भारत के कुल निर्यात का 22 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को जाता है जिस पर 50 प्रतिशत टैरिफ का खतरा मंडरा रहा है।

इसमें 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ और 25 प्रतिशत रूसी तेल की खरीद पर अतिरिक्त टैरिफ है। यह 27 अगस्त से लागू होगा। हालांकि अमेरिका को एक्सपोर्ट में तेजी ने निर्यातकों को कुछ राहत दी है। अब वे 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगने की स्थिति में अमेरिकी खरीदारों को कुछ छूट दे सकते हैं। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद के अध्यक्ष सुधीर सेखरी ने कहा, हमने पिछले एक हफ्ते के दौरान खरीदारों से बात की है। पुराने खरीदारों के मामले में हम ट्रेड को बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त छूट देने पर विचार कर रहे हैं।

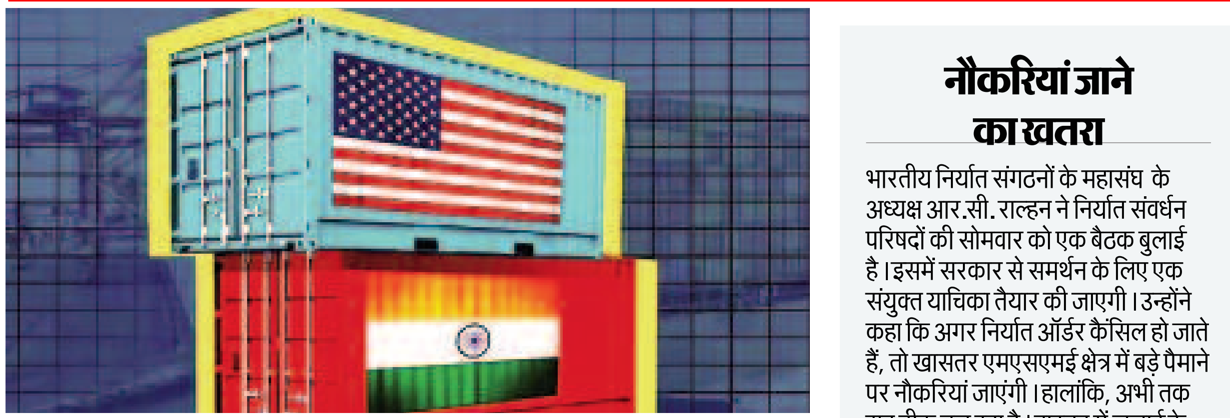

नौकरियां जाने का खतरा

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ के अध्यक्ष आर.सी. राल्हन ने निर्यात संवर्धन परिषदों की सोमवार को एक बैठक बुलाई है। इसमें सरकार से समर्थन के लिए एक संयुक्त याचिका तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर निर्यात ऑर्डर कैंसिल हो जाते हैं, तो खासतर एमएसएमई क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नौकरियां जाएंगी। हालांकि, अभी तक सब ठीक चल रहा है। वास्तव में जुलाई के निर्यात आंकड़ों से पता चला है कि अमेरिका को शिपमेंट में तेजी आई है।

नुकसान के साथ व्यापार

सेखरी ने कहा कि अमेरिका के साथ 25 अगस्त से शुरू होने वाली बातचीत स्थगित हो गई है, लेकिन हमें आने वाले हफ्तों में कुछ सफलता मिलने की उम्मीद है। अमेरिका ने भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिया गया है। निर्यातकों ने मिलकर इसका बोझ उठाया और ट्रेड को बनाए रखा। कुछ लोग तो डेडलाइन से पहले माल भेजने की जल्दी में हैं। अगले दौर के लिए कुछ अनुबंधों में यह शर्त है कि अगर रूस से तेल खरीदने पर लगने वाला 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता है, तो दी जा रही छूट लागू नहीं होगी। इंडस्ट्री के ज्यादातर लोगों का कहना है कि 50 प्रतिशत टैरिफ के साथ ट्रेड करना संभव नहीं है।

वोल्टास से ब्लू स्टार तक, जीएसटी राहत की आस में शेयरों ने मारी छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। एसी-कूलर कंपनियों के शेयर आज गरम हैं। वोल्टास लिमिटेड, ब्लू स्टार लिमिटेड, पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड और एम्बर एंटरप्राइजेज लिमिटेड जैसी कंपनियों के शेयरों में सोमवार, 18 अगस्त को 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। यह उछाल उम्मीदों की वजह से आया कि अब घरेलू उपकरणों (जैसे एसी, टीवी) पर जीएसटी की दरें घटाई जा सकती हैं।

जीएसटी में बदलाव की उठी बयार- शुक्रवार, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवाली से पहले अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का वादा किया था। इन सुधारों का मकसद आम लोगों

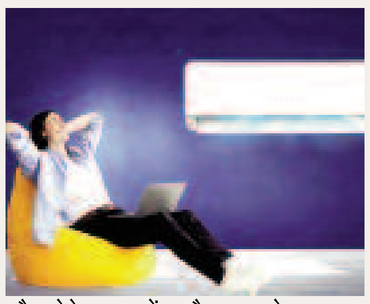

और छोटे व्यवसायों पर टैक्स का बोझ कम करना है। फिलहाल, एसी और 32 इंच से बड़े टीवी पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि फ्रिज, वॉशिंग मशीन और छोटे टीवी पर 18 प्रतिशत टैक्स है।

एनालिस्ट क्या कहते हैं?

सीएनबीसी-टीवी18 के मुताबिक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज और सीएलएसए का मानना है कि एसी पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो सकता है। सीएलएसए के अनुसार, यह बदलाव एसी की मांग को बढ़ाएगा, खासकर जब हाल में इस सेक्टर में कमजोरी दिखी थी। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटी का कहना है कि जीएसटी दरों में संतुलन से करीब 2.4 लाख करोड़ का फायदा होगा, जिससे ऑटो और घरेलू उपकरण कंपनियों को सबसे ज्यादा लाभ मिलेगा।

स्विगी ने ऑर्डर बढ़ने पर प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई, शेयर 3 प्रतिशत चढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विगी के शेयरों ने आज बीएसई पर 3 प्रतिशत की छलांग लगाई और दिन का उच्चतम स्तर 410.65 तक पहुंच गए। यह उछाल ऐसे समय में आया, जब कंपनी ने बढ़ते ऑर्डर को देखते हुए अपना प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाने का फैसला किया। स्विगी ने अपने खाना डिलीवरी के कारोबार में प्लेटफॉर्म शुल्क कुछ खास इलाकों में (जहां ऑर्डर की संख्या ज्यादा है) 12 से बढ़ाकर अब 14 कर दिया है। यह कदम कंपनी के बढ़ते नुकसान और खाना डिलीवरी बाजार में तेज होती प्रतिस्पर्धा के बीच आया है।

कैसी है कंपनी की वित्तीय हालत?

अप्रैल-जून की तिमाही में स्विगी को सालाना आधार पर दोगुना नुकसान हुआ, जो बढ़कर 1,197 करोड़ हो गया। कंपनी के पास नकदी का बहिर्वाह भी 1,053 करोड़ रहा। हालांकि, एक अच्छी खबर यह है कि कंपनी का परिचालन राजस्व मजबूत ऑर्डर संख्या और उसकी क्विक-कॉमर्स सेवा इंस्टामार्ट में निवेश के चलते 54 प्रतिशत बढ़कर 4,961 करोड़ हो गया।

शुल्क बढ़ाने का क्या फायदा होगा?- द इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक माना जा रहा है कि यह बढ़ा हुआ शुल्क कंपनी को खर्चे पूरे करने और अपना मुनाफा बनाए रखने में मदद करेगा।

भ्रष्टाचार का दानव प्राइवेट सेक्टर में भी बैठा है

हर विभाग में बैठें हैं रिश्वतखोरः सुमंत रमन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में जब भ्रष्टाचार या रिश्वतखोरी की बात सामने आती है तो लोगों के जेहन में सरकारी बाबू ही आते हैं। लेकिन, इसमें देश का प्राइवेट सेक्टर भी कोई पीछे नहीं है।

प्राइवेट सेक्टर के हर विभाग में रिश्वतखोरी!- सुमंत रमन का कहना है कि प्राइवेट कंपनियों के हर डिपार्टमेंट में रिश्वतखोरी और गलत काम हो रहे हैं। उन्होंने कहा, प्राइवेट सेक्टर, खासकर कॉर्पोरेट इंडिया में इतना भ्रष्टाचार है कि सरकारी बाबू भी शर्मा जाएं। ...और इस बारे में बातें भी बहुत कम होती हैं। उनका कहना है कि प्राइवेट कंपनियों में भ्रष्टाचार सिर्फ कंपनियों द्वारा सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने तक ही सीमित नहीं है। वह

ये डिपार्टमेंट भ्रष्टाचार में डूबे हुए

सुमंत रमन ने प्राइवेट सेक्टर में खास कर मानव संसाधन विभाग या ।।क्र खरीद करने वाला विभाग या प्रोक्योरमेंट , ढ्ढञ्ज और सामान्य प्रशासन यानी एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट को भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा हुआ बताया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश के चरित्र को दिखाता है। उन्होंने आखिर में दुखद कहा।

ये भी सहमत हैं

पूर्व कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव गौतम सरकार भी रमन की बात से सहमत हैं। उन्होंने कहा, मैं सहमत हूं, भ्रष्टाचार हर जगह फैला हुआ है। उन्होंने बिजनेस में गलत तरीकों की तुलना हेल्थकेयर से की है। वह लिखते हैं सोचिए, डॉक्टर लैब टेस्ट/इमेजिंग के लिए रेफर करते हैं, वो भी कमीशन के लिए।

सूरत, जयपुर, मुंबई...

डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से 1.5 लाख नौकरियों पर संकट!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का रत्न और आभूषण उद्योग इस मुश्किल दौर से गुजर रहा है। यह इंडस्टी देश की इकॉनमी के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि इससे लाखों लोगों की रोजी-रोटी चलती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेम्स एंड जूलरी पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इससे इस उद्योग को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। भारत अपने हीरे के निर्यात का एक तिहाई और जड़े हुए गहनों का लगभग आधा हिस्सा अमेरिका को भेजता है। सूरत, जयपुर, मुंबई और इनके आसपास के इलाकों में इसका असर दिखने लगा है। इन जगहों पर व्यापार कम हो रहा है और लोगों की नौकरियां जा रही हैं। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में लगभग 1 लाख लोग बेरोजगार हो गए हैं। इनमें भावनगर, अमरेली और जूनागढ़ के छोटे कारखानों में काम करने वाले लोग शामिल हैं।

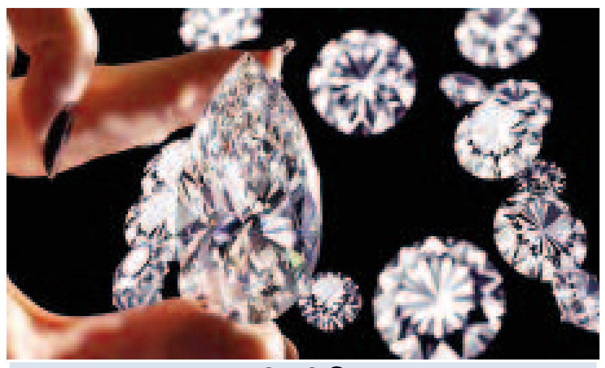

इंडस्ट्री की डिमांड

इंडस्ट्री के लीडर्स अब सरकार से ट्रेड को लेकर बातचीत तेज करने और इस उद्योग को सहारा देने के लिए कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन किरीट भंसाली ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका को होने वाला निर्यात 9.23 अरब डॉलर से घटकर सिर्फ 2.3 अरब डॉलर रह सकता है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा नुकसान पॉलिश किए हुए हीरे और जड़े हुए सोने के गहनों को होगा। भंसाली ने कहा कि सूरत में हीरे, महाराष्ट्र में जड़े हुए गहने और जयपुर में रंगीन रत्नों के कारोबार में काम करने वाले लोगों को परेशानी हो सकती है। अभी ठीक से बताना मुश्किल है लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि 1.5 लाख नौकरियां जा सकती हैं।

छोटी कार पर बड़ा उपहार...

जानें कितने रुपये का होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार मिडिल क्लास को बड़ी राहत देने जा रही है। दिवाली से पहले सरकार आम आदमी को बड़ा उपहार दे सकती है। यह उपहार जीएसटी की दर में देखने को मिलेगा। दरअसल, सरकार जीएसटी में कुछ बदलाव करने की सोच रही है। इससे छोटी कारों के बाजार में थोड़ी रौनक आ सकती है। आजकल लोग बड़ी गाड़ियां, जैसे एसयूवी, ज्यादा पसंद कर रहे हैं, इसलिए छोटी कारों की बिक्री कम हो रही है।

अभी कारों पर कितना है जीएसटी?

छोटी कारें मतलब 4 मीटर से कम लंबी और 1200 सीसी तक के इंजन वाली पेट्रोल, सीएनजी और एलपीजी गाड़ियां। इन पर कारों अभी 28 प्रतिशत जीएसटी और 1 प्रतिशत सेस लगता है। बड़ी कारों और एसयूवी पर 40 प्रतिशत तक टैक्स लगने की बात हो रही है। अभी इन गाड़ियों पर जीएसटी और सेस मिलाकर 43 से 50 प्रतिशत तक टैक्स लगता है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर जीएसटी की दर में कोई बदलाव नहीं होगा। इन पर अभी 5 प्रतिशत टैक्स लगता है।

कितना होगा नया जीएसटी?

छोटी कारों पर अब 18 प्रतिशत टैक्स लगने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर जीएसटी में 11 प्रतिशत की कमी होती है, तो छोटी कारों की कीमत 12 से 12.5 प्रतिशत तक कम हो सकती है। अवेंटियम एडवाइजर्स के मैनेजिंग पार्टनर वीजी रामकृष्णन का कहना है कि अगर कारों की कीमत 20,000 से 25,000 रुपये तक भी कम होती है, तो भी लोगों को अच्छा लगेगा और वे ज्यादा कारें खरीदेंगे। यानी सस्ती कारों की मांग बढ़ सकती है।

किस चीज पर कितना जीएसटी?

जीएसटी काउंसिल ने एक ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स बनाया है। इस ग्रुप को एक प्रस्ताव भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि रोजमर्रा की चीजों पर 5 प्रतिशत टैक्स लगेगा। वहीं, मध्यम वर्ग के लोगों के लिए और उद्योगों में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर 18 प्रतिशत टैक्स लगने की संभावना है। प्रस्ताव पर जल्द ही विचार करेगा। जीएसटी काउंसिल सितंबर के तीसरे हफ्ते में इस पर आखिरी फैसला ले सकती है। फ्रिज और बड़े टीवी जैसे सामानों पर भी टैक्स 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जा सकता है। इससे इनकी मांग बढ़ सकती है।

दिवाली से पहले मिडिल क्लास को मिलेगी राहत

पीएम ने किया था ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर जीएसटी में बदलाव की बात कही थी। उन्होंने कहा था, हम अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार ला रहे हैं। इससे पूरे देश में टैक्स का बोझ कम होगा। यह दिवाली से पहले एक उपहार होगा। सरकार जीएसटी को आसान बनाने के लिए दो तरह के टैक्स स्लैब रखने की सोच रही है। इसमें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के टैक्स शामिल होंगे। 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वाले टैक्स हटा दिए जाएंगे। कुछ खास चीजों पर 40 प्रतिशत का स्पेशल टैक्स लगाया जा सकता है। इनमें सिन गुड्स जैसे तंबाकू प्रोडक्ट आदि शामिल हैं।

छात्र यात्रा बीमा: विदेश में पढ़ाई के दौरान आपका साथी और सुरक्षा कवच

मेडिकल इमरजेंसी पर भी मिलता है कवर

मुंबई। देश में पढ़ाई करना जीवन बदल देने वाला अनुभव होता है, जो शिक्षा, करियर ग्रोथ और व्यक्तिगत प्रगति में बड़े फायदे देता है। किसी नए देश में कदम रखना, वहां की अलग-अलग संस्कृतियों को जानना, विभिन्न तरह के खाने का स्वाद लेना और एक वैश्विक नेटवर्क बनाना

बेहद रोमांचक होता है। लेकिन, इस पूरे सफर के बीच एक ऐसा सुरक्षा कवच होना जरूरी है, जो आपको अनचाही मुश्किलों से बचा सके। विदेश में पढ़ाई के दौरान छात्र यात्रा बीमा आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाता है।

यह मेडिकल इमरजेंसी, सामान खोने, यात्रा रद्द होने और अन्य अप्रत्याशित स्थितियों में आर्थिक सुरक्षा देता है। चाहे आप अकादमिक उद्देश्य से या घूमने के लिए यात्रा कर रहे हों, सही बीमा होने से आपका तनाव कम होता है और आप पढ़ाई एवं विदेश के अनुभवों पर ध्यान दे पाते हैं।

जीएसटी रिफॉर्म लागू होने के बाद सस्ता हो जाएगा पेट्रोल-डीजल?

सिगेरट और शराब होगी महंगी!

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली या उसके बाद आपको जीएसटी में बड़े रिफॉर्म देखने को मिल सकते हैं। पीएम मोदी ने इसका ऐलान पहले ही कर दिया है।

उन्होंने लाल किले से कहा था कि आने वाले समय में जीएसटी में बड़े बदलाव किए जाएंगे। जिसके बाद जरूरत के सामान सस्ते हो जाएंगे। अब सवाल उठ रहा है कि क्या पेट्रोल और डीजल भी जीएसटी के दायरे में आएगा? अगर आया तो किस स्लैब में इसे रखा जाएगा?

एक अधिकारी ने साफ किया पेट्रोलियम प्रोडक्ट को जीएसटी के दायरे में लाने में अभी समय लगेगा। यानी जीएसटी 2.0 के लागू होने के बाद भी आपका पेट्रोल-डीजल बिल कम नहीं होगा।

तम्बाकू और शराब पर लग सकता है 40 प्रतिशत जीएसटी-वित्त मंत्रालय ने अभी स्पेशल रेट्स के साथ-साथ दो जीएसटी स्लैब का प्रस्ताव ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स को भेजा है। रिपोर्ट्स के अनुसार सिगरेट, तम्बाकू, शराब को 40 प्रतिशत के जीएसटी स्लैब में डाला जा सकता है।

जीएसटी कटौती की आहट से ऑटो स्टॉक पर टूट पड़े निवेशक

8 प्रतिशत से अधिक उछला शेयर, 36 एक्सपर्ट्स ने दी बाय रेटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाले समय में कुछ गाड़ियों के सेगमेंट पर जीएसटी कटौती हो सकती है। इस चर्चा के बाद आज सोमवार को ऑटो कंपनियों के शेयरों में तगड़ी उछाल देखने को मिली है। लेकिन इसमें भी एक कंपनी ने सभी को पछाड़ा है।

हम बात कर रहे हैं मारुति सुजुकी की। आज इस कंपनी का शेयर 8 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। मारुति सुजुकी के शेयरों में बीते 5 साल के दौरान किसी एक दिन में यह सबसे बड़ी उछाल है।

- **किस बात की चर्चा से निवेशक हुए गदगद**- सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार 1200 सीसी से कम के इंजन वाली गाड़ियों पर लगने वाले 28 प्रतिशत जीएसटी को घटाकर 18 प्रतिशत किया जा सकता है। वहीं, 4एम से 1200 सीसी पेट्रोल इंजन और 1500 सीसी के डीजल इंजन हाइब्रिड पैसेंजर व्हीकल्स पर भी जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत लगाया जा सकता है। मौजूदा समय में छोड़ी गाड़ियों पर 28 प्रतिशत का जीएसटी लगता है। साथ ही 1 प्रतिशत से 3 प्रतिशत छोटा सेस भी लगाया जाता है। बता दें, भारत में ज्यादातर बिकने वाले पैसेंजर कार का इंजन 1200 सीसी के नीचे होता है। वहीं, मारुति के 1200 सीसी से अधिक क्षमता के इंजन हाइब्रिड कैटगरी में आते हैं।

52 वीक हाई पर मारुति के शेयर

बीएसई में सोमवार को मारुति सुजुकी के शेयर 12920.45 रुपये के लेवल पर खुले थे। लेकिन ताबड़तोड़ खरीदारी के बाद यह ऑटो स्टॉक 8 प्रतिशत से अधिक की उछाल के साथ 13986.85 रुपये के 52 वीक हाई पर पहुंच गए। बता दें, मारुति सुजुकी का 52 वीक लो लेवल 10,725 रुपये है।

2008 हो सकता है रिपीट

ऑटो सेगमेंट पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर ऐसा फैसला होता है तो 2008 रिपीट हो सकता है। तब ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में 20 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। ब्रोकरेज हाउस नोमुरा का मानना है कि मारुति और महिंद्रा एंड महिंद्रा को इस फैसले का सबसे अधिक फायदा हो सकता है। उनका मानना है कि जीएसटी में कटौती से ऑटो मोबाइल सेगमेंट में 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। मारुति के शेयरों नजर रखने वाले 46 एक्सपर्ट्स में 36 ने इसे खरीदने की सलाह दी है। वहीं, 8 ने होल्ड करने और 2 ने बेचने की बात कही है।

डायमंड लीगः

भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, इस दिन होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम तालिका के हिसाब से डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह पक्की कर ली है। नीरज ने दो डायमंड लीग मीट में हिस्सा लिया और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग 2025 फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह मुकाबला स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 27 और 28 अगस्त को होगा। गत विश्व चैंपियन नीरज ने 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया डायमंड लीग मीट में हिस्सा नहीं लिया था और उनके 22 अगस्त को ब्रसेल्स में होने वाले अगले डायमंड लीग चरण में हिस्सा लेने की भी जानकारी नहीं है।

हालांकि, इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि वह ब्रसेल्स में हिस्सा लेंगे या नहीं क्योंकि नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम तालिका के हिसाब से डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह पक्की कर ली है। नीरज ने दो डायमंड लीग मीट में हिस्सा लिया और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। नीरज एक चरण में शीर्ष पर रहे थे, जबकि एक अन्य डायमंड लीग मीट में दूसरे स्थान पर थे। नीरज से आगे 17 अंक लेकर केशोर्न वालकॉट और 15 अंकों के साथ जूलियन वेबर हैं। ब्रसेल्स चरण के बाद तालिका में शीर्ष छह पर रहने वाले एथलीट ज्यूरिख में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे।

इस सीजन बेहतरीन रहा है नीरज का प्रदर्शन

नीरज ने आखिरी बार पांच जुलाई को बंगलूरू में हुए नीरज चोपड़ा क्लासिक में हिस्सा लिया था जहां उन्होंने 86.18 मीटर का थ्रो कर खिताब जीता था। नीरज के लिए यह सीजन अब तक शानदार रहा है क्योंकि उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में बहुप्रतिक्षित 90 मीटर का आंकड़ा पार कर लिया था। उन्होंने 90.23 मीटर का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका था और वह वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद नीरज ने जून में पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान प्राप्त किया था। नीरज 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

डूरंड कपः

डूरंड कप में ईस्ट बंगाल की मोहन बागान पर 2-1 से जीत

सेमीफाइनल में डायमंड हार्बर एफसी की चुनौती

कोलकाता/जमशेदपुर, एजेंसी। मोहन बागान ने अनिरुद्ध थापा के 68वें मिनट में किए गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन ईस्ट बंगाल ने मजबूत रक्षण से अपनी पकड़ बनाए रखी। ईस्ट बंगाल का सेमीफाइनल में 20 अगस्त को डायमंड हार्बर एफसी से मुकाबला होगा जिसने पदार्पण वर्ष में जमशेदपुर को 2-0 से हराया।

यूनान के स्ट्राइकर और स्थानापन्न खिलाड़ी दिमित्रियोस डायमांताकोस के दो गोल की मदद से ईस्ट बंगाल टीम ने रविवार को 134वें डूरंड कप फुटबाल के रोमांचक कोलकाता डर्बी में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान को 2-1 से हराकर चौंका दिया। 18वें मिनट में मैदान पर आए डायमांताकोस ने 38वें मिनट में पेनाल्टी स्पॉट से गोल किया और फिर दूसरे हाफ के सातवें मिनट बाद ही अपने दूसरे गोल के साथ ईस्ट बंगाल की बढ़त को दोगुना कर दिया। मोहन बागान ने अनिरुद्ध थापा के 68वें मिनट में किए गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन ईस्ट बंगाल ने मजबूत रक्षण से अपनी पकड़ बनाए रखी। ईस्ट बंगाल का सेमीफाइनल में 20 अगस्त को डायमंड हार्बर एफसी से मुकाबला होगा जिसने पदार्पण वर्ष में जमशेदपुर को 2-0 से हराया। सैरुआटकिमा ने मैच के तीसरे और 41वें मिनट में गोल किए।

पूर्व चयनकर्ता का बड़ा बयान, प्रसिद्ध कृष्णा से पहले इस खिलाड़ी को मिलेगी प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता और 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य क्रिस श्रीकांत ने आगामी टी20 एशिया कप 2025 के लिए मोहम्मद सिराज का समर्थन किया। श्रीकांत को लगता है कि 31 वर्षीय सिराज को तेज गेंदबाज के रूप में इस्तेमाल किए जा सकते है। श्रीकांत ने कहा, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह का चयन तय है। मेरा मानना है कि सिराज को प्रसिद्ध कृष्णा पर तरजीह दी जाएगी। उनमें लड़ने के गुण है। प्रसिद्ध ने आईपीएल में बहुत अच्छी गेंदबाजी की थी। उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन अतिरिक्त मध्यम तेज गेंदबाज के रूप में सिराज को चुना जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, सच कहूं तो, प्रसिद्ध और सिराज दोनो ने गुजरात टाइटन्स के लिए अच्छी गेंदबाजी की। लेकिन मौजूदा फॉर्म को देखते हुए, सिराज में लय के साथ-साथ गति भी है। मैं सिराज के साथ खेलना जारी रखूंगा। श्रीकांत को यकीन नही है कि कुलदीप यादव टीम में जगह बना पाएंगे या नही। उन्होंने स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर का समर्थन किया। कुलदीप यादव को जगह मिलती है या नहीं, यह तो देखना होगा। वह 15 खिलाड़ियो में शामिल हो सकते है, लेकिन मुझे नही लगता कि अगर वाशिंगटन सुंदर खेल रहे है तो वह अंतिम एकादश में होंगे। मैं वाशिंगटन सुंदर को चुनूंगा।

ईशान किशन दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर, आकाश दीप को आराम की सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन दलीप ट्रॉफी के पूर्वी क्षेत्र के पहले मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि वह वर्तमान में यूके में नॉटिंघमशायर के साथ काउंटी क्रिकेट के दौरान लगी चोट से उबर रहे हैं। 28 नवंबर से शुरू होने वाले इस मुकाबले के लिए किशन की जगह पूर्वी क्षेत्र की टीम में ओडिशा के आशीर्वाद स्वैन को शामिल किया गया है। किशन को चोट के कारण कई टांके लगाने पड़े, यही वजह है कि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले ऋषभ पंत की जगह नहीं चुना गया था, क्योंकि सुपरस्टार बल्लेबाज पैर की चोट के कारण बाहर हो गए थे। आखिरकार, ध्रुव जुरेल के बैकअप के रूप में तमिलनाडु के नारायण जगदीशन को उनकी जगह लिया गया।

किशन की चोट गंभीर नहीं है क्योंकि पूर्वी क्षेत्र के लिए अभियान के पहले मैच में न खेल पाना एहतियाती कदम है क्योंकि वह अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो चार दिवसीय मैच खेलने वाली भारत ए टीम में शामिल होने के लिए दौड़ में हो सकते हैं। किशन बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी रिकवरी और मूल्यांकन जारी रखेंगे। कुमार कुशाग्र उनकी जगह पहली पसंद के विकेटकीपर के रूप में खेल सकते हैं। इसके अलावा पूर्वी क्षेत्र को तेज गेंदबाज आकाश दीप की सेवाएं भी नहीं मिलेंगी क्योंकि उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। उनकी चोट या अन्य परेशानी को लेकर कोई जानकारी नहीं है। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर जहां वह पीठ दर्द के कारण चौथे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में 13 विकेट लिए थे, जिसमें बर्मिंघम में 10 विकेट भी शामिल है और उन्होंने ओवल में अंतिम टेस्ट मैच में एक शानदार अर्धशतक भी बनाया था। असम के मुख्तार हुसैन ने अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली टीम में उनकी जगह ली है। ईस्ट जोन अपने अभियान की शुरुआत शुभमन गिल की अगुवाई वाले नॉर्थ जोन के खिलाफ स्टेडियम में करेगा। रियान पराग, ईश्वरन को उप-कप्तान के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। टीम में मोहम्मद शमी भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले दो सालों में सिर्फ एक प्रथम श्रेणी मैच खेला है और मुकेश कुमार भी।

दलीप ट्रॉफी के पहले मैच के लिए ईस्ट जोन की टीमः

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), आशीर्वाद स्वैन (विकेट कीपर), संदीप पटनायक, विराट सिंह, दानिश दास, श्रीदम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), रियान पराग (उप-कप्तान), उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, मुख्तार हुसैन और मोहम्मद शमी।

करियर की सबसे बुरी हार से टूटे नेमार, फूट-फूटकर रोए; सैंटोस के भड़के फैंस ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के सुपरस्टार नेमार रविवार (18 अगस्त) को अपने पेशेवर क्लब करियर की सबसे बुरी हार से टूट गए। वह फूट-फूटकर रोते दिखे। सैंटोस को ब्राजीलियन सेरी ए मैच में वास्को दा गामा के हाथों 0-6 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे हाफ में छह में से पांच गोल दागे जाने के बाद सदमे में डूबे नेमार फुल टाइम के बाद रोते दिखे। इस जीत के साथ 16वें स्थान पर काबिज वास्को दा गामा का सैंटोस से दो अंक पीछे 19 अंक रह गया। दोनों क्लब चार टीमों वाले रीलीगेशन जोन से बस थोड़ा आगे थे। लुकास पिटोन के शुरुआती गोल के बाद लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड कॉटिन्हो ने दूसरे हाफ में वास्को के लिए दो गोल दागे। डेविड कोरेया डी फोंसेका, रेयान और डैनिलो नेवेस के गोलों ने शानदार स्कोरलाइन को और मजबूत किया।

प्रशंसकों ने विरोध किया, कोच को बर्खास्त किया गया - नेमार को सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य और वास्को दा गामा के मुख्य कोच फर्नांडो डिनिज ने सांत्वना दी जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर वापस लौट रहे थे। सैंटोस ने परिणाम पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और मैदान की ओर पीठ करके विरोध जताया। इस अपमानजनक हार के परिणामस्वरूप मुख्य कोच क्लेबर जेवियर को तत्काल बर्खास्त कर दिया गया।

प्रशंसकों को विरोध करने का पूरा अधिकार - जून में अपने बचपन के क्लब के साथ एक नया अनुबंध पर हस्ताक्षर करने वाले नेमार ने कहा, मुझे शर्म आ रही है। मैं हमारे प्रदर्शन से पूरी तरह निराश हूं। प्रशंसकों को विरोध करने का पूरा अधिकार है, जाहिर है बिना हिंसा केज लेकिन अगर वे गाली देना और अपमान करना चाहते हैं तो उन्हें पूरा हक है। नया कोच आते ही सुनील छेत्री पर गिरी गाज, नेशंस कप के लिए भारत के 35 संभावित खिलाड़ियों में नाम नहीं

सीपीएल 2025:

मुनरो का तूफानी शतक, पूरन का रिकॉर्ड तोड़ा

शाहरुख खान की टीम ने जीत की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉलिन मुनरो की 57 गेंदों में 120 रनों की ऐतिहासिक पारी से ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स को 12 रनों से हरा दिया। 38 साल के न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी ने 14 चौके और छह छक्के लगाए। इस पारी के साथ वह शाहरुख खान की टीम ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने निकोलस पूरन का रिकॉर्ड तोड़ा। वह सीपीएल में संयुक्त रूप से तीसरे सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर वाले खिलाड़ी बन गए। मुनरो ने एलेक्स हेल्स (27 गेंदों पर 47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 114 रन जोड़े। इससे ट्रिबागो नाइट राइडर्स का स्कोर 231/5 हो गया। यह टूर्नामेंट के इतिहास का सातवां सर्वोच्च स्कोर था। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए काइल मेयर्स (32) और आंद्रे फ्लेचर (41) ने पहले विकेट के लिए 80 रनों की साझेदारी की, लेकिन यह जोड़ी पांच गेंद के अंदर स्पिनर उस्मान तारिक और अकील होसेन का शिकार बन गई।

- **नाइट राइडर्स तालिका में शीर्ष पर पहुंची** - कप्तान होल्डर ने 22 गेंदों में 44 रन बनाए, लेकिन उनकी टीम 7 विकेट पर 219 ही बना पाई। अपने पहले मैच में जीत से नाइट राइडर्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। पैट्रियट्स तीन मैचों में एक जीत के साथ एक स्थान गिरकर तीसरे नंबर पर आ गई। मुनरो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन दुनिया भर की टी20 लीग में अपनी धाक जमाए हुए हैं। उन्होंने चार साल बाद अपना पहला टी20 शतक लगाया। इससे पहले वह सीपीएल में दो साल पहले सेंट लूसिया किंग्स के लिए खेले थे।
- **ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ पारी** - ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ पारी कोलिन मुनरो के नाम हो गई। इस टीम के लिए उन्होंने दूसरा शतक लगाया। इससे पहले सर्वश्रेष्ठ पारी निकोलस पूरन के नाम था। पूरन ने बारबडोस रॉयल्स के खिलाफ 2023 में नाबाद 102 रन बनाए। इसके अलावा वह 101 रन की पारी के साथ तीसरे नंबर पर भी काबिज हैं।

भारतीय क्रिकेट में आई सुमित नाम की सनसनी, 19 रन देकर निपटाई आधी टीम, ऐसा करने वाला तीसरा गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। 2018 में बुमराह को आते देखा. 2020 में सिराज का उदय हुआ. तो क्या 2025 सुमित का होगा? भारत में स्टेट लेवल पर क्रिकेट लीग क्या शुरू हुई, उससे नए-नए खिलाड़ी भी सामने आने लगे हैं. सुमित कुमार बेनीवाल एक ऐसा ही नाम है, जो कि DPL 2025 में अपनी छाप छोड़कर चमका है. इस चमकते सितारे को बुमराह-सिराज वाली कतार में खड़ा होने में भले ही अभी वक्त हो लेकिन उन्होंने दिल्ली प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में जो किया है, वो कमाल है और बेमिसाल भी. 26 साल के सुमित बेनीवाल इस लीग में वैसा करने वाले तीसरे गेंदबाज हैं. सुमित कुमार बेनीवाल बॉलिंग ऑलराउंडर हैं, जो एक दाएं हाथ के खिलाड़ी हैं. DPL 2025 में सुमित साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज का हिस्सा हैं. 17 अगस्त को पुरानी दिल्ली के खिलाफ खेले मुकाबले में सुमित बेनीवाल ने सिर्फ 19 रन देकर आधी टीम निपटा दी. उन्होंने ये कमाल अपने कोटे के 4 ओवर में किए. सुमित अपनी पहली गेंद से ही पुरानी दिल्ली के बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूटने लगे.

ऐसे लिए मैच में एक-एक कर 5 विकेट - मैच में अपना पहला ओवर लेकर आए सुमित ने पहली गेंद पर पुरानी दिल्ली के समर्थ सेठ को आउट किया. फिर दूसरी गेंद पर प्रणव पंत को. अपने पहले ही ओवर में दो विकेट लेने वाले सुमित को तीसरा विकेट अपने दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर मिला. इस बार उन्होंने वंश वेदी को चलता किया. इसके बाद जब वो अपना तीसरा ओवर लेकर आए तो उसकी आखिरी गेंद पर ललित यादव को आउट किया. जबकि अपने आखिरी ओवर की अंतिम गेंद पर उन्होंने अपना 5वां शिकार किया. इस तरह उन्होंने 4 ओवर में 19 रन देकर 5 विकेट लिए.

सुमित की इस घातक गेंदबाजी का असर ये हुआ कि पुरानी दिल्ली की टीम 20 ओवर में सिर्फ 138 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. वो 46 रन से मुकाबला हार गई. साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी की थी और 20 ओवर में 184 रन बनाए थे. सुमित कुमार बेनीवाल DPL 2025 में 5 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं. उनसे पहले उधव मोहन और कुलदीप यादव कारनामा कर चुके हैं.

एशिया कप के लिए भारतीय टीम चयन

गिल की पहेली को सुलझाना सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की राष्ट्रीय चयन समिति संयुक्त अरब अमीरात में अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए मंगलवार को जब 15 सदस्यीय टीम का चयन करेगी तो उसके सामने एक मजबूत टी20 ढांचे में शुभमन गिल जैसे शानदार बल्लेबाज को फिट करना सबसे बड़ी चुनौती होगी।

इंग्लैंड दौरे ने अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले गिल के लिए 9 से 28 सितंबर तक होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट में खेलने वाली टीम में जगह बनाना मुश्किल नजर आ रहा है। अजीत अगरकर और उनके सहयोगियों के लिए यह सबसे बड़ी पहेली होगी, लेकिन भारतीय क्रिकेट इस समय टी-20 प्रतिभाओं का कारखाना है, जिसमें कम से कम 30 खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में आने के लिए तैयार हैं और एक स्थान के लिए तीन से चार विकल्प उपलब्ध हैं। बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष तीन स्थानों के लिए समान योग्यता रखने वाले छह क्रिकेटर उपलब्ध हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने पिछले सत्र में राष्ट्रीय टीम की तरफ से शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन को भी उनसे कम करके नहीं आंका जा सकता। गेंदबाजी में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई के बीच एक स्थान के लिए संघर्ष है। इन सबमें सबसे चतुर खिलाड़ी युजवेंद्र चहल को लंबे समय से नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। लेकिन चयनकर्ता केवल 15 खिलाड़ियों का ही चयन कर सकते हैं और टी-20 टीम के निर्णय लेने वाले पदों पर बैठे लोगों का दृष्टिकोण दिलचस्प है। टीम प्रबंधन के एक महत्वपूर्ण सदस्य का मानना है कि पिछले सत्र में नियमित रूप से अंतिम एकादश में शामिल रहे किसी भी खिलाड़ी को किसी बड़े स्टार को जगह देने के लिए टीम से बाहर करना सही नहीं होगा।

दूसरी विचारधारा यह है कि भारतीय क्रिकेट सभी प्रारूपों में खेलने वाले एक कप्तान के साथ सही दिशा में आगे बढ़ता है जो उसका सबसे बड़ा मार्केटिंग ब्रांड भी बन जाता है। इस मामले में गिल सभी हितधारकों के लिए एक स्पष्ट विकल्प हैं। सूर्यकुमार यादव के कुशल नेतृत्व में भारतीय टी20 टीम का रिकॉर्ड 85 प्रतिशत का है और उसने अपने पिछले 20 मैचों में से 17 में जीत हासिल की है। इनमें से किसी भी मैच में गिल और जायसवाल शामिल नहीं थे।

पिछले एक साल में टेस्ट प्रतिबद्धताओं में व्यस्त होने से पहले गिल और जायसवाल टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे और उन्होंने IPL में भी अच्छा प्रदर्शन किया। गिल दरअसल सूर्य कुमार के साथ उप कप्तान थे लेकिन उन्हें टेस्ट मैचों के कारण टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से हटना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को उप कप्तान बनाया गया था। चयनकर्ता अगर गिल को 15 खिलाड़ियों में चुनते हैं तो उन्हें फिर अंतिम एकादश में भी रखना होगा, जिसका मतलब है कि संजू, अभिषेक या तिलक में से किसी एक को अपने बल्लेबाजी स्थान से समझौता करना होगा। शुभमन को टीम में शामिल करने का मतलब रिंकू सिंह को बाहर करना भी हो सकता है। इस बड़े हिटर ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के दौर में कोलकाता नाइट राइडर्स या भारत के लिए कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है। अगर तेज गेंदबाजी विभाग की बात करें तो हार्दिक पंड्या एक बेहतरीन फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज हैं और जसप्रीत बुमराह तथा अर्शदीप सिंह का टीम में होना स्वाभाविक है, ऐसे में रिजर्व तेज गेंदबाज के स्थान के लिए तीन विकल्प हैं। इस स्थान के लिए हर्षित राणा पसंदीदा दिख रहे हैं क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज दोनों को लाल गेंद का विशेषज्ञ माना जा रहा है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला दो अक्टूबर से शुरू होगी इसलिए समझा जा रहा है कि अपेक्षाकृत कमजोर मेहमान टीम के खिलाफ बुमराह की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि प्रसिद्ध और सिराज तरोताजा और खेलने के लिए तैयार होंगे। स्पिन विभाग में अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव पहली तीन पसंद हैं।

गौतम गंभीर ऑलराउंडर को प्राथमिकता देते हैं और ऐसे में वॉशिंगटन सुंदर को टीम में जगह मिल सकती है। नितीश कुमार रेड्डी और ऋषभ पंत अभी चोटों से उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में शिवम दुबे का टीम में चयन निश्चित है। दूसरे विकेटकीपर के स्थान के लिए जितेश शर्मा और ध्रुव जुरेल के बीच मुकाबला है। जितेश शर्मा फिनिशर की भूमिका भी अच्छी तरह से निभा सकते हैं।

➤यूज़र ने दी ये सलाह तो शाहरुख ने दिया करारा जवाब➤

अब उम्र हो गई है रिटायरमेंट ले लो

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान की बेहतरीन अदाकारी के फैंस कायल रहते हैं. इसके साथ ही वह अपनी जबरदस्त हाजिरजवाबी के लिए भी जाने जाते हैं. शाहरुख खान अक्सर अपने एक्स अकाउंट पर आस्क एसआरके सेशन होस्ट करते हैं और अपने तमाम चाहने वाले फैंस के सवालों का जवाब देते हैं. एक्टर ने एक बार फिर अपने फैंस की जिज्ञासाओं को शांत किया है.

दरअसल, शाहरुख खान ने आस्क एसआरके सेशन में कई सवालों के जवाब दिए हैं और इसी दौरान एक यूजर ने उन्हें रिटायरमेंट की सलाह दे दी. इस पर उन्होंने करारा जवाब देकर उसकी बोलती बंद कर दी. आइए जानते हैं कि शाहरुख खान ने यूजर को क्या रिप्लाई किया है. **शाहरुख** खान ने अपने एक्स अकाउंट पर आस्क एसआरके सेशन में अपने तमाम चाहने वाले फैंस के सवालों के जवाब दिए हैं. इस दौरान ने एक यूजर ने लिखा, भाई अब उम्र हो गई है, रिटायरमेंट ले लो. दूसरे बच्चे लोगों को आगे आने दो. इस पर शाहरुख खान ने रिप्लाई करते हुए लिखा, भाई तेरे सवालों का बचपना जब चला जाए, फिर कुछ अच्छा सा पूछना. तब तक टेम्परेरी रिटायरमेंट में रह प्लीज. बताते चलें कि शाहरुख खान ने आस्क एसआरके सेशन में नेशनल अवॉर्ड जीतने की खुशी से लेकर अगले प्रोजेक्ट तक तमाम सवालों के जवाब दिए हैं. शाहरुख खान का लेटेस्ट आस्क एसआरके सेशन चर्चा का विषय बना हुआ है. वर्क फ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान अब फिल्म किंग में काम करते नजर आएंगे. इस फिल्म में उनके साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी दिखाई देंगी. शाहरुख खान की फिल्म में किंग में कई बड़े स्टार्स दिखाई देंगे और फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. बताते चलें कि शाहरुख खान पिछली बार साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म डंकी में नजर आए थे.

डेटिंग एप्स पर कंगना के विवादित बयान पर छिड़ी बहस

100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली

बॉलीवुड अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रनौत अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। इस बार उन्होंने निशाना साधा है भारत में बढ़ती डेटिंग ऐप कल्चर पर। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने डेटिंग एप्स को समाज का गटर बताते हुए कहा कि ये प्लेटफॉर्म असफल लोगों के लिए हैं, न कि असली अचीवर्स के लिए। कंगना के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कई लोग जहां उनके विचारों से सहमत नजर आए, वहीं बहुतों ने उन्हें पुरानी सोच वाली और एकतरफा बताया।

अभिनेत्री कंगना रनौत का डेटिंग एप्स को लेकर दिया गया बयान अब सोशल मीडिया पर नई बहस को जन्म दे चुका है। कंगना के बयान पर अब लोगों के तरह-तरह के रिएक्शन्स देखने को मिल रहे हैं।

कंगना का मानना है कि अगर किसी इंसान की मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक जरूरतें एक ही साथी से पूरी हो रही हैं, तो उसे दूसरे लोगों से मिलने की जरूरत ही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि डेटिंग एप्स पर समय बिताना इस बात का संकेत है कि व्यक्ति के अंदर आत्म-संदेह या आत्म-सम्मान की कमी है, जिसे वो वैलिडेशन यानी दूसरों से तारीफ पाकर भरना चाहता है। कंगना ने हॉटरफ्लाई के साथ इंटरव्यू में यहां तक कहा कि जो भावनात्मक समस्याएं किसी प्रोफेशनल काउंसलिंग या थेरेपी से सुलझाई जानी चाहिए, लोग उन्हें डेटिंग ऐप्स के जरिए हल करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, हर बार जब कोई आपकी तरफ आकर्षित होता है, तो आप अंदर ही अंदर खुश होते हैं। यही छोटी-छोटी खुशी लोगों को इन ऐप्स की आदत लगवा देती है।

यहां नहीं मिलते कामयाब लोग

अभिनेत्री ने यहां तक दावा किया है कि इन प्लेटफॉर्म्स पर असली अचीवर्स यानी जीवन में कुछ बड़ा करने वाले लोग नहीं होते। उनका मानना है कि अच्छे जीवन साथी घर, ऑफिस, कॉलेज या पारिवारिक परिचय से मिल सकते हैं, ना कि मोबाइल स्क्रीन के जरिए। उनके अनुसार, अगर 1.4 अरब की जनसंख्या वाले देश में कोई व्यक्ति अपने आसपास एक सही साथी नहीं ढूंढ पा रहा, तो शायद समस्या खुद उसी में है।

कोर्टरूम ड्रामा में नजर आएंगे परेश रावल, द ताज स्टोरी का टीजर रिलीज

परेश रावल की आगामी फिल्म द ताज स्टोरी का टीजर आज गुरुवार को रिलीज हुआ है। इस फिल्म में मशहूर अभिनेता परेश रावल मुख्य भूमिका में हैं। टीजर में परेश एक अदालत में खड़े होकर बौद्धिक आतंकवाद के मुद्दे पर जोरदार बहस करते दिखाई दिए।

द ताज स्टोरी का टीजर हुआ रिलीज

द ताज स्टोरी एक सामाजिक ड्रामा है, जो सवाल उठाती है कि क्या आजादी के 79 साल बाद भी हम बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? यह फिल्म ताजमहल के निर्माण को लेकर भी सवाल खड़े करती है, जैसे कि क्या इसे वाकई शाहजहां ने बनवाया था? फिल्म द ताज स्टोरी में परेश रावल के अलावा जाकिर, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

इस फिल्म को तुषार अमरीश गोयल ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि विकास राधेशम क्रिएटिव प्रोड्यूसर और रोहित शर्मा संगीतकार हैं। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले निर्माताओं (स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज और सीए सुरेश झा) ने टीजर के साथ फिल्म की घोषणा की, जो दर्शकों में उत्साह और चर्चा पैदा कर रहा है। यह फिल्म 31 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैं, मेरा सच, और बिना झिझक...

अक्षरा सिंह का आत्मविश्वास भरा पोस्ट

भोजपुरी फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह हमेशा से ही अपने ग्लैमरस अंदाज और अनोखे स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। उनकी फैन फॉलोइंग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया पर वह काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में किए गए पोस्ट के चलते वह फैंस के बीच चर्चा में बनी हुई हैं। इस पोस्ट में उन्होंने खुद को एक नए अंदाज में पेश किया है। अक्षरा सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में वह मल्टीकलर लहंगे में नजर आ रही हैं, जो उनके लुक को और भी ज्यादा आकर्षक बना रहा है। हर तस्वीर में अक्षरा अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने बेबाकी से वही बात कही है जिसके लिए वो जानी जाती हैं। उन्होंने इन तस्वीरों के साथ लिखा, मैं, मेरा सच, और बिना झिझक के जो मैं हूं। फैंस इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे है। ज्यादातर लोग उनकी खूबसूरती और स्टाइल की तारीफ कर रहे हैं।

महेश बाबू की भतीजी

फिल्मों में करेंगी डेब्यू

सुपरस्टार महेश बाबू के परिवार से अब एक और नाम फिल्मों में एंट्री की तैयारी में है। खबर है कि एक्टर की खूबसूरत भतीजी भारती घट्टामनेनी एक रोमांटिक-थलिर से फल्मिों में डेब्यू करने वाली हैं। भारती की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। तेलुगू फिल्मों के सुपरस्टार महेश बाबू की भतीजी भारती फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं। जी हां, खबर है कि रीमा सेन, काजल अग्रवाल, सदा, नितिन, उदय किरण और आधी पिनिसेट्टी जैसे सितारों को टॉलीवुड में डेब्यू करवाने वाले डायरेक्टर तेजा अब एक और नए चेहरे को लॉन्च करने के लिए तैयार हैं। भारती घट्टामनेनी दिवंगत एक्टर-प्रोड्यूसर रमेश बाबू की बेटी हैं। इस खबर के आते ही जहां महेश बाबू और रमेश बाबू के फैंस की बांछे खिल उठी हैं, वहीं सोशल मीडिया पर भारती की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। लोग इस हसीना के अभी से दीवाने हो रहे हैं। डेक्कन क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक, भारती ने अपना लुक टेस्ट पूरा कर लिया है। बताया जाता है कि डायरेक्टर तेजा एक रोमांटिक फिल्म बनाने जा रहे हैं। भारती घट्टामनेनी ने इससे जुड़े वर्कशॉप में भी हिस्सा लिया है।

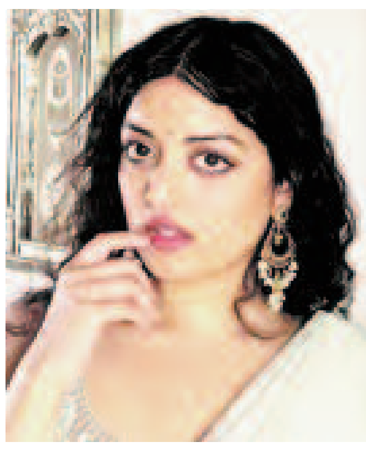

रामायण में अपने किरदार पर सनी देओल ने कही ये बात

सनी देओल इन दिनों फिल्म बॉर्डर 2 और रामायण को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में फिल्म बॉर्डर 2 का पोस्टर रिलीज किया गया है जिसमें सनी देओल गुस्से में नजर आ रहे हैं। सनी देओल ने अपनी अपकमिंग फिल्म रामायण के बारे में कई खुलासे किए हैं। वह इस फिल्म में हनुमान का किरदार निभाएंगे।

रणबीर कपूर की तारीफ की

सनी देओल ने फिल्म में अपने साथी कलाकार रणबीर कपूर की काफी तारीफ की है।

अपने रोल पर बोले सनी देओल

फिल्म रामायण के लिए सनी देओल ने अभी शूटिंग शुरू नहीं की है। इस पर उन्होंने कहा है कि इसकी शूटिंग बहुत जल्दी शुरू होगी। जूम के साथ बातचीत में सनी देओल ने फिल्म में अपने रोल के बारे में कहा यह बहुत मजेदार रोल है। मेरा किरदार महान होगा। किसी भी किरदार को निभाने से पहले घबराहट या डर, ये तो होता ही है। लेकिन यही इसकी खूबसूरती है, क्योंकि आपको अपने अंदर यह समझना होगा कि आप चुनौती को कैसे स्वीकार करेंगे और उस पर कैसे खरा उतरेंगे। हमें अभिनय करने का मौका मिल रहा है। मुझे पूरा यकीन है कि निर्माता अमित, इस पर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

रणबीर कपूर की तारीफ की

सनी देओल के मुताबिक यह फिल्म हॉलीवुड फिल्म से आगे जाएगी। उन्होंने कहा फिल्म में निर्माता बहुत अच्छी चीजें करने जा रहे हैं। यह फिल्म किसी भी तरह से हॉलीवुड से कम नहीं होगी। सनी देओल ने साथी कलाकार रणबीर कपूर के बारे में बात करते हुए कहा यह फिल्म महान होगी क्योंकि इसमें बहुत अच्छा कलाकार काम कर रहा है, वह (रणबीर कपूर) अपने प्रोजेक्ट को जीते हैं। पिछले महीने जानकारी दी थी कि फिल्म में सनी देओल का स्क्रीन टाइम आधे घंटे का होगा।

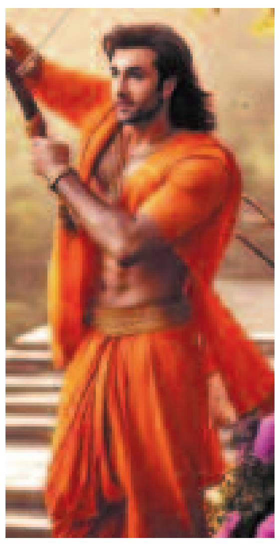

बिग बॉस 18 फेम

कशिश कपूर पर धोखाधड़ी के आरोप

● **डिजाइनर का दावा ड्रेस इस्तेमाल कर बर्बाद की, मुआवजे के 85 हजार देने से इनकार किया**

मुंबई की एक डिजाइनर ने कशिश कपूर पर 85 हजार रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। डिजाइनर का दावा है कि कशिश कपूर की टीम ने कुछ दिनों पहले उनसे संपर्क कर कोलेबोरेशन के लिए काउचर गाउन मांगी थी। डिजाइनर ने टीम से बात कर दो दिनों के लिए गाउन दी थी, लेकिन जब गाउन लौटाई गई, तो वो पूरी तरह रेत में लिपटी हुई और फटी हुई थी। डिजाइनर ने एक्ट्रेस कशिश कपूर से मुआवजा मांगा था, लेकिन कुछ देर तक टालने के बाद उन्होंने डिजाइनर को ब्लॉक कर दिया। डिजाइनर स्मिता श्रीनिवास ने इस पूरे मामले को सोशल मीडिया पोस्ट में बयां किया है। उन्होंने लिखा है, कशिश कपूर ने मेरे साथ 85000 की धोखाधड़ी की। ये सिर्फ एक हरी काउचर गाउन के बारे में नहीं है। ये इस बारे में है कि कैसे छोटे डिजाइनर्स का कोलेबोरेशन और एक्सपोजर के नाम पर शोषण होता है। डॉट मीडिया एंजेसी ने कशिश कपूर के लिए मेरी गाउन ली थी।

मैंने सही साइज डिटेल शेयर की जो स्मॉल थी। उन्हें एक्स्ट्रा स्मॉल की जरुरत थी, इसके बावजूद उन्होंने गाउन ले ली। आगे डिजाइनर ने लिखा है, गाउन पूरी तरह खराब हालत में आई, गीली, रेत से भरी, शल वाली और उल्टी। ये 85 हजार रुपए का काउचर पीस था, जिसे हफ्तों लगे बनाने में। इस हालत में ये बिकने लायक नहीं है, न ही इसे दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। मैंने उनसे मुआवजा मांगा या कहा कि वो इसे खरीदें। 40 हजार में शांति से बात तय हुई। इसके बाद हफ्तों तक बहाने चले कि हम कल पैसे ट्रांसफर करेंगे, बैंक इशू है, मैं ट्रेवल कर रही हूं, फिर फाइनली कशिश ने मुझे ब्लॉक कर दिया। जब मैंने एजेंसी से दोबारा संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि हम कंपनसेशन की जगह सोशल मीडिया पर आपका प्रमोशन कर देंगे। क्या इससे काउचर पीस के नुकसान की भरपाई होगी।

साभार एजेंसी